Congr. 5
C.C. Ext.
Th. 24.8.42

लोम्बोई F-8
4-8-42

महामान्यवर G.E.L. Church Secretary बाबू Th. Surin को मेरा यीशुसहाय।

कड़ुपानी केश के सम्बन्ध में जो गोलमाल फैलने का सुन रहे हैं सो सच है। इसी के सम्बन्ध से मेरे पेरिश के दो मंडलियों अर्थात मामाभगिना और लोम्बोई में सेन्ट्रालिजेशन बन्द हुए हैं। मामाभगिना मंडली में सेन्ट्रालिजेशन के कारण दो पार्टी होके अलग २ गिर्जा करते हैं। १४ घर सेन्ट्रालिजेशन न देनेहारे बाकी २८ घर सेन्ट्रालिजेशन देनेहारे। वैसाही लोम्बोई मंडली में गिर्जा तो सामिल है पर सेन्ट्रालिजेशन जून महीने से बन्द कर दिये हैं।

कब और कैसे फैला?

यह गोलमाल जबकि चर्च सुपरवाइजर Rev. L. Gojowar यहां कड़ुपानी १२.२.४२ महामान्यवर President Rev. J. Stosch साथ आये थे और इस गोलमाल के बारे जांच कर गांव में थोड़ा बहुत पूछपाछ किये और रांची चले गये और C.C. के एक्सीक्युटिव के द्वारा छोकड़ा छोकड़ी को छोटी सजा में रखे जाने का हुकुम फरमाया गया और ये छोटी सजा में रखे गये। उसी समय से गोलमाल उठ गया। वे कहते हैं कि इस गोलमाल

का उठानेहारे और फैलाने हारे चर्च सुपरवैज़र हो हैं
क्यों कि गोलमाल शान्त था। राजीनामा होके प्रार्थना
द्वारा तय किया गया था। दोनों पार्टी के लोग साहि देके
एक साथ प्रेम भोज खानपान किया गया। पर चर्च
सुपरवैज़र गांव के लोगों का पक्ष लेके पढ़ा सभा
का फैसला उठा दिया है तो हम भी C.C के नियम
याने सेन्ट्रालिजेशन को नहीं मानेंगे।

गोलमाल रोकने के बारे कररवाई।

ता: २-७-४२ को बरैबेढ़ा और मोरंडेगा के पंचों के साथ
मामाभगिना में दोनों मंडलियों (याने मामाभगिना और
लोम्बोई) के भाइयों को समझौता के लिये नोटिस
देके बुलाया। सिर्फ मामाभगिना के दोनों पार्टी के
लोग आये और बहुत प्रकार समझौता किया गया
पर कुछ बन न पड़ा और लोम्बोई मंडली में से
सेन्ट्रालिजेशन रोकने हारों में से कोई नहीं आये।
ता: २०-७-४२ को फिर दूसरी बार नोटिस देके लोम्बोई
मंडली के पंच प्राचीनों को लोम्बोई ही में बुलाया
पर तौभी कोई हाज़िर न हुए। हर एक अपने २ काम
पर चले गये। इस लिये आज हार मान कर चुप
हो गया हूं। वे कहला भेजे कि पादरी बाबू से
हमारा कुछ बात नहीं है। खुद C.C और चर्च
सुपरवैज़र आके हमों को समझावे। कहलाने का

गोलमाल न सफाई होने तक सेन्यूलिजेशन बन्द रहेगा। इन दो मंडलियों के सिवाय और बाकी मंडलियों में कोई प्रकार का गड़बड़ नहीं है।

अप्रेल - मे - और जून महिना का रिपोर्ट

अप्रेल -	गिर्जासिनी -	घड़ासिनी -	धन्यवाद -
	Rs - as - P.	Rs - as - P.	Rs - as - P.
	26 - 3 - 6	16 - 13 - 9	1 - 3 - 3
May	18 - 11 - 9	11 - 8 - 9	22 - 6 - 3
June	19 - 14 - 3	18 - 2 - 6	12 - 0 - 3
	64 - 13 - 6	46 - 9 - 0	35 - 9 - 9

आप को २६-६-४२ को लिखित चिट्ठी मिली चिट्ठी देर से मिलने के कारण रिपोर्ट देर हुई है।

कृपया दोष कसूर माफ करेंगे।

आपका आज्ञाधीन सेवक

N. Bage

c.16.
T.H.Ani
22/9/42

~~11~~ 4 F 8

कोरांजो।
१४-६-१९४२.

आज ता. १०-६-४२ को कोरांजो इलाके के कर्मचारियों और इलाका कार्य्यकारिणी कमिटि की बैठकी थी:-

इलाका कर्मचारियों की ओर से चर्च कौंसिल को ता. ६-८-४२ में अर्जी के साथ यह लिखी गई थी, (१) कि क्या इलाका उन मण्डलियों के ~~लिये~~ के कर्मचारियों को जो सेन्ट्रालाइज़ नहीं करते हैं इलाका खजाना से तलप न देवे? इस सवाल का उत्तर चर्च कौंसिल की ओर से पाने की प्रत्याशा में थी, पर नहीं आयो। कर्मचारियों की आर्थिक दशा और अधिक बढ़ती दिखाई देने लगी। जिसके कारण से इलाका कार्य्य कारिणी कमिटि और इलाका कर्मचारियों की सामीलत बैठकी में इस सवाल को तय करने की जरूरत पड़ी अर्थात् क्या इलाका उन मण्डलियों के कर्मचारियों को जो सेन्ट्रालाइज़ नहीं करते हैं इलाका खजाना से तलप न देवे?

इस सवाल पर बहुत तर्क वितर्क होने लगी। इसी बीच में यह बात मालूम हुई कि कितने मण्डली भाईयों का कहना है कि "इलाका उन मण्डलियों के प्रचारकों को भी तलप देती है जो सेन्ट्रालाइज नहीं करते हैं। इसलिये हम लोग भी सेन्ट्रालाइज नहीं करेंगे, देखेंगे इलाका कितने मण्डली के प्रचारकों को तलप देगी?" इन बातों को सुनकर यह सवाल उठा कि हम लोग उन मण्डलियों के कर्मचारियों को तलप देंगे कि नहीं? तलप देने से यह देखा गया कि यदि उनको तलप देंगे तो दूसरे मण्डली के लोग भी ऐसे ही करेंगे। जिससे सेन्ट्रालाइजेशन बिलकुल रीति से टूट जाने का भय है, और तलप भी कर्मचारियों को बहुत कम मिलेगा। यदि उनको तलप नहीं देंगे तो उन

मसाइलियों का सेन्ट्रालाईजेशन ठहरता है, जो अभी तक सेन्ट्रालाइज करते हैं।

इन बातों को लेकर तर्क वितर्क हुआ और अन्त में अधिकांश वोट से यह पास हुआ कि उन ~~मसलिया~~ मसाइलियों के कर्मचारियों को तलप देना बन्द कर देंगे जहां से सेन्ट्रालाइज करना बन्द कर ~~किये~~ दिये हैं।

Rev. L. Kongari
Ilaka Chairman
14/9/42

P. Dungdung
Ilaka Secretary, Koronjo
14.9.42

8

From Rev. L. Köngari
G. E. L. Church, Koronjo

To

The Secretary
G. E. L. Church, Ranchi.

Dated Koronjo the 16th June 1942.

Manyawar,

G. E. L. Church Secretary ko yisusahay.

Age ap ko yahi bidit karate hain ki Kalumpani golmal dinong din barhte hi ja raha hai. Jiske karan Ilaka bhar ke karamchariyon ko bhari takhlif uthana par raha hai. Halmen Lomboi mandli barh gai hai jo centralization bilkul riti se band ki hai. Ilaka karamchariyon ke meeting men unke report se malum huwa ki partha parti ko kai leader yahan wahan ja-kar rokne ki bat jari karte hain. Kitne unki bat mante hain aur kitne nahin.

Is liye ham karamchariyon se arji ki jati hai ki we leader log jo centralization band karne ki bat jari karne men lage huwe hain we roke jawen ki aisa na karen aur rokne-hari mandliyan bhi na roken par niyam-anusar dewen. C.C. unko pura riti se samjhaute dene ki kripa karen

Ap ka beiwast.
L. Köngari
Ilaka Chairman
16/6/42

C.C. (9)   Re C.C. Information   8

સદા- મનસબ્-કુર્બાન-કર કાંગ્રેસ-સોશ્યાલિસ્ટ- ઔર-મસાજ
કો-પ્રેસીડેંટ-ઔર-કાંગ્રેસ-કે-સદસ્યગણોં-કી-ઓરસે-બહુ-નિવેદન-

ગીતા-અનુયાયી-ગણ-કે હૈં રાજ્ય-ચલાના-ચાહતે-(ગાંધીજી-સંગઠન-કા)
કો-સુધારના-ચાહતે-ઔર-બદલના-ચાહતે-કે-બારે-મેં-પાંચ-બાતેં-હૈં-વે-સબ-
કો-સમઝાતે-હોં-ઔર-સો — ।-

મનસબ્-મદારાન-કો-મદારાન-ગયા- સમઝને-મેં-આતા-હૈ--કિ-સબ-
સંગઠન-કો-કાંગ્રેસ-કો-ચલાને-કે-વિરુદ્ધ-દિલ-રખના-ઔર-ઉનકે
પાર્ટી-કાંગ્રેસ-મેં-અપની-પેઠ-કિયે-હૈં-ઔર-સબ-કે-સાથ-ગાંધીજી
સંગઠન-કો-નાદરાનીયોં-મેં- Centralize-કરના-ના-બન્દ-કરતે-હૈં-।-
લેકિન-સચાઈ-કા-દબાવ-ઔર-ઉપર-સે-બહુમત-હોને-કા-ભાવ
હૈ-।- એ-વિશ્વ-વિશ્વાસ-કરનેવાલોં-સે-પૂછ-હૈ- ।—

1 યહ-સંગઠન-કમીશન-કી-થી-।-કમીશન-કી-બાતોં-કો-સફલ
હોને-કો-પહિલે- પહલે-મેં- પહુંચાયા-ગયા- જો-હોના-નહીં-ચાહિયે-થા-।-
ઔર-કુછ-ભી-નહીં-થા —।—

2 ઉસ-પાર્ટી-કો-લોગ-કહતે-તો-કરતે-હૈં-કિ-કમીશન-સબકી
બાતોં-મેં-રાય-નહીં-રખેંગે-ઔર-ન-રોકેંગે- ।-યહ-દેખા-જાતા-હૈ-
કિ-વે-બરાબર-સબકો-વિશ્વાસ-રોક-દેકર-કરતે-હી-હૈં-ઔર-કરને-પર-
તુલે-હુએ-હૈં- ।—

3 Centralize-ઔર-નહીં-કરતા-હૈ- ક્યા-માઈ-ક્યા-પ્રાયઃ-
ક્યા-પંચ-?

યહાં-તક-સબ-કો-સમઝાયા-ગયા-તો-કિ-સબકો-સાથ-દેહાત-કે-
નાગરીયોં-મેં- પંચોં-મેં-વે-નહીં-હૈં-ઔર-ઉસપાર્ટી-કો-બહુમત-
લોગ-ગાંધીયોં-કો-પુકાર-પુકાર-કર-બનાવે-ઔર-કહતે-હૈં-।-
ઔર-Centralize-નહીં-કરના-કે-બદલે-પ્રયત્ન-ઔર-પાર્ટીયોંકા
હૈ —।- અનુભવ- ગાંધીજી-સંગઠન-રખને-મેં- દિલચસ્પી-કો-ચાહે-
વાલે-પાર્ટી-હી-કો-લોગ- જહે-પડે-હૈં —।-

4 ગુલાં-ખાદિ-કો-પહલા-કાનૂનોં-મેં-ઇસ-મુરબ્બા-ઔર-હોશિયાર-
હૈ- કિ-જિસ-ગાંવ-મેં-કોઈ-લોભ-કિયા-ગયા-હો-તો-ઉસ-ગાંવ-કા
કોઈ-ભી-આદમી-કહીં-ન-હો-ઉસકો-વિચાર-કો-ઉપાય-નહીં-કર
સકતા-હૈ —।-

5 સવિનય-ગુનાહ-વાલે-(જો-અપને-આપ-પહલા-મતદાન-કા-
નહીં-બતલાતા-હૈ) આપને-વાલે-ગાંવ-કા-રોકના-સબ-સંગઠન-
કા- પાંચ-સો-ચૌધરી-કહીં-નહીં-રખતા-હૈ —।।—

૪ નવી સાહેબ-ફુલચાનવાલે. ગૌણ-સાક્ષી-કા-જુઠ-હૈ-ઔર-કહુપાતી
કો-ખુસ્યાલ-વાલે-ઔર-પતાસા-વાલે-કા-બાપ-(ભાઈ) બ્યાનરહનીય
વાલે-ભી-ઔર-ઉસકા-લિખે-ગવાહ-પાકો-બાબુ-ગુલેમાન-વાલે-ઔર
પાકો બાબુ-નમાનિસ્કર વાલે-ભી વહી-સાક્ષી-ગૌણ-કે-જુઠ હૈં-૨-
લિખતે-આપ-હૈ-કિ-યે-પત્રકી-ધારાને-કી પુનર્બી-ખ્યાલ-કો-હૈ-ઇસલિયે
ઇસ-મોકદમા-મે-ઉસકા-હાકિમ-હોના-ઔર-વિચાર-કરના-બિલકુલ
ગલત-હૈ ——૧——

૫ પટ્ટા-સાધારણોં-કો-સાથ-મે-ગોત-પટ્ટા-કો-હિસાબ-સે-સાથ-કા-
ભી-ગૌણ-ભૂલ-હુઆ-હૈ-જિસકો-પક્ષ-ચાબીડ઼-કરતે હૈં—૨—
ઇસ-Rule-કો-મોતાબિક-પોડ઼ યા-પટ્ટી-કો-અગર-કોઈ-મોકદમા-
હોને-સે-પોડ઼-કો-પટ્ટા-કા-પહિલા-હક-ન્યાય-કરને-કા-હૈ-।-ઇસ-
હિસાબ-સે-ઇસ-મોકદમા-કા-ન્યાય-સાબદ-ચાહે-ખોખો-ચાહે-ડાંગ-
ગોત-કો-પટ્ટા-કા-કામ-થા-ઔર-નાં-કિ-બિડ઼-સાધા-કા-—૨—

૬ Court-કા-ભી-પટ્ટા-કા-દસ્તુર-હૈ-કિ-જબ-કોઈ-બાત-મે-સન્દેહ
ઔર-દુબિધા-હોતી-હૈ-તો-ઉસપર-બેબાક-ઇન્સાફ-કિયે-જાને-કી-આજ્ઞા-
હોતી-હૈ-—૨—

૭- પર-બિડ઼-સાબ-ઔર-નવી સાહેબ-ફુલચાનવાલે ઇસ-નિયમ-સે-ડરગયે
ક્યોંકિ-પર-કરને-સે-Fact-અગાડિ-સફાઈ-ખુલ-જાતા-ઔર-ધોખ-
અખ્ત્યાર-સાબ-હોજાતા-—૨—૧—

૪. ક્યોંકિ-નવી સાહેબ-ફુલચાન-વાલે-કે-ન્યાય-સાહબ-સે-Fact-કો
સબુત-કરને-કો-લિયે-કિતને-અર્જિયોં-સે-ઇજાજત-લેને-કા-ઇજાજત-
Mr. Henrenz-કો-સાબ-સે-માંગા-ગયા-પર-ઇજાજત-નહીં-મિલા-।-
ઇસસે-સાબ-હૈ-કિ-સચ્ચી-બાતકા-કે-ખુલ-જાને-કો-ડર-સે-નવી-
સાહેબ-ઔર-બિડ઼ સાબ-કો-ભોગા-બરખાસ્ત-વિરોધ-કરતે-હૈ—૨—

૭ મૌકલ-કરને-કી-કાબિલ-હૈ ફુ-સાબ-કો-ન-બતાકર નવી-
સાહેબ-કુટિલતા-કા-કામ-કિયે-હૈં।-

૮ નવી-સાહેબ-ફુલચાન વાલે-કો-બકાલ-કા-ભી-હુક્મ-નહીં હૈ
ક્યોંકિ-ઉન્હોં-ને-સાબ-સે-બકાલ કિયા-થા-કિ-જો-ભી-જિતને-
પુરાન-કો-અદાલત-હોં-સો-સબ-હૈ ઇસ-સાબ-કો-સાબપતિ-Mr.
Henrenz-કો-હાથ-સે-દિયા-જાયેગા-કિ-જો-ખિસ્ત-ગણ-સે-દાખિલ
હુઆ-હૈ-સો-ઉસી-ગણ-સે-દિયા-જાયે-।-પર-જબ-સાબપતિ-Mr.
Henrenz-અદાલત-માંગા તો-કેવલ-ઉસીકા-અદાલત-ભેજ દિયા-
ગયા-।-બાકી-અદાલત-કો-નવી-સાહેબ-અપ-લિયે-સો વહી માને—૧—

૯ નવી-સાહેબ-ફુલચાનવાલે-કો-ઉચિત-થા-કિ-સચ્ચી-બાત-
કહા હૈ-ઇસકા-તલાશ-કી-જાંચ-કરતા-પર-ઉન્હોં-ને-યહ-ન-કર

Proceeding [illegible] Proceeding [illegible] Fact [illegible]

१० [illegible] Proceeding [illegible] Fact [illegible]

११ [illegible] Mr. Henrenz [illegible] Mr. Henrenz [illegible] Mr. Diru [illegible] Mr. Junathan Bage [illegible]

१२ [illegible]

[illegible]

[illegible]

Augustus Henrenz.
7/6/42.

Dated, Pharsakera,
P.O. Simdega.
7/6/42.

श्रीमान चर्च कौंसिल जुबेरल चर्च छोटानागपुर और आसाम

महाशय

हम दीन दुखियों की बात ऐसी है कि बीते २१ जनवरी को – चर्च कौंसिल की प्रेसिडेन्ट और चर्च सुपरभिजर महुआटांड़ की गड़बड़ तय – करने को आये थे ता० २१ को उन्होंने कहा कि कल २२ ता० को गड़बड़ की – बात को देखेंगे। तब कितने पेरिस के भाई लोग लौट गये लेकिन – सुपरभिजर साहेब रात ही को प्रेसिडेन्ट साहेब के बिना रहते – प्रचारक – सुलेमान – समद को आपने पक्ष के लोगों के सामने इजहार लिया। इसके बाद याकूब पादरी को और एक प्रचारक को, और दो सदाफल भाइयों को। दूसरे रोज (ता: २२ को) प्रेसिडेन्ट के सामने सुपरभिजर और कितने भाइयों – के बीच फैसला हुआ क्यों कि गड़बड़ की बात २८ – २९ जून महीने ही में दोनों पार्टी से तय हो चुका है।

जब तय की बात प्रेसिडेन्ट को मालूम हुआ तो बोले कि इलाका में उस – बात को देखेंगे कि यह बात दोनों पार्टी के लोगों के सामने लड़की निर्दोषी पाई गई, उजूर करने को कहा गया किसी ने उजूर नहीं किया, दोनों पार्टी साम्मिल खाये पीये राजीनामा हुआ साही शादी बियाह हुआ पादरी से बिदा हुआ, ऐसी तय किये हुए बातों को फिर उठाना ठीक नहीं है।

लेकिन इलाका में भी कुछ नहीं हुआ सुनते हैं चर्च कौंसिल में बिचार किया जायगा। ऐसी बातों को देखने से मालूम होता है कि झगड़ा फिर बढ़ गई क्यों कि मण्डली में मण्डली दशा पूछा नहीं गया कौन गिर्जा नहीं आता है कौन कहां गिर्जा करता है क्या करना चाहिये कुछ ही किया नहीं गया है।

मण्डली में कितनों को बिना पुकार पूरे ही शादी दिला दिये पर आगे पार्टी वालों को तो शादी की चिट्ठी भी नहीं दिया जाता है। मण्डली दो भाग का कारण तो बीते २८ – २९ जून की राजीनामा को तोड़ने का कारण है – क्यों कि प्रेम भोज राजीनामा के बाद आगे पार्टी वालों को आनेक्षुकार के सिकायत करने लगे। यहां तक कि हमारे साथ प्रभु भोज भी नहीं खाये। चर्च सुपरभिजर हमसे एक बात भी नहीं पूछे। मालूम होता है चर्च – सुपरभिजर उन्हीं के पक्ष में रहकर वे भी हमको छोड़ दिये।

ચવી કૌંસિલ મહરાબ એક આલગ ગલી ઘર બનાને કા નાયદે તી હૈ

મી ધ્યા ઉપાય બતાતી હૈ કિ આત્મા કિસકી મિટ્ટુ કો લિયે શોંપ દેતી હૈ।

આઈન્દે હુજૂર માલિક હૈ।

બ૦ દ૦ મોહન-ડાંગ મહુધાનો

તા: ૨૨-૨-૪૨

રેપ સહી ધ. ઝઈ બાબો

સહી નુઆસ બાબો

રેપ સહી જળ ઉસ્યા બાબો

આનન્દસીંહ બાગ

તા: રબ:

8

Kalupani case CC

251

महामान्यवर चर्च कौंसिल - की यीशु सहाय

आगे चर्च कौंसिल - की पानी पंचों को कोइन के तरफदारों लोगों को मंडली पंच समझ कर (मंडली पंच के नाम से उनको फैसला को रुकते हैं मगर उनके मिनिट ता० ११-५-४१ ई० के कागजात से जाहिर है कि वे मंडली पंच नाम से अपने को जाहिर-नहीं किये हैं इसी लिये उन लोग ता० २३-५-४१ ई० और ता० ५-६-४१ ई० को पड़ह में जारी किये हैं वो बादमें पड़ह में जारी किये हैं और इसी राह पर आनन्दमसीह बागे [illegible] वगैरह की ओर से पड़ह पीर्हीयामेन्ट सभा तक जारी हुई और सफाई भी होगया। पड़ह लोग में न्याय का जागर खतम होगया, इसके बाद अब का के दूसरा लोगमें कोयानी के जुटुम्ब पंच अपने को छल से मंडली पंच नाम का के चर्च कौंसिल में आइन के विरुद्ध दरखास्त दिये, जिसमें Church Executive Commitee Judgment No (1) में Mandli Panch nam dena गलत है और गलती से छोटकी छोटकी को मंडली सजा में रखवाये हैं। यदि कोयानी के उनके तरफदारों को लोग मंडली पंच होते तो मंडली नियम के बाहर आनन्द-मसीह बागे और उसके घरानों को पड़ह लोग का जुटुम्ब वाले सजा ता० २६-३-४२ ई० को देने का कार्रवाई नहीं करते इससे वे अपने को मंडली पंच से धिक्कार-किये और इसमें फैसला को भी धिक्कारी आये हैं। और इससे अन्याय के कारण औरांवों इलाका के मंडलियों में भारी अनबन पैदा होगया। अब कोई ये वे-मंडली पंच हैं न पड़ह पंच हैं, उनके कागजात से पड़ह पंच अपने को जाहिर किये हैं देखिये ता० २८-३-४२ ई० इसके साथ जुटुम्ब वाले नोटिश का नकल भेजा जाता है व० मार्टिन तिर्की मामा [illegible] खास

रिमार्क — ता० २६-२-१९४२ ई० के C.C. के Executive Commitee के फैसला का नकल और Luther Jojo के रिपोर्ट का नकल और पादरी याकूब बागे बाबू के रिपोर्ट का नकल भेज दिया जाय। व० मार्टिन तिर्की मामा [illegible] खास

Martin Tirky Mamadhagura 28.3.42

[illegible] [illegible] [illegible] २८-३-४२ [illegible] व: ख:

Yoel Kuria Mahuwatoli 28-3-42

Nicodim - Samad Ieesra - 28.3.42

साक्षी समुएल बागे [illegible] व: ख:

कृशानमय डांग [illegible]

मार्टिन - सुरिन - [illegible]

Anandmasih Baga Konedaga 28-3-42.

स: नथानिएल [illegible] बागे [illegible]

व० ख० [illegible]

[illegible] व: ख:

यो[illegible] डांग [illegible] व: ख:

[illegible] बागे [illegible] व: ख:

[illegible] बागे का: ख:

जोवनमसीह [illegible] खलखो

कुशान मय समद [illegible]

आनन्दमसीह बागे व: ख:

[illegible] - तोपनो - [illegible]

S. Sykhau Horo
Secretary

8/ CC 27

From, The Ilaka Panch
G. E. L. Church, Koronjo

To

The Secretary
G. E. L. Church, Ranchi.

Koronjo, Dated the 13th Ap. 1942.

Mahan-manyawar

G. E. L. Church secretary ko yisusahay howe.

Age ap ko Koronjo Ilaka ke karamchariyon ka darkhast aur "Kalimpani bisariyak Golmal ke Parha ki or se jo mandli mandliyon men garbar kar rahe hain unke janti nama do kagjong ko ap ke yahan bichar faisla ke liye bhej de rahe hain. "We samjhaunewali
nahin mante hain"
Kripaya in bisariyon ka bichar faisla sighar janti dene ki kripa karenge.

P. Dungdung
Ap ka biswasi
Ilaka Secretary.
13/4/42

Ilaka chairman
L. Kongari
13/4/42

Through the Ilaka Panch
Koronjo
9.4.42

To
The G.E.L. Church Council
Ranchi.

महामान्यवर,

जी. ई. एल. चर्च सेक्रेटरी को हम कोरांजो इलाके के सब कर्मचारियों की ओर से यीशु सहाय होवे।

आगे आपको मालूम होवे कि जी. ई. एल. चर्च कौंसिल की ओर से कड़ुपानी के गोलमाल विषयक बात के फैसला सुनाने के कुछ बाद कई मंडलियों में भारी गोलमाल और गड़बड़ शुरू हो गया है याने हाल में कोएडेगा, मामाभगीना, राजाबसा, बनमली, डोमापानी और डोंगीअरिया इत्यादि। गोलमाल उठाने वाले विशेष पढ़ा पार्टी के लोगों से हुई है। इनका कहना है I कि सी. सी. अन्याय किया है क्योंकि पढ़ा लोग खुलासा होकर जो बात को तय किये थे सो सी. सी. के द्वारा उठा दिया गया है और अन्याय दंड सजा फरमाया गया है।

II कलीसिया अन्याय की है इसलिये कलीसिया की शासनप्रणाली को नहीं मानेंगे। III जब तक सी. सी. ठीक रीति से न्याय न करें सेन्ट्रालाइजेशन से रोक रखेंगे। पढ़ाओं की विपक्ष पार्टी दो जगहों में मिटिंग हुई, एक बेर राजाबसा में, दूसरी बेर लोबाडी में, दोनों जगहों में यही उपरोक्त बातें स्थिर किई गई। और अब से लेकर के राजाबसा, बनमली, डोंगीअरिया, डोमापानी मंडली में सेन्ट्रालाइजेशन बिल्कुल बन्द कर दिया गया और कोएडेगा, मामा भगीना, कमापानी मंडलियों में दो पार्टी हो गई हैं, कितने कलीसिया के शासन प्रणाली को माननेहार हैं वे सेन्ट्रालाइजेशन करते हैं और दूसरी पार्टी जो नहीं माननेवाली हैं सो अलग गिरजा करते हैं और सेन्ट्रालाइजेशन बन्द करते हैं। अब जब कि मंडलियों में इतनी भारी गड़बड़ बढ़ गई है हम कर्मचारियों को क्या ही तकलीफ झेलने पड़ रहे हैं। बड़े भारी घाटे सहना पड़ रहा है। उन जगहों के कर्मचारियों को जहां सेन्ट्रालाइजेशन बन्द है तनखाह देना पड़ रहा है और एम. ई. स्कूल को भी। यह पहिला कठिनाइयां है और दूसरा कि जो सेन्ट्रालाइजेशन बन्द करके अलग गिरजा करते हैं याने जो

कलीसिया के शासन-प्रणाली के विषय में हैं उनके यहाँ I हमारे कर्मचारी गिरजा-आराधना करते हैं किन्तु क्यों कि कहीं कहीं से कर्मचारियों से काम केवल लेने चाहते हैं और रखना नहीं। II उन लोगों को जो सेन्ट्रलाइजेशन-पसन्द करते हैं और कलीसिया के शासन-प्रणाली के अधीन-होना नहीं चाहते हैं उनको शादी, बपतिस्मा, प्रभुभोज आदि क्रिया कर सकेगा कि नहीं। सो आप को नम्र निवेदन के साथ अर्ज किया जाता है कि इसका जवाब जहाँ तक शीघ्र हो सके भेज देने की कृपा करेंगे जिससे कि मंडली में हम कर्मचारी लोग बिना रोकटोक काम करने सके वो सक्रामेन्ट आदि कर सके, जहाँ ज़रूरत-मालूम हो गये हैं।

आपका विश्वासी- इलाका-
कर्मचारी सभा का सेक्रेटरी-
प्रचारक- पतरस बाबा.
ता. ९.४.४२

Rev. L. Kongari
Ilaka Chairman
9/4/42

Forwarded to the secretary
G. E. L. Church Ranchi.
L. Kongari.
Ilaka Chairman
13/4/42

[illegible] Executive Committee [illegible] Iloka [illegible]
Rev. J. Korangaji
Iloka Chairman 20/3/42

मौकाम राजाबासा
ता: १०-३-४२-ई० ।

श्री ६ श्रीयुक्त महामान्यवर इलाका चेयरमैन लूथर कोनगाड़ी
आप को हमलोगों का बहुत २ यीशुसहाय —
आगे आप को आगाह किया जाता है कि Executive
Committee ने जो पढ़ सभा का फैसला जिसको ख्रिस्तान
भाइयों ने फैसला किया है उसको किया और कतुपानी के
लड़का लड़की को अन्याय मण्डलीसाजा दिया है।
इसलिये हमलोग ऐसे अन्याय मण्डलीसाजा को
नहीं मानेंगे और कलीसा के शासनप्रणाली को नहीं
मानेंगे सो ताकिद जानिये।

बकलम सोहन होरो
सभा अगोना
ता: १०-३-४२-ई०

साक्षी योहन डांग कतुपानी बा: स्व
ता: १०-३-१९४२
साक्षी - बेन्यामीन बागे डोंगोआरिया बा स्व: १०-३-१९४२ ई०
साक्षी समुएल बागे डोंगोआरिया बा स्व: १०-३-१९४२ ई०
साक्षी मनमसीह समद डड़कतुपानी बा: स्व: १०-३-४२
साक्षी मरटिन सुरीन राजाबासा ब: स्व: १०-३-४२
साक्षी जीवनमसीह कुड़ पुरबटोली ब: स्व: १०-३-४२
साक्षी कुरसमसीह डांग राजाबासा ब: स्व: १०-३-४२
साक्षी युसफ होरो कुरानिया - ब: स्व: १०-३-४२
साक्षी [illegible] डांग [illegible] - ब: स्व: १०-३-४२
ब: स्व: १०-३-४२
साक्षी कुमार बागे कतुपानी ब: स्व: १०-३-४२

दस्तखत निशान साक्षी अब्राहम [illegible] लुगुन पुरबटोली
दस्तखत निशान मनसुख बागे [illegible]
दस्तखत निशान साक्षी पुंतस लुगुन डड़कतुपानी
दस्तखत निशान साक्षी दाऊद बागे कतुपानी
दस्तखत निशान जकरिया बागे कतुपानी
दस्तखत बेन्यामीन बागे [illegible]

Mathias Tirki
Manuel [illegible]
10.3.42

अगर आगे इ. हमलोगों चाहते हैं
तो वहीं ने या, चिट्ठी में रहेंगे।

Returned to the [illegible] Iloka Panch Korangaje Kahupani
Rev. J. Bage Kahupani
11.4.42.

Forwarded to the Sub[illegible] Church Council
Rev. J. Korangaji
Iloka Chairman
17/4/42

માન્યવર-

મારો બાદ L. Kongari Haka Chairman Kovonjo

આપ કો પેશ સલામ— આગે આપ કો ઇસ લિયે ખબર દિયા ગયા કિ— કાલોસા મેં કોઇ નિયમ કા સિવા નાન હોતે હૈ ઉસ કો લિયે ~~ખુલા~~ Mhiu બિલકુલ ખુલા હૈ ઇસ લિયે વહ પડ઼હોં કો તોડ઼ સકતા હૈ ઓર મણ્ડલી નિયમોં કો તોડ઼ સકતા હૈ ઇસી— કારણ વચ કૌન્સિલ કો પાનિયોં કો દરખાસ્તોં કો ગઢરા કિઈ, યદિ કાલો— સા મેં નિયમ હોતા ઓર ઉસ કા પાલન હોતી હોતા તો વચ કૌન્સિલ નિયમ કે માતા— બિક પોતેલ કો પાનો પોરસ મેં દરખાસ્તોં કો ~~નિયમ~~ Mhiu ન્યાય કો લિયે મોજતી ઓર પડ઼હોં પર ન હોતી મગર વહ ઇસ કો બાનુકૂલ કિઈ, જબ હમોં ને ઇસ કા Chairman કો જાન્તી ખબર અન્યાય કા દેતે હૈં તો હમોં કો નિયમ દેખલાતે હૈં ઓર જબ— વચ કૌન્સિલ નિયમ કે બરખિલાફ ઓર પાનો પોરસ મેં કામ કરતા હૈ ઓ તો— ઉસ કો કહને કો લિયે આપ કા બોલ હુએ ઇસી કો મુંહ દેખાકર હેતે હૈં ઓર બડ઼ ઘર બડ઼ાઇ કો છોર દો ન્યાય, અબ કો દેખે નિયમ કહાં હૈ? કાલોસા બિલકુલ— મણ્ડલીમેં ઓર પડ઼હમેં ગડ઼બડ઼ કરને વાલા હૈ ઓર અનિયામિત ચલનેવાલા હૈ ઇસી લિયે લિખા ગયા કિ કાલોસા કો શાસન પુરાણ કો નહીં માનેંગે સો તાલિકદજાનિયે— તા૦ ૨૮-૩-૪૨ ઈ૦ વ. મારિયેમ તિરુ મામાભાગીના સ્વાક્ષ—

Marhiu Tiru Mamabhagina 28-3.42
Mr. Li. Falabga 28.3.42.
Anandmarik Bage Kondega 28-3-42
Nicodim - Samad. Jeesra - 28-3-42.
જીવન મતી બુડ઼ ઘુરવાર વા. સ્વ:
જુશવન મય સમદ ઘુરવાર વા. સ્વ.
Noel Gioni Mahuntoki
યોહન ડાંગ મદુપાનઈ વા: સ્વ:
ઉમાદર વાગે અદુપાનઈ વા: સ્વ:
અનુઆરમ વાનુ રવના વા: સ્વા
અબ્દી વેસા વાવા વા: સ્વા:
આનન્દનારોદ વાગે વા: સ્વા:

સાક્ષી - સમુસ્ટલ બાગો ડોંગામરિયા વા: સ્વ:
સાક્ષી - ગુનવાન - તોપનો ઘુરવાડર વા. સ્વ.
સા: નથાનરુગ્લ બાગે ડોંગિમારિયા વા: સ્વા:

ટેપ સાક્ષી. ...
ટેપ સાક્ષી. ...
ટેપ સાક્ષી. ...
ટેપ સાક્ષી. ...
ટેપ સાક્ષી. ...
ટેપ સાક્ષી. ...

Johan Kiro
Secretary

Forwarded by the Secretary of L. Kongari Elected chairman 13/4/42 Ramadhi

2 8

महामान्यवर चर्च कौन्सिल को मालूम हो —

आज 29-3-42ई॰ में जो चर्च कौन्सिल बैठी थी और जिनकी राय पत्रों में आपने
प्रकाशित किया वह पत्रों को हमों ने ता॰ 23-4-42ई॰ को पाये। उस पत्रों में
आपने प्रकाश किया कि चर्च कौन्सिल को कोई बात लिखना हो तो
हल्का का Chairman के जरिये भेजिये और उसमें हल्का का पंच की राय होना
चाहिये। इससे जाहिर होता है कि कौन्सिल में या कलीसियों में नियम है और
कौन्सिल नियम के अनुसार काम करते और चलते हैं। यह तो बहुत अच्छी
बात है मगर जब कोयानियों ता॰ 2-10-41ई॰ और ता॰ 2-12-41ई॰ को
Directly चर्च कौन्सिल में लिखे तो चर्च कौन्सिल आपने नियम के
विरुद्ध में उनके अर्जियों को ग्रहण करके और विचार करके उस आपने
नियमों को भंग किये। जब नियम के विरुद्ध में या कानून के विरुद्ध में
दरख्वास्त लेना और फैसला करना नाजायज समझा जाता है या कौन्सिल
आप से Dismiss किया, क्योंकि कोयानियों बिना हल्का का चेयरमैन
के जरिये भेजे थे ऐसा दरख्वास्त को चर्च कौन्सिल आपनी चिट्ठी ता॰ 29-3-42ई॰
के अनुसार विचार नहीं कर सकता है मगर उसके बरखिलाफ विचार किये
यदि चर्च कौन्सिल नियम में है और नियम को भंग करना समझता है
तो ता॰ 20-2-42ई॰ के फैसला और लड़का लड़की को महाडली सजा को इन्कारी
कबूल करे। और यदि इन्कारी कबूल न करे तो ता॰ 14 अप्रैल 1942ई॰
की बात को झूठा कबूल करे। कोयानियों की अर्जी के निस्बत उनको
नियम नहीं दिखलाया गया मगर जब मार्टिन तिड़ू वगैरह कौन्सिल में
लिखे तो उनको नियम दिखलाया गया यह तो न्याय की बात नहीं है।
चर्च कौन्सिल किस तरह से हल्का का चेयरमैन के जरिये किसी बात
को लिखने का अनुमति देते हैं यह समझ में नहीं आता है जिस
मार्ग से जो बात निकलती है उसी मार्ग में बाहर किया जाता है
कोयानियों की दरख्वास्त जब हल्का का चेयरमैन के जरिये नहीं भेजा गया
और हल्का का पंच की राय नहीं थी, तो ~~आप~~ चर्च कौन्सिल किस तरह से
मार्टिन तिड़ू वगैरहों को हल्का का चेयरमैन और हल्का का पंच के राय से
भेजने को बोल सकते हैं। इसलिये आप लोगों को ~~*~~ चर्च कौन्सिल
से निरख करने का सरोकार नहीं रखेंगे ~~[struck]~~ ता॰ 30-4-42ई॰ -

Marthin Tiru
30.4.42

Johan ~~Horo~~ Mannatkagine
30-4-42

Nicodim Samad
Kesari

To,
The Secretary J.J.P. Tiga
G.E.L. Church Ranchi

[illegible]

30.4.42

8/

To,

The G.E.L. Church Secretary Ranchi,

Ap Ko Yishusahay.

Main ne ap ki 27.2.42 ki chitthi 2.3.42 Ko pai aur jaisa usmen karrwai kii jati hai, taisa Kahupani ke Patras Bage aur Susana Bage ko bina bilamb dusre hapta 8.3.42 Ko Kahupani Girja hi men mandli ke samhne C.C. ka phaisala parh kar mandli-saja men rakh diya.

Ap ka agyadhin

Yakub Bage

Dated
14.3.42.

হ্য

राजावासा
ता० १०-३-४२ई०

श्री हुकमीयुत महामान्यवर चर्च कौंसिल को हमलोगों का यह सूचना — आगे चर्च कौंसिल को आगाह किया जाता है कि चर्च कौंसिल के Executive Committee ने पहले समय का फैसला जिसको खिस्तान भाइयों ने फैसला किया है उसके विरुद्ध किया और मौजा कोयानो के लड़का लड़की को महा[illegible] सजा देने का हुकुम फरमाया है इसलिये हमलोग ऐसे अन्याय महा[illegible] सजा को नहीं मानेंगे और कलीसा के शासन प्रणाली को नहीं मानेंगे सो तावि[illegible] जानिये। व० मा[illegible] मासाजगीना खास — ॥ —

સહી - બેન્યામીન વાંગે ડાંગોએમારિયા વા: સ્વ: - ૧૦-૩-૧૯૪૨ ઈ.
સહી સન્તોષ સમદ ડડુઆપાનો / વા: સ્વ:
સહી યુસફ દોરો ખુરટીયા વ: સ્વ: - ૧૦-૩-૪૨
સહી જાનકીરયા - ઈસ્માઈલ આયન મો. ખુટબારર —
સહી ઈશ્માઈલ ડાંગ ડેટે[illegible] વા: સ્વ: ૧૦-૩-૪૨
સહી યોહન ડાંગ કડુપાનો વા: સ્વ: ૧૦-૩-૪૨
સહી ઓબનમસીહ ખુડ વા: સ્વ: ૧૦-૩-૪૨
સહી ખુરાસમય ડાંગ રાજાવાસા ૧૦-૩-૪૨
સહી મનમસીહ સમદ ડડુઆપાનો વા: સ્વ: ૧૦-૩-૪૨
સહી મરશન સુરીન રાજાવાસા વા: સ્વ: ૧૦-૩-૪૨
સહી સમુએલ વાંગે ડોમિઆરિયા વા: સ્વ: ૧૦-૩-૪૨
સહી ઉમ્મદ વાંગે ખડુપાનો વા: સ્વ: ૧૦-૩-૪૨ ઈ.
ઈશ્માઈલ સહી મનસુરમ વાંગે ખુટબાર.
રેપસિયાન સહી યુસફ ખુટગાર ડડુઆપાનો
S/ Johan Horo Mamalkhagra 10-3-42
એલાઝર વાંગે [illegible] ખુટનીત ડ
Mathiu Tirk Mamalkhagra 10-3-42
જાનકીરયા વાંગે કોયાનો
યહુદા વાંગે કોયાનો
બ[illegible] સમલ ખગરા
સહી યુસફ [illegible] ખગરા
સહી [illegible] ખગરા [illegible] જેમ્સ - [illegible]
[illegible] પાનાનાર - [illegible]

26-3-52

मोकाम : राजाबासा

ता १०-३-४२ ई०।

श्री ६ श्रीयुक्त महामान्यवर जे० स्तोष को हमलोगों का योशुसहाय होवे। – आगे आप को अगाह किया जाता है। कि आप पढ़ सभा की फैसला जिसको खिस्तान भाइयोंने फैसला किया है। उसको मंजुर किया है। और कदुपानी के लड़का लड़को को मण्डली साजा देने का हुकुम फरमाया इसलिये हमलोग ऐसे अन्याय – मण्डली साजा को नहीं मानेंगे और कलीसा के शासन प्रणाली को नहीं मानेंगे सो ताकिद जानिये। आप को इच्छा हो तो, इस का, जवाप देंगे।

ब कलिब जोवन होरो

साहो बेन्यामीन बागे डोंगो आरिया मभा अगोना

बा: स्वा: १०-३-१९४२ ई० ता: १०-३-४२-ई०

शाहो योहन डांग कदुपानी बा: स्व

१०-३-१९४२

शाखो समुएल बागे डोंगि आरिया बा स्वा: १०-३-१९४२ ई.

साहो मनमसीह समद डड़ापानी बा: स्व: १०-३-४२

साहो जोवान मसीह पुड़ पुटवल बा: स्व: १०-३-४२

साह्रो मरटिन सुरीन राजाबासा बा: स्व: १०-३-४२

साहो- युसफ होरो कुरमिया बा: स्व: १०-३-४२

साह्रो अब्राहम डांग राजाबासा बा: स्व: १०-३-४२

शाहो इसाहक डांग केरम बा: स्व: १०-३-४२

साहो इलियास बागे कदुपानी बा: स्व: १०-३-४२

टेप निसान साहो अकारिया कुजुर घूरबहार

टेप निसान साहो हिजकिएल मसीह पुटवल

टेप निसान जुसफ कुजुर डड़ापानी

टेप निसान साहो मनस कुजुर घूरबहार

टेप निसान जकारिया बागे कदुपानी

टेप निसान साहो बेन्यामिन बागे कदुपानी

टेप निसान अस्कुबा बागे कदुपानी

Mathias Tirkey
Manakhagia(?)
10.3.42

शाहो निमोहेम स्टेफन डोगन ९-२०-

~~X~~ 40

Application is written in ~~two~~ three copies.

महामान्यवर ख्रीष्टान कलीसा ~~महासभा~~ चर्चकौंसिल Moderator मांडमा रांची

चर्चकौंसिल

महामान्यवर ~~महासभा~~ Moderator आपलोगों को हमलोगों का बहुत २ यीशु सहाय — आगे आपलोगों के जमहां (?) वास्ते तके काम करनेवाले नीचे लिखी हुई बातों को जनाते हैं।

१- ता० २१-२-४२ ई० को आमसभा में Church Council के Supervisor Luther Jojo आपने भाषण में बताये कि ता० १२-२-४२ ई० को परिससभा होगी उसी में कोयाना (?) की गड़बड़ तय कि जायगी परन्तु उसके विरोध में, रात ही को Supervisor हुकुम जारी किया कि गांवपंच एक जगह में बैठें और जिन का वेस्ट्रीमेन इलाका का वेस्ट्रीमेन रहे और उनसे बोलवाकर इकरारपत्र लेकर सहीसनाखत लिये और उन्हीं के साथ Supervisor Jojo रहता था

२- परिस सभा जिसका वेस्ट्रीमेन परिस वेस्ट्रीमेन रहेंगे। परिस के पंचों को बुलाये ~~में बात किये होकर परिससे रिपोर्ट देने के लिये मजबूर~~ Moderator व उनसे खास आपस की कर के इकरार लिया व सनाखत भी लिया जिससे हमलोग अनजान थे उनके कहने पर मालूम हुआ।

३- Supervisor जब से कोयाना (?) में आये तब से Luther Ganjhu और उस के साथियों के साथ Luther Ganjhu के घर में रहते थे और वहीं ही खाना पीना करता था और उन्हीं के ऐसा कथा बखान (?) करता था

४- Church Supervisor जो ही आप एक मौजा कटुआनो (?) निस्बत गड़बड़ नाम को मिटाने वास्ते आये उस को किसी का पक्षपाती होना नहीं था, परन्तु यहां आकर वकील ही एक पा- ब हकाने का एक दिखाकर आप ने इस प्रकार के एक दिखाना बिलकुल वाजिब नहीं है ऐसा बाजिब नहीं वाला आदमी Supervisor काबिल नहीं है और इस प्रकार के काम करनेवाला आदमी का रिपोर्ट सच मानने के काबिल नहीं हो सकता है॥

५- सभा बैठने पर Supervisor लड़कों को लड़का का इकरार लेने के लिये जारी किया जिसके निस्बत आनन्दमसीह बागे ने पहले पूछा कौन point से इकरार लेने चाहते हैं, बताया जाय मगर जिसका जवाब तुरन्त नहीं दिया, बताया कि महाडली धी मांगा का आदेश (?) बताया। लड़कों का तो पड़ह पालियामेन्ट सभा एक सफाई होकर निर्दोष बनाई गई है। इसी दरमियान, Supervisor बोला पड़ह पालियामेन्ट सभा का फैसला को तोड़ने वास्ते नहीं आये हैं, पड़ह फैसला में लड़कों निर्दोष बनाई गई है इस के विरोध जब लड़कों को दोषी बनाने का रिपोर्ट किया और महाडली साजा देने का हुकुम किया गया तो पड़ह को तोड़ने का काम किया, Government ने पड़ह को तोड़ने के लिये हाथ नहीं डालता है तो कलीसा कैसे हाथ डाला, तो क्या कलीसा से Supervisor को पड़ह तोड़ने का अधिकार दिया गया है जो पड़हों को तोड़ता है। यदि Supervisor पड़हों को तोड़ने का काम करेगा तो निश्चय कलीसा में गड़बड़ होगी और ऐसे हालत में नहीं माना जायगा। पड़ह का यह मतलब नहीं कि कलीसा तोड़ा जाय बरन रक्षा करता है।

६- President J. Stosch साहेब को हमों ने बताया कि मांडलमा (?) तय होकर दोनों पार्टी के आदमी सहीसनाखत दिये व प्रेमभाव, राजीनामा और प्रार्थना के साथ हाथ मिलान हुआ, तब साहेब बहादुर ने सुनकर समाधान किया और प्रार्थना होकर समाप्त किये इसलिये राजीनामा के सिवाए और कोई उपाय नहीं था॥

ता० ४-३-१९४२ ई०

वा० मार्टिन तिर्क मामाभोगना खास

Sd/ Martin Tirk Mamabhagna 4.3.42

सही आनन्दमसीह बागे अनुमति (?) ४.३.४२

ब: स्व:

S/ Neodim samad. Kesra 4.3.42.

S/ Johan Horo. Village. Mamalkhagina 4.3.42

जोहन टोपनो 4-3-42

Petras Bala 4.3.42

Masihprakash Bage

Mansich Surin -

जोहन डांग बः वः

Msage

सुलेमान डांग बा: १व:

लाहुम मुण्डू ब:२व:

पड़ह सभा की ओर से ऊपर के नौजवान आदमी दसखत बनाये हैं

और दरखास्त को जवाब देने के लिये महासभा में उपस्थित होंगे जिसके लिये Church fees, बाकी नहीं रखने में, दाखिल करता है ता० ६-३-४२ ई० ॥

Martin Tirky
6.3.42

मोकदमा का बयान ॥—

१- यह कि गांव पंचों का फैसला एकदम गलत है क्योंकि पेन्सिली चिट्ठी किसी गोवाहन से तस्दीक नहीं किये गये कि चिट्ठी लड़की की लिखावट है कि नहीं? चिट्ठी बिना तस्दीक के सबूत में लेने के काबिल नहीं हो सकती है ॥—

२- यह कि चिट्ठी पतरस लकरून के नाम से लिखा गया है उसके बदले पतरस बागे को यानी यह जालसाजी की बात है वो पतरस बागे को बिना इजहार लिये अपराधी नहीं ठहरा सकती है क्योंकि वह पाबन्द नहीं है बिना पाबन्दी के सजा देना कानून विरोध है ॥—

३- यह कि मुद्दई के कोई गोवाहन नहीं है बिना गोवाहन के मोकदमा सबूत के काबिल नहीं हो सकती है ॥—

४- यह कि दूसरा काथोलिक मि० अगुस्तुस हेंडंज सिर्फ मुद्दई पार्टी के लोगों से इजहार लेकर फैसला किया, ऐसा किसी हाकिम ने एक पार्टी के लोगों से इजहार लेकर फैसला नहीं करता है वो न किया है। जब मोक-दमा में इजहार होता है तो दोनों पार्टी के लोगों से इजहार लिया जाता है और दोनों पार्टियों के लोगों से जिरह लेने का प्रचलित है मगर इस शर्त के बरखिलाफ में व्यवहार किया वो एक पार्टी के इजहारी फैसला से दूसरा— पार्टी पाबन्द नहीं हो सकता है और न अपराधी गिना जा सकता है। इसी प्रकार Supervisor Jojo ने शर्त के बरखिलाफ में व्यवहार किया इसलिये शर्त बरखिलाफी इजहारी फैसला नाजायज के काबिल है।

५- यह कि पड़हा कौंसिल के ठहराये हुए और लोगों के बीच में प्रचलित कायदों के अनुसार फैसला किया हुआ को तोड़ने का अधिकार कौंसिल को नहीं है ॥—

६- यह कि President साहब और Supervisor साहब पेन्सिली चिट्ठी को बिना देखे वो बिना जांचे गलत बातों पर विश्वास करके सच्चे प्रमाणों की भांति सबूत में रिपोर्ट किये, ऐसे गलती रिपोर्ट देना एकदम अन्याय है। सच्चे प्रमाणों की भांति के कारण दिखाना, इसलिये किये कि Supervisor Jojo हमों से [illegible] करके झगड़ा किया, इसी झगड़ा के कारण ~~मोकदमा को~~ Mahru पड़हा फैसला को रद्द किया।

Sd/ Martin Tirey
Mamabhagina
6.3.42

To The Secretary C. C. Ranchi. २.

President और Church Supervisor का टूर. (tour).

7 — 17 February 1942.

A. Khutitoli Ilaka :- (a) Kurpani case (b) Lathakhamar case.
(Febr. 8 – 10)

B. Kahupani Parish :- (a) Kahupani case.
(Febr. 11 + 12)

(C) Lomboi Parish :- Bahin Binti samaj case of (1) Dasaintoli (2) Harrapani और (3) Dadkapani.
(Febr. 13)

D. Koronjo Parish :— Naya Padri ka Ilaka
(Febr. 14 – 17)
Chairman bahali.
Ilaka Panch aur Ilaka Karamchari Panch ki sammilit baithak.

A. ता. 7. को हम दोनों 5 बजे शाम को खुटीटोली पहुंचे - स्कूल लड़के
और लड़कियां और पादरी दाऊद सोरेंग मण्डली के भाई बहिन के साथ
सड़क पर मुलाकात के लिये बाट देखते थे - उन्होंने हमों को सादर और
आनन्द के साथ ~~हम लोग~~ ग्रहण किया. ।

ता. ८ एतवार था President साहेब ने खुटीटोली में और मैं ने
सिमडेगा में गिर्जा किया. बहिनों को बिन्ती समाज को गिर्जा के बाद
बताया. — दूसरी बेला हम दोनों ने सिकरी डांड़ मण्डली को देखा
वहां प्रेसिडेन्ट साहेब ने चार प्रकार की भूमि के दृष्टान्त पर उपदेश दिया
भाई बहिन बहुत आनन्दित थे ।

ता: ९ हम लोग कुड़पानी मण्डली के गड़बड़ को शांत करने
को कुड़पानी गांव गये जो सिमडेगा से दक्खिन चार कोस की दूरी पर है ।
वहां समद पार्टी और जोजो पार्टी दोनों जमा हाजिर आये, समदपार्टी
का मुख्य भाई मरकुस समद मेल करने को बाधा डालने के लिये
मेरे विरुद्ध बोलने लगा कि चर्च सुपरवाइजर हम लोगों को दबाता
रहता है और मुझे कपटी, झूठा, शैतान बालजिबूल बोलता है
सो प्रेसिडेन्ट साहेब ने प्रस्ताव किया कि वह भाई ता. १० को खुटीटोली
आवे वहां विचार होवे । अन्त में ठहराया गया कि प्रत्येक पार्टी से
तीन तीन जन खुटीटोली आवें — बैठकी सफल न हुई ।
ता. १० को खुटीटोली में मुख्य २ लोग कुड़पानी से आये और
पादरी सुकरा ढीपनों ने समझाया कि वे दोनों पार्टी मेल हो जावे पर मेल
न हुए — प्रेसिडेन्ट साहेब ने यह कहके अन्त किया कि फल अब तक
पका नहीं हुआ — मीटिंग अन्त हुई ।

लठाखमार से १० भाई आये थे उनका दरखास्त हम लोगों के
Tour file में नहीं था सो मैं ने उनसे केवल बातचीत किई
जैसे प्रेसिडेन्ट साहेब ने हुक्म दिया था — उनकी इच्छा है कि उनकी
सजा उठा दिई जावे क्योंकि प्राय: १० महीने के बाद सजा दिई
गई उस दिन से जब से उन्होंने दरखास्त दिया ।
उनके बारे कौन्सिल विचार करके कोई जवाब देवे ।
खुटीटोली में प्रेसिडेन्ट साहेब दो दिन पलेष्टिना
के विषय मण्डली को उपदेश दिया — ।
स्कूल को भी देखा और पादरियों की बहियों को
देखा — ।

B. Kahupani Parish case:—

ता: ११ को हम लोग प्राय: १ बजे पहुंचे — पेरिश के कई भाईबहिन मुलाकात के लिये हाजिर थे। प्रेसिडेन्ट साहेब ने उस दृष्टान्त पर उपदेश दिया जिसमें प्रभु ने बयार और आंधी डांटा और बड़ा नीवा होगया—॥ उपदेश के पीछे पंचसंगठन और कर्मचारी व्यौरा के बारे में मैं ने बताया—। — सांझ को ६— १० बजे तक मैं ने कहुपानी मराउली पंच और पेरिश पंच से सुसाना बागे और पतरस बागे के व्यभिचार के विषय इजहार लिया— ता. १२ को लड़का और लड़की का इजहार लेने को सभा बैठी पर लड़की के पदा वालों में से योजनु ^बाबु^ मार्टिनविड़ु जो १६ पदा सभा का सभापति था और केसरा को गौंझू निकुदीप समद उजुर करने लगे कि लड़का इजहार न लिया जावे। उन्होंने बहुत २ बहास मुझ से किया — मैं ने साफ से उनको बताया कि हम लोग केवल मराउली सम्बन्धी बात विचार मराउली के हैसियत से करने को आये हैं। पदापंच ~~की~~ सम्बन्धी बात विचार आप लोग करिये — उन्हों ने कहा कि हम लोग मराउली सम्बन्धी विषय में आप लोगों को नहीं रोकेंगे — पर उन्होंने लड़की को इजहार के वास्ते नहीं आने दिया—।

कहुपानी मराउली पंचों के इज़हार व रिपोर्ट से और कहुपानी पेरिश पंच के इजहार से विशेष करके पेरिश के पादरी याकूब बागे के इज़हार से और इससे अधिक कि लड़की ने मराउली पंच के आगे स्वीकार किया कि मैं सातवीं आज्ञा की दोषी हूं उससे बिल्कुल साफ है कि लड़की सुसाना बागे दोषी है। इसलिये वह मराउली सजा के काबिल है। जैसे कहुपानी मराउली पंच ने जांच कर Parish पादरी याकूब बागे को रिपोर्ट दिया है पर उसने कुछ कारवाई अब तक नहीं किई है।

Important

इसलिये सुसाना बागे और पतरस बागे के व्यभिचार के बारे कौंसिल विचार गौर से करे और लड़की को मराउली सजा फरमावे, नहीं तो मराउली में ~~निर्बल~~ ढीलाकर होगा और भारी गोलमाल बढ़ेगा — ~~हम~~ दोनों ने कहुपानी की कोरोन जो में कोई फैसला देने का साहस न किया — क्योंकि यह case मुन्डा पदा में महासभा तक गया है।

<कहुपानी मराउली पंच और पेरिश पंचों का इज़हार प्रेसिडेन्ट साहेब के यहां हैं।>

पादरी के घर के बारे यह है कि वर्तमान घर रहने के लायक नहीं है। मराउली पंच ने गिर्जा घर के साम्हने पादरी का घर बनाने का आरम्भ किया है। आशा है कि सुसमय में घर तैयार होगा।।

X————X

C. Lombai Parish:— Dasaintoli, Harrapani
और Dadkapani की बहिन बिन्ती समाज में गड़बड़
इन तीन गांवों में भाई और बहिनों की सम्मिलित बिन्ती
समाज चलती है, कलीसा का नियम यह भी है कि बहिनों
के लिये बहिन समाज चले पर ये तीन गांव ऐसे हैं जो
बहिन बिन्ती समाज का मोल नहीं जानती हैं इस कारण
वहां के भाई बहिनों का घोर उजुर था कि बहिन बिन्ती
समाज चले — ता: १३ को प्रेसिडेन्ट साहब ने गिर्जाघर में
प्रेरित १६, ११-१५ पर उपदेश दिया कि बहिन समाज से
बहुत आशिष है जैसे प्रभु ने लुदिया के मन को खोला
जब बहिन लोग नदी के तीर पर बिन्ती करती थीं।
सो अन्त में यह फैसला हुआ कि जो बहिन बिन्ती
समाज नहीं चाहते हैं, उन पर जबरदस्त नहीं किया
जायगा वे सम्मिलित बिन्ती समाज चलावें — धीरे २
उनको भी बहिन बिन्ती समाज का मोल मालूम होगा।
जो बहिन बिन्ती समाज चलाते हैं वे आगे भी चलावे।
जो सजा उन तीन गांव के भाई बहिनों को इलाके
की ओर से दिई गई थी सो कौन्सिल से उठा दिई गई है।
Harrapani के भाई बहिनों ने centralisation
को बन्द किया था — उनको बिशेष रीति से समझा दिया गया
और उन्होंने आगे को centralise करने की प्रतिज्ञा किई है
और अपने प्रचारक को ~~नहीं~~ बदली में नहीं भेजते थे — पर
समझाये जाने पर उन्होंने स्वीकार किया कि प्रचारक बदली
चला जावे।

D. Koronjo station:— ता: १४ को हमलोग प्राय: ५ बजे
पहुंचे ता: १५ को एतवार था — प्रेसिडेन्ट साहब ने उपदेश
दिया — पादरी लूथर कोनगाड़ी ने प्रभुभोज बांटा — मैं
सहायक था — ता: १६ को प्रेसिडेन्ट साहब ने स्कूल देखा
और Headmaster Patras Dungdung के ~~साथ~~
किंकेल के Yunas Bage मास्टर के साथ जो गोलमाल था
उसके बारे जांच किया। — ता: १७ को कोरेंजो कर्मचारी
आ लोगों को दो उपदेश की तैयारी दिई गई — बहियों की
जांच हुई! दूसरी बेला कोरेंजो इलाका पंच और कर्मचारी
पंचों की सम्मिलित बैठकी हुई — जिसमें मराउली सम्बन्धी
बात बिचार हुआ — जैसे मराउली के पेरिश, और इलाका पंचों
का संगठन, मराउली पैसा जमा करने और घड़ासिरनी के जमा
करने आदि के बारे।

शाम को प्रेम भोज था।
ता: १८ को प्रेसिडेन्ट साहब गोबिन्दपुर लौटे। मैं बांसजोर आया
Jharsuguda. Luther Tojowar 20-2.42.

चार्च सुपरवाइजर का tour

Jharsuguda station (19+20 फरवरी)

मैं ता: १९ को यहां Jharsuguda पहुंचा।
ता: २० को इलाका पंच की बैठकी होनेवाली थी और पादरी सुलेमान बागे को Ilaka Chairman बहाली करना था. पर नहीं हो सका क्योंकि इलाका पंच मेम्बर लोग हाजिर नहीं आये
मेरा विचार है कि अप्रेल महीने में यह काम होवे।

Jharsuguda बंगला का जरूरी रिपोर्ट।

आज ता: २० फरवरी को छोटे बंगले के भाड़ेदार B. N. Ry Driver साहेब ने मुझे बुलाया और बंगले की हालत दिखाई — छत बहुत खराब है बांस बहुत दिमक से खायागया - बंगले में ५ दरवाजे हैं जिनमें केवल आइना है और कितने टूटे फटे हैं, चोर सहज से घुस सकते हैं। उनमें डबल दरवाजे थे (mrs. Gill ने उनको निकाल लिया जैसा कहाजाता है) फिर ८ खिड़कियां हैं जो केवल आइना है वहां से चोर सहज से घुस सकते हैं।
उनकी अरजी है कि (१) बर्षा आने के पहिले बंगले की छत मरम्मत कियाजावे (२) ५ दरवाजे और ८ खिड़की में डबल (दरवाजे) किवाड़ लगाये जावें (३) एक बरन्डा में लकड़ी का जफरी लगायाजावे (४) Ceiling जगह जगह पर cemented होवे जहां चूता है।
बड़े बंगले की हालत भी अच्छी नहीं है बत्ता बदलने की जरुरत है।
यदि 20) रुपैया किराया में दिया जाय तो कोई साहेब बहुत दिन के लिये रहने को तैयार है।।
मालूम हुआ कि १०१) रु० मालगुजारी १९३९-१९४१ तक का बाकी है।।

Luther Jojowar.
Church Supervisor
20.2.42.

8 39

For Today's Meeting

Kahupani adultery case

Case: Susana Berge d/o Hardulam Ball | Suleman Samad Prach, Zackariah Samad (Panch) appeared before the CC secy on 12-12-41

A letter found by Mrs (late) Susan (Maumaish) Begum in her house – written in pencil.

Letter to Patras Ball of the same family.

Letter given to Prach – then the mandli Panch enquired the letter was read to ~~the girl's~~ parents + ~~the girl~~
– the girl owned that she wrote it about
– Patras Dugan she wrote in order to (chirhane) otherwise he is Ball – she denied for some time but then she admitted adultery with him.
Her father in law + her uncle

II

said "settle it as soon as possible". But we waited for ~~the morning~~.

In the morning the Panches said "Let us also hear the boy & as we cannot discipline him without hearing."

[marginal note: The minutes were written engaging ... on the next day and signed ... after further ... father ... saying ... did not ...]

[marginal note: with wife boys the same day]

The next day the grandfather of the girl was asked ~~to call~~ & bring ~~the~~ boy. He promised & bring him (the boy & the girl lived in ~~the same~~ house but for some time he was away) – He agreed to bring. Meanwhile some people taught him & he did not bring the boy in order to deny. The brethren then thought to give a notice to the grandfather (arbaud's)

III

to Kutumb-bād him as long as he did not bring the boy. The notice was signed by the Prachaalk.

The grandfather (Anand-manik) began to seek for help from Parha. The brethren also then informed that he was Kutumb-bād. Then Anand-manik called 16 Parha - The Parha sat -

We gave objection saying that we cannot [illegible] ~~today~~ - but that was not accepted - we were taken by force - They decided ~~a[illegible]~~ disqualifying pencil letter as and fined Rs 25/- and we also paid. We wanted to understand whether we were

rightly punished or not - we placed the matter before the 22 pasha — This pasha called the girl + the parents but the 16 pasha obstructed them from coming + they did not come - The sabha then decided the action of 16 pasha wrong and decided the girl to be guilty and that Rs 25/- be refunded.

The girl's party then appealed to the Pasha Mahasabha - This Mahasabha decided against us (The decision is not yet out but to this sense is the decision that Kadmpani men will be punished)

IV

President of the Pasha Maha-
sabha is - Jonathan Bage Tati
Secretary - Eleazar Surin
Pringi.

The Prayer is that - the Pasha Maha-
sabha be asked not to take
any action as long as the case
is before the CC.

In the Pasha Panch - there are
no non- Xtns - Those who
met were all Xtns.

F-8

To
The Secretary
G. E. L. Church Ranchi

महामान्यवर —

महाशय - छोटानागपुर और आसाम के गोस्सनर एवंजेलिकल - लूथरन - कलीसिया - के सचिव के निकट [illegible] इलाके के इलाका चेयरमेन और इलाका खजांची की शिकायत और जरूरी विनय - पत्र।

महाशय —

आपको विदित होवे कि - [illegible] का - बाजार ठीका - जाने वाले १९४५ ई० के ३१वीं जनवरी को खतम - होने वाली है। यह ठीका - बन्दोबस्त - तीन - बरस के वास्ते था - जो जनवरी - खतम - होने वाली है। तो ये महाशय - आने वाले तीन - बरस - के लिये भी [illegible] बाजार का - ठीका - बन्दोबस्त - करके बजार के आमदनी से आपने इलाके पर को कुछ - सहायता - और उन्नति - करने की इच्छा - कर आशा - भरी दृष्टि से आपके ऊपर आपनी दृष्टि रखते हुए बाजार को ठीका में लेलेने की इच्छा प्रकाश करते हैं कि - [illegible] बाजार का - ठीका - फिर [illegible] इलाके के लिये इलाका - चेयरमेन - के नाम पर दिए जाने की कृपा - होवे। यदि - [illegible] ६५) रुपैया - से कुछ बेशी रुपैया - पर ठीका - लगाने की इच्छा - रखते हो तो ये महाशय भी [illegible] - कुछ बेशी रुपैया - देने को अंगीकार करते हैं और शिकायत - जरूरी निवेदन - आपके चरण तले पेश - करते हैं। क्योंकि - बजार के आमदनी से भी इलाके पर को कुछ उचित - सहायता - होती है। सो महाशय - आप से अरज होती है कि - बाजार भी [illegible] इलाके चेयरमेन - के नाम से दिये जाने की कृपा - होवे —

आइन्दे हजूर मालिक हैं

आपके कृपा - अभिलाषी -

इलाका चेयरमेन —
L. Kongari
Ilaka Chairman
28/12/44

इलाका - खजांची —
Patras Bahi
28.12.44

To

The Secretary
G. E. L. Church
Ranchi

महामान्यवर

महाशय छोटा नागपुर और आसाम स्थित
गोस्सनर एवंजेलिकल लूथरन कलीसिया की चर्च कौंसिल
रांची के निकट कोरोंगो इलाके के इलाका चेयरमेन और इलाका
सचिवों की निवेदन बिनयपत्र —

महाशय — आपको विदित होवे कि
मौजा कोरोंगो का मझियस जमीन बीते १९६३ सितम्बर तक
पांच बरसों का ठीका बन्दोबस्त कर कोरोंगो इलाके को जिससे
उनकी सहायता कुछ अंश में होवे दिया गया था। पर १९६४ ई० में
खूंट मालिक जिसने ठीका न देकर आप अपने तरफ से
जितने सामेलवालों को एक साल कबूलियत बन्दोबस्त लिखवा
कर खेत कमा लिये — जिससे कोरोंगो इलाका को ऐसा कर
देने से कितनी बहुत त्रुटियां हुई जिन त्रुटियों के कारण
कोरोंगो इलाका कार्यकारियों की, तलब, तनखाह और आय
विशेष खर्च, आदियों में कितना ही हरज सहना पड़ा — क्योंकि
कोरोंगो इलाका खजाना की आमदनी आवश्यक यथेष्ट रूप में
नहीं होती है जिसके कारण कार्यकारियों का प्रायः सैकड़े ४०)
रुपैया अनुसार तलब दिया गया — फिर एम. ई. स्कूल को
महिना ८) रुपैया बड़ा कठिनता से दिया जा रहा है आगामी
इस बरस एम. ई. स्कूल के लिये क्या कर सकते हैं नहीं जानते हैं।
फिर सुना जाता है कि प्रचारक ट्रेनिंग के खर्च के लिये महिना
७) रुपैया C.C. को देना होगा — जमा महिना १५) रुपैया विशेष
खर्च माना गया है जिसको हल करने का कोई उपाय इलाके को
नहीं सूझ पड़ता है। यदि महीना १५) रुपैया इलाका खजाना से
खर्च कर दिया जाय तो कार्यकारियों का तलब, में और अधिक हरज
होगा — ऐसा कि उनको एक चौथाई तलब मिलना मुश्किल हो
जायेगा — फिर मझियस जमीन का नुकसान होगा जब कि
होता है एक साल कबूलियत बन्दोबस्त दिया जाय — क्योंकि हर
बार एक २ साल के लिये जमीन को लौटाई नहीं जायेगा — सो इस
प्रकार से दिन २ जमीन बिगड़ते जायेगा — ऐसा कि जब मरम्मत
किया जाये तो ज्यादा रुपैया का खर्च होगा। सो महाशय — ये दोनों
दुःखों बात — जिनको ऊपर इलाके का प्रबन्ध और जवाबदिही के
सौंपा गया है निवेदन और जरूरी आरजू पेश कर विनती करते
हैं कि कोरोंगो का मझियस जमीन इनके नाम पर इलाका
को दिया जाय — क्योंकि कोरोंगो इलाका अपने को C.C. का
प्रतिनिधि समझते हैं और जिससे अपने को कोरोंगो का मालिक
को होना जानते हैं और कहते हैं कि मझियस जमीनों को

बिगड़ने से बचायेगा - क्योंकि आपने तालुके तालुका कुछ रुपैया -
खर्च कर ग्रामों को सुधारेगा - जैसा - १९४३ में उसने कितने
ग्रामों को मरम्मत कराने में को (40) या (50) रुपैया खर्च किया -
और अच्छा - आमदनी भी पाया - यदि - अनेक - कर पांच २
बरसों का - ठेका - इसको दिया - जाये तो यह निश्चय है कि -
ग्राम - तैयार होगा - और अच्छा - आमदनी भी देगा - और पाठी -
प्रजाओं के वास्ते - और दूसरे ठाकुरों के भी ताल-२ कर
दिया - जा - सकेगा - ये दोन - दुःखी बात - आपका - नहीं है कि
आपके ध्यान लगाकर उम्मेद - करते हैं और आपके मजूर
चरणवले यह निवेदन - आज पेश - करते हैं कि - इसको
आपका - भारी बोझ - मालीका - को द्वारा - हल - किए जाये -
तो महाराज - आप - उपर कृपा - को दृष्टि करके उन अधिकारियों
ग्रामों का ठेका - बन्दोबस्त - कर इनके हाथ - पट्टा - कर
देने की कृपा - करेंगे -

आपके हजूर मालिक श्री ।
आपके कृपा - अभिलाषी

इलाका - चेयरमैन -

L. Kergun
Vake Chairman
27/12/44

इलाका - सरपंची

Patras Babu
28.12.44

1779-81/45/F-8.   15th September, 5.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.S.Kula Church Supervisor, the Headsupervisor Mr. Z.Horo and the Rev.L.Kongari Chairman for information and necessary a ction.

for BB[illegible]
Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the C.C.Exec~~t~~utive Committee held from 5-10 September, 1945.

Item No. 6.

" 6. Koronjo affairs :- A Commission consisting of the Church Supervisor and the Headsupervisor be sent to Koronjo.

Sd. J.Lakra.
6.9.45.

Sd. C.H.Herezn.
Secratery.
5.9.45."

CBBCM/4C.

No. 1713-14/45/F. 8

7th September, 5.
1274

The undermentioned document is forwarded to the Rev.L. Tongari Koronjo and the Rev.I.Guria Darigutu, for information, guidance and compliance.

C. H. Herz
Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the C.C.Executive Committee held on the 5th September, 1945.

Item No. 5 (b) (iv)

" 5. Burju Matter :- (a) --- --- ---
--- --- ---

(b) (iv) Rev.Itimon Guria's Salary :- Read the minutes of the Burju Ilaka dated 17-7-45 and resolved that Rev.I.Guria should draw his pay from the Koronjo Ilaka for the 1st half of June 1945. Copy be sent to the Chairmen Burju and Koronjo respectively.

Sd. J.Lakra.
6.9.45.

Sd. C.H.Herenz.
Secretary.
5.9.45. "

CBBCM/3C.

F. 8

To
The Secretary G. E. L. Church
Ranchi

प्रिये महाशय गण,

आप सभो को हमों का यीशु सहाय—

आगे समाचार है कि हमने एक दरखास्त इलाका के सामने बीते साल दिया था. इसमें हम समझना चाहते थे कि, हेडमास्टर सबन तोपनो, पतरस तोपनो मास्टर, यूसफ बरला और मतियस आईन्द, बली चौक से तंत्र मंत्रआदि काम कराये, वह हमारी कलिशा की दृष्टि में कैसा है? यह बात समझा दिया जाय।

इलाका इस बात को मंडली पंचों के पास वापस किया, और मंडली पंचोंने इसी बात को इलाका पंचों के पास वापस करने का फैसला किया। परन्तु प्रचारक ने पेरिस पंच के आगे इसी बात को पेश किया, पेरिस पंच ने फैसला किया है कि ऐसा तंत्रिक काम निश्चय ही कलीशा के बिलकुल विरुद्ध है। पर हम उन लोगों को जिन्होंने ऐसा कराया है कभी भी रोक टोक नहीं किया है। फिर इलाका में अनेकों आदमी इस प्रकार का काम करा दिये हैं, इस कारण उन्हें छोटी सजा नहीं दिया जा कर उनका कसूर माफ करते हैं।

लेकिन धर्म के नेताओ! हम नहीं समझते कि किसी को जब तक रोक टोक नहीं किया जाता है तब तक उसका कसूर माफ करना चाहिए। यदि ऐसी ही बात है तो हम अनेकों सबूत देंगे, जो बिना रोक टोक किये गये. जब उन्हे कलीशा के विरुद्ध काम करते देखा तो कलीशा उन्हें छोटी सजा में रखता है। फिर पेरिस पंच में खूब बहस हुआ कि अनेक आदमी होने के कारण सजा नहीं देना चाहिए। लेकिन हम तो अनेकों आदमियों को नहीं जानते, केवल हम तो सबन तोपनो, पतरस तोपनो, यूसफ बरला और मतियस आईन्द, को जिन्होंने वैसा तान्त्रिक काम कराया जानते हैं क्या ये चार आदमी या उनके घर वाले बहुत हो गये? और क्या अनेक आदमी एक संग मिलकर दोष करें तो

उनका अपराध क्षमा होना चाहिए? फिर और क्या सिर्फ कोई एक आदमी दोष करे तो उसका अपराध क्षमा नहीं होना चाहिए?

हम नहीं समझते कि इलाका, पेरिस का ऐसा न्याय से कैसे सन्तुष्ट हो जाता है, हमने इलाका को फिर ठीक न्याय करने को लिखा है, पर उन्होंने — हमों को समझा बुझा कर चुप करा देने का निश्चय किया है इसी से स्पष्ट दिखाई देता है कि कोरोंजो में जाति पन्दा बहुत हुआ करता है। ऐसे अन्यायी का अपराधी कलीशा के बड़े पदधारी लोग ही होते हैं।

आप लोग कलीशा के चलाने वाले हैं आप लोग उचित विचार करके इसका जबाव देने की जल्द कृपा करेंगे।

आप लोगों का सेवक —
कातिब — D. Bilung

कोरोंजो
ता: 23-2-44

पोलब ब.बायोहन बिलुंग कोरोंजो

F-8

Koronjo
February 4, 1944.

The Secretary,
Church Council, Ranchi.

Mahashay,

Ap ko malum howe ki bartman men Koronjo ke bandh men pani na rahne ke karan kheti nahin kiya jata hai. Abhi waisen hi rahta hai. Main uske kinare kinare chas karkheti karne chahta hun. Ek baras jamin tayar karne men kharch lagega. So main ap se arji karta hun ki mujhe us men kheti karne ki ijazat mile aur ek baras ka us men se adhbatai naliya jay, par dusre baras se adhbatai liya jay.

Ap ka bishwasi
P. Dungdung.
Koronjo.

No. 16.

F-8

From

The Headmaster,
M.E. School, Koronjo.

To

The Secretary, C.C. Ranchi.

Dated Koronjo, the 4th February, 1944.

Dear sir,

I beg to state that at present rice is selling five seers for a rupee. But it will come down during the rainy season. Sometimes it is not available in the market. So unless we the teachers buy rice now for the rainy season it will be very difficult for us to get rice then. But we have no money to buy rice for the rainy season.

I, therefore, request you that you would be kind enough to give an advance of Rs 300/- for all the teachers. The money will refunded out of the C.C. grant for the school.

Yours most obediently
P. Dungdung
Headmaster

F. 8

छोटा नागपुर और आसाम गोस्नर एवंजेलिकल लूथेरन
चर्च कौंसिल —

महाशय!

आपको यह जना-देना उचित और जरूरी समझकर जना-देता हूं कि मेरे [illegible]-मंडली के भीतर [illegible] गांव [illegible]-के बैसाख और सरा: टोपो का-बेटा इमानुएल-टोपो अपनी शादी स्त्री के अलग-हो जाने के ३ बरस-बाद दूसरी स्त्री को [illegible] छोटा सदर में रखा-हुआ है। वह सन-१९२६ ई० में आपकी मंडली [illegible] की लड़की को बेटा [illegible] से शादी हुआ था- प्राय: एक साल शादी स्त्री इमानुएल-टोपो के साथ-जैसा-तैसा- दिन-बिताई। बाद-स्त्री पुरुष से अलग हो गई। उसके ३ बरस-बाद-इमानुएल-टोपो एक-कुंवारी लड़की को सन-१९३२ ई० में रखनी रख-लिया- जो इस [illegible] से इमानुएल-टोपो और उसकी रखनी छोटा सदर में रहते हुए हैं। आज इनसे दो बच्चे पैदा हुए हैं, वे दोनों बालक, [illegible] को [illegible] और उचित-धर्म मां बाप-के रहते होते बपतिस्मा- पाये हैं। (आपको मालूम होवे कि उन-बालकों के बपतिस्मा-के समय बहुत तर्क वितर्क किया- गया- जो कलीसिया के शासन- प्रणाली पर सोच-विचार किया- गया और इमानुएल-टोपो और उसकी रखनी और जो धर्म मां बाप रहते हुए समझाये गये और समझाने वालों को उन्होंने मंजूर किया- और बालकों को बपतिस्मा- दिया गया-)। धर्म मां बाप-जैसा-वे समझाये गये वैसा ही उन-बालकों के लिये बहुत- चिन्ता-करते हैं विशेषकर धर्म की बातों में कि-वे बालक- ईश्वर के धर्म, प्रेम-और अनुग्रह में बढ़ जावें। मां बाप भी अपने [illegible] जैसा-बनाते हैं तैसा- ईश्वर धर्म हो में रहने जो जीवन-बिताने की चिन्ता [illegible] में इनके निर्णय आया- जाता- करते हैं और करते हैं कि-यदि कोई उपाय है तो हम-दोनों को मंडली [illegible] देने को कृपा- होवे। [illegible] कारण और विशेषकर रखनी को [illegible] तीन-चार बरस-के बाद से [illegible] पहिला-बालक बपतिस्मा- पाया- निर्णय-नहीं आया- जो मंडली [illegible] बहुत [illegible] हुआ लेकिन-इनको [illegible] कौंसिल - [illegible] को लाचार हो जाते हैं।

सो आप कुछ संक्षेप से इमानुएल-टोपो का शादी स्त्री के विषय [illegible] बताऊं, वह इमानुएल-टोपो से अलग-हो [illegible]

Forwarded to
the Hony Secretary
G. E. L. Church
Ranchi
Rev. [illegible]
[illegible] Chairman
[illegible]

इसलिये एक – रोमन कैथोलिक कुंवार लड़का – को अपना दुल्हा बना –
लिया – जो उसी के मां बाप – के घर में चाकर था – अभी वह उस लड़के
के साथ – अपना – जीवन – बिताती है और उसको अभी दो या – तीन –
बालक – हो चुके हैं। वह भी अपने बालकों का – बपतिस्मा –
इसाई से करवाना चाहती थी – लेकिन – कारण – उसके मां बाप
खड़े न होने से बालकों का – बपतिस्मा – नहीं हुआ – । जब बपतिस्मा
नहीं हुआ – वह अपने रखने पुरुष के साथ अब गिरजा – आना जाना –
छोड़ दिये और साधारण – जीवन – बिता रही है और ऐसा – अनुमान है
कि – वे अब संसार धर्म में उतर गये और हिन्दू धर्म में अपना –
जीवन बितावेंगे – । क्या ऐसी दशा में रहती हुई औरत के लिये
इसाइन – होने कोई नोटिस – निकाल सकता है या – नहीं? इसको
की किस – का राय – सुनने चाहते हैं। यदि आप – राय बताते हैं तो
नीचे लिखे नोटिस – आप घर बन्धु में जगह देने की कृपा – करेंगे?

आपका – विश्वासी –

प्रेषक – पवरू – बाबा –

घुरी खोला ——

नोटिस –

मुझ ईसाइन – रोमन कैथोलिक और स्ना. रोमा मोरा –
गांगापुर कुसुम टोला – थाना – बल्लभ गांगापुर गांगापुर स्टेट का –
किवार ... वल्द – मूल मोड़ा ... मोरा – ...
टोला – ... थाना – बल्लभ गांगापुर गांगापुर स्टेट से सन – १९२६ ई०
में हुई थी ... एक ... – जोसेफ – ... – में विवाह हुई थी बाद वह
मेरे घर से निकल कर चली गई और अब १४ साल – हो गया –
तो मैं इस – नोटिस – के द्वारा – जाहिर करता हूँ कि – यदि वह मेरे साथ –
रहने चाहती है तो इस – नोटिस – का पाने के तीन – महिना – के अन्दर
मेरे पास – लौट आवे अन्यथा – मैं दूसरी शादी कर लूंगा – ।
शादी के बाद कोई हक – नहीं रह सकता है। –

आपका – विश्वास पात्र –

द० का: ई साइक टोप्पो

26/9

No. 81

Koronjo

September 22, 1944

The Hon. Secretary,
Lutheran Church Council
Ranchi.

F. 8

Dear Sir,

May I again request you to send the sum of Rs 35/15/- spent over and above the sanctioned amount for the repairs of my quarters. The collapsed room has been left as it is. I requested you to send money but you did not send it. So only the tree has been cut.

Yours obediently,
P. Dungdung
Headmaster

30
23-1-45

F. 8

From – Rev. L. Kongari, Koronjo.

To

The Hony Secretary,
G. E. L. Church Ranchi.

Dated Koronjo the 7th January 1945.

Mahan-manyawar,
G. E. L Church Hony Secretary ko yisusahay.

Age ap ko malum hoee I ki main Church Bangalow ke liye lakri chirwa raha hun. Lakri chirai ka dar barh gaya hai. Khriki, darwaja, sirhi, Patain adi ki kitni lakri barbad ho gai hai. Jisse jyada lakri ki jarurat horahi hai. Isliye main jo Rs 50/- bheja gaya hai usse lakri ki chirwaunga. So eighty tak purwane ke liye hal men kam se kam Rs 80/- Rupees manjur kar bhejne ki meharwani kijiye.

II Mamabhagina ka Martin Tiru Rev. C. R. Topno ke upar unki beti ka sadi ~~nadme~~ aur Martin aur uski stri ko chhori sajh men rakh dene ka karan nalis kiya hai. Titiling ka Gangful Jimes Horro is case biraiyak bat ki jaunch ke liye S. D. O dwara thahraya gaya hai. pura report abtak dakhil nahin kiya hai. So yadi case chal jayga to iske liye bhi E. C. pura madad dene ki kripa kare.

III E. C. ke karrwai anusar Martin Tiru ke larke ka sadi bhi rok diya gaya hai.

Is chitthi ka jabab turifaya dene ki meharwani kijiye –

ap ka binwai
L. Kongari
7/1/45

29

F8

Koronjo

August 16; 1944.

Mr. Th. Surin,

Hon. Secretary, C.C. Ranchi:

Dear Sir,

I beg to state that the windows of the church ~~are~~ is going to fall one by one recently one window again fell down.

So would you be kind enough to make necessary arrangements for the preservation of the church. You personally saw how the church is need of repair, but nothing has been done yet.

Yours sincerely,

P. Dungdung

Ilaka Secretary,

Koronjo Ilaka.

38

F8 No. 68.

Koranjo
August 16, 1944

Hon. Secretary,
C.C. Ranchi.

Dear Sir,

On account of heavy rain some of the 'Ars' of the Majhihas land which the teachers cultivate have been swept away by the water. I want to know whether the Church Council would give some amount for the repair of the same. If the C.C. is not going to give these some of them will remain unrepaired and in that case there will be a great damage to the land below it. If the Council is not going to give some help, the person whose Ar has been swept away be compelled to repair it at any cost.

Yours obediently
P. Dungdung
Headmaster.

F8 30

No 67

Koronjo
August 16, 1944.

The Hon. Secretary,
Lutheran Church Council,
Ranchi.

Dear sir,

I beg to state that there was a heavy rain fall on the night of 14th August, 1944. So one of the rooms in which I reside collapsed with its roof. There were holes of rats in the walls, so the water went inside and the walls fell down at night.

I, therefore, request you that you would be kind enough to send money to errect roof (for the present) in order to save the rest of the building.

At the time of the repair of the building Rs 35/15/- have been spent more than the amount sent. So this money also sent soon.

In order to errect the roof 6 trees have been cut down on the permission of the Ilaka chairman.

Yours obediently,

P. Dungdung,
Headmaster.
M.E. School, Koronjo.

5 6-2-455

From Rev. L. Kongari Kerongo

To The Hony Secretary
G. E. L. Church Ranchi.

F 8

2m

Mahan-manyawar
G. E. L. Church Hony. Secretary ko zinwahay.
Sunne men aya ki Korongo ilaka ke kai mandliyon men se Orga Nayam Parish men milaye jane wali hai Korongo ilake amsabha ka phaisla ap ke pas bhej dehtahun. am ki amsabha chahti hai ki Lombri Parish ke Padri Headquater Ranjgor men hona is ki puri manjuri de liye afami mahamsabha men rakhajay.

Ap ka sewak
L. Kongari.
7/8/55

Kororijo Ilaka Am Sabha

Mokam Kaitupani 22.2.45।

To

The C.C. Secretary

G. E. L Church Ranchi

मिनिट नम्बर १० — कोरोंजो इलाके के कमिशनरी धार — ई. लोम्बोई पेरिश का हेड क्वाटर — मान्यवर इलाका चेयरमैन ने कहा — सुनने में आता है कि टकरमा इलाका के ओड़गा प्रचारकपन जहां एक M. E. स्कूल खड़ा किया गया है एक नया पेरिश अर्थात ओड़गा-पेरिस होवे।

फिर यह भी सुनने में आता है कि उस पेरिश के प्रचारकपन होने के लिये करीमाटी और कोरोंजो इलाके के कितने प्रचारक पन लिया जाकर बनाया जावे। इस विषय पर उस आम सभा के हाजिर मेम्बरों से एक सहमत होके बहुत देरी तक तर्क वितर्क हुआ और अन्त में चार बात स्थिर किया गया।

a, तर्क वितर्क से यह दृढ़ संकल्प हुआ कि कोरोंजो इलाका आमसभा अपना मंडलियों में से किसी एक मंडली को देने नहीं चाहती है और नहीं देगी —

b, इसलिये कि हमारे कोरोंजो इलाके के अन्तरगत में बांसजोर में एक M. E. स्कूल के होने और काइसुमित की सुविस्ता के लिये अच्छा बात होगा कि लोम्बोई पेरिस का पाहुन हेडक्वाटर बांसजोर होवे। c. यही दोनों संकल्प इस कोरोंजो इलाका के आम-सभा के हाजिर मेम्बरों से सहमत होके मंजूर किया गया। d, इस लिये कि आगामी महासभा में ओड़गा पेरिस होने की बात निकलने वाली हो C.C. में जानने के लिये यह रिपोर्ट भेज दिया जावे। —

सो महाशय यह उपरोक्त संकल्प आपके जानने के लिये कोरोंजो इलाका आम-सभा की ओर से आपको पास भेज दिया जाता है।

इति.

कोरोंजो इलाका आमसभा का Secretary.

Patras. Baha.

Rev L. Kongari
Ilaka Chairman
22/3/45

11

From – Rev. L. Kongari, Koronjo.

To

The Hony Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

Dated Koronjo the 5th April 1945.

Mahan-manyawar,
G. E. L. church Hony Secretary ko yisusahay.

I Mahasay, Age ap ko malum howe ki bite samain ke Kutupani Bage golmal ke samain kai mandliyan centralization band kiye the; jaise Dorapani aur Lomboi khas mandli. Iss samain ke jabat khajana ko ab tak Ilaka ki or se kai bar notice diye jane par bhi ab tak dakhil nahin kar rahe hain. Ab Lomboi walong ka kahna hai ki ham ne Girja ghar ke diwal banane men kharach kar diye hain; so kahan se bharenge. Ham ne pahle hi kai bar unko kaha ki pahile woh khajana Ilaka men dakhil karo aur pichhe sahayta ke liye darkhast deo, par taubhi jabarjasti Ilaka se bina anumati paye kharach karne ka kai phiyad dete hain. President Mahoday ke pas bhi unhong ne itlay kiya hai ki maph kiya jay. Ap ko un se pata chalega.

Ilaka ne May 1945 tak men sab kuchh dakhil karne ka akhri mauka diya hai. Yadi dakhil nahin karenge to Ilaka un mandliyon ke prati chahe to un panchong par jinhong ne kharach kiya, athwa yadi sari mandli samil kar ke kharach kiya hai to mandli ke upar bhi koi uchit karrwai karne ko thani hai.

Par, ab sunne men ata hai ki President Mahoday Saheb ne maphi ka uchit phaisla dene ka wada kiya hai. Isse sari Ilaka asantusht hai. Karan ki centralization ki niyam men bhari aghat pahunch raha hai. Ilaka se kai dapha notice pa kar bhi jabarjasti we kharach karte hain. Aur unhin ki bat ke anusar yadi phaisla diya jay to dar hai ki anne mandliyon ke liye sirni jabat karne aur apni echhanusar kharach karne ka dwar khul jata hai. Aur tab Ilaka sahsan karne men lachar hojayga; kyonki abhi kai dusri mandliyan dekh rahi hain ki in ke bare kya honewala hai.

So yahi meri arje hai ki Lomboi mandli ne jo Rs 45/4/- jabarjasti kharach kiya hai uske bare phaisla karne men centralization ki niyam men dhaka na howe. aur dusre 2 mandliyon ke liye jabat karne ka dwar na khule.

II Badhi – Yadi ban pare to achha hota ki Pracharika Dulari Surin ki badhi hojati aur uske jagah par jo is Ilaka ke nahin hain bheje jate.

III Pracharika Dulari Surin ko 1944 men kai mahine ka talab nahin mila, so C.C. meharwani kar ke baki talab ko jo nahin bheja gaya hai bhejne ki kripa kare. Uske liye mera name se kewal 2 mahine ka bheja gaya tha. aur baki ka pata nahin hai.

P. T. O.

IV C.C. ki chithi No 484-505/43/F.N. 3. dated 21-3-44 ke anusar delegatonko ka naam likh ke bhej rahe hain.

(i) Babu Boas ~~Hemrom~~ Baraibera.

(ii) " Mansidh Surin Rajatana.

(iii) " Thomas Dungdung Raitoka.

Note — Sab mandli paise diye hain

Apka biswasi
[signature]
4/4/44

F8 26(e) R

To,
The C.C. Secretary G.E.L. church
Chhotanagpur & Assam.

Dated the 16th March

Mahamanyuar Mahashay,

Ap logon ke nikat meri din arji aisi hai. ki mujhe abhi tak rahne ka jagah nahin mila hai mujhe asha thi ki Padri ghar banane men vai log sahayta denge. par ab may dekhta hun vaiyon ke bich men fut parne ke karan ghar banne men bari muskilta par gayi hai. majhe akele se ap logonke veje 50/ rupaiye se ghar banana ati kathin ho gaya hai. so meri do arjiyan hain I Padri ghar banane ka pura var. C.C lene athwa II ki jab tak vai log naya school ghar na banawen tab tak school girje ghar men howe aur purane school ghar men Padri rahe aur wah 50/ rupaiya uske maramat men kharach kiya jay. fir dusri arji bhi likhna parta hai agar

P.T.O

uprokt do baton mese anhoni jan parti hai to C.C. se meri arji hai ki jab tak Kahupani men Padri ghar na bane tab tak. Padri ka head quarter khas Koronjo men le jane ka hukum howe. Age jo jagah mission ke liye chuna gaya hai uska pura bandobast jald kiya jay.

N.B.:- May sab baton ko bistar se nahin likh raha hun uprokt sab baton ka pura hal may ashha karta hun banaa manyawar President sahab C.C ko janane ki kripa karenge.

Prabhu men apka Sewak

Rev. I. Giria

G. E. L. church

Kahupani

22-3-45

Estimate for the colapsed room of Head-masters' quarters. Koronjo.

1.	Bricks	20-0-0
2.	Battas	6-0-0
3.	Cost of labour for cutting ~~wood~~ + making beams etc. and setting them on roof	20-0-0
4.	Mistries for building (wall)	24-0-0
5	Coolies	9-0-0
6.	Lime 4 mds with coolis	10-0-0
7.	Tiles	15-0-0
8.	Nails	10-0-0
9.	Plastering + whitewashing with coolies	20-0-0
10.	Retiling the roof	6-0-0
		140-0-0

Asked
[illegible] 26/3/45

The applicant is asked to supply length, breadth and height of the ~~further~~ room, together with the thickness of the wall. [illegible] 26/3/45

Drengdung
Headmaster
M.E. School
Koronjo.

F. 8 26 (C) R

To
The Hony. Secretary
G.E.L. Church, Ranchi.

महामान्यवर

महाशय छोटानागपुर और आसाम के गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरन कलीसिया के चर्च कौंसिल के निकट एक आरजी दरखास्त सहित गिरजा-बंगला के मरम्मत के लिये तैयार किया हुआ एस्टीमेट की मांग।

महाशय आपको विदित है, क्योंकि अनेक बेर हमारे C.C. के अनेक ऑफिसरों और हमारे चर्च प्रोपर्टी बोर्ड के ऑफिसरों ने और वर्तमान में हमारे कलीसिया के महोदय प्रेसिडेन्ट साहेब ने भी हमारे कोरोंगो गिरजा-बंगला को अपने निज आंखों से देखे हैं कि उस गिरजा-बंगला की दशा दिन २ कैसी खराब होती जा रही है, अनेक बरस बीत चुके भी कई एक बेर एस्टीमेट मांगा गया और एस्टीमेट तैयार किया जाके भेजा भी गया लेकिन अब तक ५०) रुपैया के सिवाय और कुछ पैसा नहीं दिया गया है जिससे गिरजा-बंगला की मरम्मत अब तक नहीं हुई है और उसका हालत दिन२ खराब होते जा रहा है, उस ५०) रुपैया कुछ काम हुआ है अर्थात् खिड़कों के चौखट के लिये लकड़ी चिरा हुआ मौजूद है, अब बढ़ई आदि का दरकार है फिर केवाड़ों के लिये तख्ता की जरूरत है सो बिना रुपैया लकड़ी तैयार का नाम होना है- सो महाशय विनय के साथ यही आरजी दरखास्त पेश कर उम्मेदवार हैं कि कुछ रुपैया हाल ही में उसके मरम्मत आदि के लिये देने की कृपा करेंगे।

आगे इस गिरजा-बंगला के लिये जितने रुपैया की जरूरत होगी नीचे लिखे एस्टीमेट आपके निकट मंजूरी के लिये दिखाया जाता है, जितने खिड़की हैं उनके मरम्मत के लिये

फिर जितने दरवाजे हैं उनके लिये। एक बड़ा, चार छोटे हैं	२००) रुपैया
परान चढ़ने में सिढ़ी की मरम्मत के लिये	१००) "
परान का एक कोन टूटा है उसके मरम्मत के लिये	५०) "
अन्त में चूना, सिमेंट और खपर मोचेरा के लिये	५०) "
	१००) "
जमा- रुपैया,	~~५००)~~ ५००) P. Baba

की मांग पर यह आरजी निवेदन पेश कर उम्मेदवार हैं कि यह रुपैया गिरजा मरम्मत के लिये मेहरबानी कर मंजूर होके शुरूआत में भेज देंगे और खर्च करने का ~~xxxx~~ इजाजत देने की कृपा करेंगे। अन्त में आपको, यह भी जना देना आवश्यक है कि ५००) रुपैया में पूरी मरम्मत नहीं हो सकती है।

आपके कृपा-आकांक्षी

सेवक-

L. Kungun
Ilaka Chairman
17/3/45

Patras Baba
Ilaka Karyakari Secretary
Ilaka Khajanchi
17.3.45

F. 8 26(d) R.

To
The Hony Secretary
G. E. L. Church, Ranchi

महामान्यवर—

महाशय छोटा-नागपुर और आसाम की
गोस्सनर इवैंजेलिकल लूथेरन कलीसिया के C.C. को निम्न प्रकार से
दरख्वास्त —

महाशय- आप को यह विदित होवे कि- हमारे कोरोम्बे एम. ई.
स्कूल- के मदर ग्राउंड के नीचे का- एक- घर बड़ा पुराना
गिर को विद्या- रहता था कि अभी एक- कोठरी
बिल्कुल- गिर- गया- और खराब- हो गया है। सो महाशय- उस
घर को मरम्मत- के लिये आपको निम्न यह आवेदन पेश- कर उम्मेद-
वार हैं कि- आप- दया- करके हमारी इस- छोटी प्रार्थना- को पूर्ण
को ग्रहण- करेंगे- और उचित- सहायता- भी देंगे भी आशा करेंगे
उस- घर के मरम्मत- में करीब- 20) रुपैया- का खर्च होता
है। सो महाशय- इस 20) रुपैया- का मांग- आपको निम्न
पेश- कर उम्मेदवार हैं कि- आप- हमारी यह दीन-हीन- अर्जी
ग्रहण- करेंगे और उचित- सहायता- भी देंगे—

आपके हुजूर भरोसा है।

आपका- विश्वासी- सेवक-

L. Mongru
Ilaka Chairman
17/3/45

Patras Barla
Ilaka Karamchari Secretary
Ilaka Khajanchi
17. 3. 45

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Memo No. 1462-62/45/F-8. Dated Ranchi, the 8th August, 1945.

To

The Headmaster P.Dungdung.
Koronjo M.E.School.
P.O.Koronjo. Dist. Ranchi.

My dear Mr.P.Dungdung,

I hear that you have not given Candidate J.Bage, the charge of the Boarding Hostel. He should at once be given charge of the Boarding Hostel as it is the wish and policy of the C.C. He should be paid out of the Boarding Hostel and from the Ilaka fund. A report to this effect be sent to me without further dealy.

Yours sincerely,

C. H. Heren

Secretary,
G. E. L. Church.

Copy to the Ilaka Chairman Rev.L.Kongari.

CBBCM/3C.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Memo No. 1288-89/45/F-8 Dated Ranchi, the 17th July, 1945.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.L.Kongari Koronjo and the Secretary,Board of Management G.E.L.Church Properties for information, ~~guidance and compliance~~.

~~Secretary~~, President
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the C.C.Executive Committee held on the 12th July, 1945 at 8 a.m.

Item No. (7)

" Candidate Joel Bage and Pandit Elias Aind.

Read application dated 31-5-45 from the Ilaka Chairman Koronjo requesting the C.C. to grant half the pay of the Candidate Joel Bage. Resolved that the Ilaka be asked to pay the full salary amounting to Rs. 25/- p.m. to Candidate J.Bage now posted at Koronjo as the Ilaka is the largest in the field.

(b) Pandit Elias Aind. The Ilaka Chairman Koronjo reports that Police help be secured to eject Pandit Elias Aind from the Church house. Resolved that the Board be requested to take necessary step to eject Pandit Elias Aind from the Church house.

Sd/- J.Lakra. Sd/- C.H.Herenz.
13-7-45. 12-7-45."

CBBCM/3C.

Circulated Secretary 27/6/41

From Rev. L. Kōnga, Koranjo

F 8 6

To

The Secretary
G. E. L. Church Ranchi.
Dated Korangjo the 18th June 1941

Mahan-manyawar
G. E. L. Church Secretary ko yiswashay
ki ap ko malum hove I Candidat Babu Joel Barya Korangjo agaye aur kam men bhi lagaye.
II Rev. J. Gurie 1/7/41 ko charge dekhte aur usi roj main Rev. Dh. Kujur ko Kalunpani Birch ka charge jima dediye.
III Rev. Dh. Kujur Pension Paster the aur ab C. C. ne phir se kam men bahaliya. Kam log nahin jante hain ki aise walong ka talab Scale ~~Kaka~~ kis rate se degi. C. C. kuchh bhi iske bare nahin janti diya hai. Kyunki we pension bhi C. C. se pate rahenge.
So ap se arji hain ki Rev. Dh. Kujur ka talab Scale kitna C. C. thahrai hai iska janti bhejne ki kripa kijiye.

Ap ka biswasi
L. Kōnga
18/7/41

Answered
Sent
9/6/1945

6

Khuntitoli
6-6-1945

F 8

श्रीमान

चर्च कौन्सिल छोटानागपुर और असाम

रांची ।

महाशय · आप को मेरा यीशुसहाय ।

मैं आप का छोटी किता नोटिश पाया, जिस में आप मुझ को कोरोंगो इलाका के कोहुपानी पेरिश में फिर सेवकाई के काम के लिये आज्ञा देते हैं. मैं जाने के लिये खुसी हूं और इस वर्तमान समय में पादिरियों की घटी में सहायता करने में तैयार हूं और इस कृपा के कारण आप को धन्यवाद देता हूं। पर इस के साथ २ मुझ में कई बातों की घटी है जिस को आप के साम्हने पेश करता हूं। मेरे जीवन के दिन ७० बरस गुजर गये हैं; जिस से अब आंखों में धुंधलाहट भी कुछ आ गया। काम करने में दुर्बलता और थकावट, फिर ज्यादे दौड़ धूप करने से कमर में दर्द होती है। और अभी मेरे कामों के दिन ऐसे हैं, १८ बरसों तक मैं अनेकों स्कूलों में मास्टर का काम किया और बाकी समय अनेकों मंडलियों में काम करते गुजर गये हैं। सन १८९८-१९४३ तक. जमा ४७ बरस काम किया। और अभी फिर भी आज्ञा मिलती है इस में मेरा उजुर नहीं है। पर जो मुझ में त्रुटियां हैं आप के साम्हने पेश करता हूं। (१) आंखों की धुंधलाहट। (२) कमजोरी और कमर का दर्द। इस के अलावे कोहुपानी में न तो प्रचारक का घर और न तो पादरी का घर है। (३) सिमडेगा में मैं सरकारी कई एक कमिटियों का मेम्बर चुना गया हूं और नोटिश के मोताबिक सिमडेगा आना पड़ेगा। और अगर कोई कारणसे कुछ के कारण काम न कर सकूं, तो इस में आप को सहने पड़ेंगा। (४) ऐसे महंगी समय में मेरे तलब स्कूल भी खारिज स्कूल यानी रु: ५० की होगी. आप कृपा कर यह बात कोरोंगो चेयरमैन को जना देंगी।

इस के लिये मैं आप को धन्यवाद देता हूं। मालुम होवे ता: १५ जून के आऊंगा।

आप का
विश्वासी
Dharamdas. Kujur.

Recd. 4/6/45 33

From – Rev. L. Kongari, Korongo

To

The Secretary
G. E. L. Church, Ranchi
Dated Korongo the 31st May 1945

F. 8

Mahan-manyawar,

G. E. L. Church Secretary ko

yimahay.

I Aap C.C. ki chithi No 47780/45/F-54 Dated 15th April 1945 se malum huwa ki Candidate Babu Joel Base Korongo, June 1945 se join kar kam suru karne wala hain. Arthik kathinai ke karan se unko pure talab dena muskil hoke hai. So C.C. se arji hai ki Cand. Babu Joel Base ka adha talab ka bhar lene ka kripa kare, taki hamari sahayata ho.

II Pandit Elias Aind ko Church ke liye line ghar se nikal ne ka bhar C.C. ne apne hath mein liya hai. Abhi tak wah ghar khali nahin karta hai. Aur bina Police ke nahin manta hai. Aur khali karega yah nischit nahin kiya. Abhi yahan karmachariyon ko rakhne ke liye kaphi ghar nahin hai. So C.C. se phir arji hai ki barsat ke pahle hi Pandit Elias Aind ko jo ek tohal tu jam hai ghar se khali karane ki kripa kare jisse ki wah ghar maramat kiya jakar naya Cand. Babu Joel Base ko rakhne ke liye ghar kam dene sahaj.

Ap ka kisvant
L. Kongari
Halka Chairman

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Memo No. 1221-23/45/F-8. Dated Ranchi, the 11th July, 1945.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.L.Kongari Koronjo, Rev.Dh.Kujur Kahupani and the Treasurer G.E.L.Church for information, guidance and compliance.

C. H. Herenz

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the C.C.Executive Committee held on the 2nd July, 1945.

Item No. (7)

" Joining report of Rev.Dk.Kujur and his claim of Rs. 50/- p.m. Read joining report along with the letter dated 18-6-45 of Rev.L. Kongari Ilaka Chairman Koronjo. Rev.D.K.Kujur requests that his scale be fixed at Rs. 50/- per month and Rev.L.Kongari asks the C.C. to fix the salary. It was pointed out in the discussion that in the pastorates the maximum pay has been forty all over the field in Chhotanagpur. Therefore it is resolved that the salary of Rev.D.K. Kujur be fixed at Rs. 40/- p.m. with effect from the date he joins ~~tk~~ the Parish. From that date his pension will be stopped so long as he is in charge of the Parish.

Sd/- J.Lakra.
4-7-45.

Sd/- C.H.Herenz.
Secretary.
2-7-45."

CBBCM/4C.

File

कटहपानी
२९/६/१९४५

श्रीमान्,
सेक्रेटरी लुथेरान चर्च कौंसिल
छोटा नागपुर आसाम और रांची।

महाशय,

मैं सुगन लुगुन की ओर से कोटी कोटी नमस्कार, आगे मैं अफसोस के साथ अपना दुःख जनाती हूँ मैं अपने बेटे इलियस लुगुन को वादे पर कह कर लिखा पढ़ी की कि अगर C.C. मेरे बेटे इलियास को स्कूल में पढ़ाने के लिये मदद देवे तो मैं अपने बेटे को जीवन भर के लिये कलीसिया की सेवकाई के लिये सौंप दूँगी और C.C. ने मेरी अर्जी को ग्रहण कर सब भार लेने की प्रतिज्ञा की है और इस वर्तमान समय में मेरा बेटा इलियस लुगुन टकरमा हाई स्कूल के नवें IX वें क्लास में C.C के अनुमति से पढ़ रहा है मुझ को अफसोस के साथ लिखना पड़ता है कि अब तक कौंसिल से कंटिंजेन्ट कुछ नहीं मिला है। इसलिये लाचारबस हो कर आप को बताना पड़ता है कि मेरा लड़का कैसे पढ़ेगा और स्कूल में रह सकेगा?

आप से मेरा अर्जी है कि मेरे बेटे के लिये C.C. अपनी यथाशक्ति प्रतिज्ञा को पूरी करेंगे अभी मैं लाचार बस फिर भी अपने लड़के को खाली हाथ स्कूल भेज रही हूँ आप उसके पढ़ने के लिये फिकिर कीजिये इस के लिये मैं आप का सदा धन्यावादी रहूँगी ।

लिखने वाली,

आप का विश्वासत,

मोसम्मत मृत पादरी मनमसीह लुगुन कहुपानी ।

सुगन लुगुन

त. १९.६.१९४५

Without the care of
C.C. the boy cannot finish to read
at the high school, he is not
getting any help from anywhere
and also he cannot get. There is no
way out. the school
father [illegible]
vill: Kahupani
19-6-45

सच में जो बात यहां लिखी है सो ठीक है; इस कारण मैं भी सिपारिस करता हूँ कि देना सहायता के लिये जरूरी है।

Rev. D. K. Kujur
19/6/1945
Camp Kahupani

F-8

To,

The President, G.E.L. Church,

Chotanagpur & Assam.

File

महाशय,

आप के कोरोंजो इलाके के मुलहजापर मय इलाका और अधिकार के मिडिल ईंगलिस स्कूल के मास्टरगण अत्यन्त खुशी हुए और अब तक खुशी में हैं, इसलिये एक दरखास्त देकर आप को याद दिलाते हैं कि एक विशेष बात आप के साथ मास्टरों की तय हुई है कि दो सजा एक ही दोष पर नहीं दिया जाना चाहिये। हम लोग खेत से बेदखल तो हुए पर अभी कौंसिल तहसीलदार का जिक्र यह सुना जाता है कि बजरिये हेडसुपरवैजर पर हम से वह दूसरी सजा भी कायम की जायगी।

सो हुजूर इन गरीब बेचारे अल्पवेतन भोगी मास्टरगणों पर विशेष ध्यान देंगे और यह सजा जो कि एक अमल में लाया जा चुका है, फिर भी दूसरी सजा बहाल होने न देंगे।

आइन्दे हुजूर मालिक हैं।

आप के विश्वस्त सेवकगण-

कोरोंजो

ता० 30-3-१९६५

P. Dungdung

J. Dhan

C. Tetetohen

B. Toppo

P. Topono

A. Tigga.

Copy to the President G.E.L. Church Chotanagpur & Assam.

F-8

बहुजूर जनाब आनरेरी सेक्रेटरी साहब
चर्च कौंसिल आफिस रांची।

C.S.

बजरिये हेड सुपरवैजर साहब स्कूल समूह
लुथेरान मिशन रांची।

महाशय,

साल १९४४ में कोरोंजो के मास्टरगणों को कुछ जमीन मंकीहस साझा कमाने को इजाजत दी गई थी। जिस इलाके की रीति रिवाज और गाँव के दस्तुरानुसार उन्हों ने कुछ धान 'रोपा' और 'कटनी' के नाम से लिया। कौंसिल तहसीलदार के रिपोर्ट मुताबिक उनको फैसला सुनाया गया कि वह धान जिसको उन्हों ने 'रोपा' और कटनी के नाम से निकाला, भरने को कहा जाय और न भरते हों तो इन साल उन्हें खेत साझा में न मिले। महंगी और तंगी के विचार से उन्हों ने वह धान तत्काल न भर सका। इस लिये दूसरा सजा जो उन पर ठहराया गया सो बहाल रहा अर्थात खेत से वे इन साल गैर दखल कर दिये गये। अब फिर भी तहसीलदार महाशय का जिक्र है" वह धान उन लोगों से बजरिये हेड सुपरवैजर के वसूल किया जायगा। इस बात पर हमारे प्रेसिडेंट से उनकी बात चीत यह हुई है कि एक कसूर पर उनको दो सजा नहीं फरमाया जायगा, एक तो जिन्सी भरा जाय न तो खेत से बेदखल हो जाय। अब वे खेत से बेदखल होने पर भी दूसरी सजा भुगतने वाले हैं।

सो हुजूर से नम्र निवेदन है कि कृपया इस पर विशेष नजर होवे और इसकी बात विचार पर उचित सलाह भी पेश करेंगे।

आप के विश्वस्त,
सेवकगण।

कोरोंजो
२८-३-४५.

P. Dungdung
J. Dhan
[illegible]
P. Toppo
J. Toppo
C. Kalebthey

Kovosyo

The Hon. Secretary 2.4.45
C.C. Ranchi

Dear Sir,

With reference to your P.C. No nil dated 26/3/45 I beg to give below the information required —

Length of the room	14 feet
Height "	17 feet
Do "	13'.8"
Breadth "	12 feet
Thickness " "	2 feet

Height two sides 17 feet and two sides 13 feet 8 inches

F. Griffith
Tan Temple
Menon

The repairs for the rooms with tin sheet roof; also should be repaired. If it will not be repaired the other rooms also may fall. At least Rs 50/- be sent for it. The President has seen it.

yours faithfully
P. Dungdung
Headmaster

POST CARD

6 APR
8.30 A.M.

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE 9 PS

The Hon Secretary
Church Council
Ranchi.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Memo No. 1059/45/F. 8   Dated Ranchi, the ~~19th~~ 20th June, 1945.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.L.Kongari for information and guidance.

C. H. Herenz
Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the C.C.Executive Committee held on the 25th May, 1945.

Item No. (ii).

" (ii) from Rev.L.Kongari's of Koronjo regarding not to take any of the Pracharakpans of the Koronjo Ilaka in making Orga a Parish etc.

Resolution :- That there is no necessity of transferring the Parish Headquarter from Lomboi to Bansjor as there is no definiteness of Orga being made a Parish.

~~Resolution :- That there is no~~

Sd/- J. Lakra.   Sd/- C.H.Herenz.
13-6-45.   Secretary.
25-5-45."

CBBCM/2C.

F8

1
23-1-45

From - Rev. L. Kongari
G. E. L. Church, Koronjo

To

The Hony Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi
Dated Koronjo ~~the 13~~ 13th January 1945

Mahan-manyavar,

G. E. L. Church Honey Secretary

Ko yisusahay.

Age yahi namar niwedan hai ki C.C. ki chithi No. 2215-81 ke "Pastors' and Pracharaks' Scale Sub-committees' Proposal" issued on 22-10-41 ke anusar ~~har~~ har 5 baras me Rs 2/- kar ke talab scale men bridhi hona chahiye. Is ke anusar mere talab Scale ki bridhi nahin huwi hai.

Is liye dinta purbak arji hai ki January 1945 se mere talab Scale men kripaya Rs 2/- kar ke bridhi karne ki kripa kijiye.

Is ke liye ap ka hardik dhanyabadi hum.

Ap ka biswasi
L. Kongari
Ilaka Chairman
13/1/45

To, The Secretary, G.E.L. Church Ranchi   Thd- 30-11-44

16.11.44. Koronjo — इलाका-कामी पारियों की
महवारी बैठकों — C.C. में रिपोर्ट देने योग्य बात — 2/8-12-44

मिनिट नम्बर — 3. मामा भगिना — प्रचारक-मनोहर मुनि का-रिपोर्ट —

कि-एतवार ता० 5.11.44 को गिरजा-के थोड़ा पहिले कितने बूढ़े बाद और जवान-
भाई अपने स्थान में बैठे थे मरटिन तिड़ू भी जो अपने बेटे को बिना शादी [illegible]
को बिदा करने के कारण छोटी सभा में रखा गया है, छोटी सभा को आदान-
मानकर बीचमें बैठा था। तब मैं गिरजा-घर प्रवेश करते हुए उन-बैठे हुए
भाइयों को येसुसहाय करते २ मरटिन-तिड़ू के पास-पहुंचकर उसको सलाम
कर दिया- और जो आगे बैठे थे उनको फिर येसुसहाय किया- कि मरटिन-
तिड़ू-जिस-को मैं ने सलाम-किया, सलाम-कर देने ही के कारण मुझपर गुस्सा होकर
उठ खड़ा हुआ- और मुझ को कितनी बहुत बुरी बातों से दुख और बदनाम-करकर
और हमारी मंडली को अशुद्ध करने वाला- कहकर गाली देने और कहने लगा-
कि- तुम-हमारे गिरजा- में गिरजा-न करेगा- इसके उत्तर में, मैं धीम-धीम से
जवाब दिया- कि- मैं इलाका-कमेटी से भेजा-हुआ- गिरजा-करना- नहीं
छोड़ सकता हूं, मरटिन-तिड़ू बोलने लगा- कि-इलाका-कौन है मैं नहीं जानता
हूं आदि- बहुत २ बात- बक-बक-करते हुए कि- आने वाला- एतवार को तुम-
कभी गिरजा नहीं करेगा- अगर अपने जिद्द पर रह के गिरजा-करोगे तो-
तुम्हारे ऊपर उस- रोज-लाठी बरसेगा- क्योंकि लोग-अदालत रखवाले हैं ले
ख्याल करो, पादरी और प्रचारक- झगड़ा करें और हमको बुलावे करते हुए
गिरजा- घर से निकल- गया- और अपना घर चला-गया- बाद- में गिरजा का-
समय आने से गिरजा- का काम- शुरू-कर गिरजा-किया- गिरजा-खतम-
कर सब कोई बाहर निकले, बाहर में भाइयों के साथ थोड़ा देर बातचीत हुआ-
जिसमें कहा गया- कि- हम-लोग क्या-कर सकते हैं क्योंकि- हम लोग उसको
करने का अधिकार कोई अदालत नहीं है हम-लोग सब कोई चाहते हैं
कि प्रचारक- अपना-काम-करें- और हम लोग अपना- सुनने का काम-
करें और वह यदि- झगड़ा-करता है वह अपना-काम-करे कोई इसके लिये
विचार नहीं हुआ- और सब कोई भिन्न भिन्न-होकर अपने २ घर गये।

इसके बाद पर जब कि फिर एतवार पहुंचा याने 12.11.44 को जब-
गिरजा-शुरू-करने का समय था- तब मैं सीधे- गिरजा-प्रवेश कर वेदी पर
चढ़ गया- ज्यों पुस्तक-वेदी पर रखा- त्यों ही मरटिन-तिड़ू वेदी पर चढ़ कर
मुझे बांया- हाथ में अपने दोनों हाथों से पकड़ कर वेदी से उतार देना चाहा-
कि- अकस्मात- मुझे ऐसा- बल- हुआ कि- मैं जब अपना- हाथ को छुड़ाने
को झटक कर झाड़ा- तो वह आप गिर पड़ा, पर वह फिर उठके फिर वही
बांया हाथ को पकड़ा- फिर मैं वैसा ही झाड़ा- फिर वह मुझ को धाड़ [illegible]-
पर गिराने के लिए फेंका गया- लेकिन- गिरजा- दिवाल पर लगने से नहीं
गिरा- तब उसको मालूम- हुआ- कि- उसका- बल- मुझसे अधिक है। अब
बिना- हथियार मैं उसको कुछ- नहीं कर सकता हूं किया कर कमर के
पैलेट में जो हथियार छुरा (चाकू) था- वह उसको निकाल-कर और

मुझे भला-बुरा- कह कर यह कहने लगा- कि- भला- तुम- मुझसे युद्ध करने आते हो आओ आओ मैं इसी हथियार से तुम्हारा काम- तमाम करूंगा- कहते हुए छुरी को इधर उधर घुमाने लगा- मैं हथियार देखकर डर गया और कुछ नहीं कहा- मैं चुप चाप- बेदी ही पर खड़ा- रहा- वह जितना कह सका- भला-बुरा- मुझको कह कर गाली दिया- मंडली के भाइयों में से किसी को भी- हिम्मत- नहीं हुआ- कि- उसको पकड़ लेवे प्रभु की मंडली रजस्ट्री हो गयी आखिर में उसने कहा- कि- बाहर चलना वह गिरजा- को- पत्थर फुस्स कर लात को बाहर घर चला- गया- फिर नहीं लौटा- कोई भी गिरजा- के लिये खड़े नहीं हुए आखिर में मडरिन- लिड़. का- भाई पेरिन- लिड़. कितने भाइयों के साथ- बाहर निकल- कर खबर लिया- और तब पेरिन लिड़ को बड़ा- होते भी नहीं सकता है मुझसे कई एक- बातें जो गिरजा के लिये करना था- पूछा- और तब बैठ कर कोई १०, १२ मिनिट तक प्रार्थना किया- और गिरजा- अन्त- हो गया- अन्त- होकर जब मडरिन- लिड़ अपने घर का- रास्ता- ले कर चला- जा- रहा था- कोई भाई के घर पीछवार से को जाना- हुआ- उस समय- अपने साथियों को साथ- यह बात- करते हुए चलता जाता था- कि- मैं इस- प्रचारक को कहीं भी बिना- मार डाले नहीं छोड़ूंगा। यह बात- उसी घर के भाई ने मुझको बताया। मैं अपने निज कान से नहीं सुना। भाई लोग- मुझको कोई दिलासा नहीं दिये, पर बहिनों के सुध पाने से कोई २ भाइयों ने कहा। कि- आज- जो भी हुआ- आने वाला- इतवार देखा जायेगा- अगर फिर ऐसा ही गड़बड़ करेगा, बिना उसको पकड़ेंगे और उसको बांधेंगे पर मुझे भाइयों की इतनी बात से पूरी शांति- और संतोष- नहीं होती है सो आप- कृपा करके लिख- के मेरी आरजू है कि मैं क्या- करूं मुझे उत्तम- परामर्श दिया जाये, — इस- पर इलाका- चेयरमेन- Revd. L. Kongari ने शांति की यह बात उत्तर में दिया कि- भाई देखो, हम जानते हैं कि- जगत के आरम्भ से ऐसा ही चाल ईश्वर के सेवकों के ऊपर बीत रहा है- प्रभु ने कहा- कि- वे तुम्हें सभा- के घर से निकाल देंगे, मार डालेंगे और ऐसा- करने से वे समझते हैं कि- हम- ईश्वर की सेवा- करते हैं, सो ऐसी बातों को याद करें और प्रभु की महिमा के लिये निराश- न- होवें वरन् प्रभु की ऐसी बातों को याद कर साहस- करें और प्रभु के काम- को आनन्द से करें जिससे उसकी महिमा- होवे- और कि प्रभु का- कहा हुआ- वचन हमारे ऊपर घटता है कि- धन्य तुम- हो जो मेरे कारण- सताये जाते हो आनन्दित- और आह्लादित- हो क्योंकि- तुम्हारे लिये स्वर्ग में बड़ा- फल है। जो इस आने वाले इतवार में भी जाना- और साव धान- होके गिरजा- करना-, सामान्य- बातों से भी भाइयों से कहा- गया- विशेष इस- पर जोर दिया गया कि- पंचों को चाहिये कि- वे मडरिन- लिड़. को ऐसा- हत्यारा- काम से रोकने के लिये एक नोटिस- गिरजा- को पहिले देवें कि- वह ऐसा- गिरजा होने का- काम, या- हत्यारा- का- काम- न करे- फिर कहा गया- कि- आप कितने भाइयों को गवाह ठहरा- के थाना- कोतवाली में रोजनामचा लिखा- दीजिये आदि- और कितने र ओरजा. और शांति की बातें कही गई — अन्त में माध्यकार चेयरमेन ने कहा- कि- मैं तुरन्त- ऐसी

गड़बड़ की बात. ए.ए. को रिपोर्ट देने का तय पाया गया हुई जिसमें चेयरमेन ने खास करके उक्त प्रचारक को लिये विनती किया कि ईश्वर उक्त प्रचारक को बल बुद्धि साहस और सच्चे संकल्प से भरपूर करें। बाद सभा विसर्जित हुई।

ईसाई-कर्मचारी सभा का —

G. Kongari
Chairman
16/11/44

सेक्रेटरी ——

Patras. Bala

F8

Koronjo
23.1.45

Th. Surin Esqr B.A., B.L.

Dear Mr Surin,

Last year you told us the Majhihas land of the village Koronjo is given on "adhbatai" to the teacher and other for three year but the Kabuliat will be taken annually. But now when we have prepared the land the tahsildar does not want to give it to us. Will you kindly keep your promise and allow us to cultivate the plots which we did last year. Waiting for favourable reply. Thanking you in anticipation.

Yours sincerely
P. Dungdung

F-8

No. 9

Korongo
January 23, 1945

The Secretary C.C. Ranchi.

Dear Sir,

May I request you to send money for the repair of the collapsed roof of my quarters and also for the repair of the rooms east of Post Office. If the room which has fallen will not be repaired the building will surely fall. Because the walls are 'kacha'.

Your most obediently
P. Dungdung
Headmaster
M.E. School
Korongo

F-8

The Gossner Evangelical Lutheran Church
in Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919
Registered under Societies Registration Act XXI of
1860 on July 30, 1921.

Officers and members of the Executive.

1. *President* : Rev. J. Lakra, M.A., B.D., S.T.M.
2. *Hony. Secretary* : Mr. Th. Surin, B. A., B. L.
3. *Treasurer* : Rev. L. Jojowar.
4. Mr. N. Soy.
5. Rev. B. Minz, B. A., L. TH.

Other members of the Church Council.

6. Rev. J. J. P. Tiga, B. D.
7. Rev. S. Bage.
8. Rev. L. Topno.
9. Rev. S. Kula.
10. Mr. J. Barla, M. A., B. D., Dip-in-Ed.
11. Mr. P. S. Bengra, B. A.
12. Mr. C. D. Ekka.
13. Mr. D. Tirkey.

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI, (BIHAR) INDIA.

No. 156/45/F-8.

Dated the February 3, 1945.

To

The Rev. C. R. Topno,
G.E.L. Church, Komboi.
P.O. Kolebira, Dist. Ranchi.

Manyawar Padri Royan Babu ko yishusahay,

Age ap ko jante hain ki Mauza Mamabhagina ke Babu Martin Tiru ne Soldiers' Wel-fare Board ke Secretary ke pas likhit men yah pratigya kii ki ab se main Kahupani ke Sussana sambandhi bat se apne ko alag karta hun aur jo Mokdama apne Padri Christ Royan Topno ke upar laya hun us ko utha deta hun. Is bat ko Secretary Soldiers' Board ne Council men akar hame batlaya aur pichhe Martin Babu ki likhit pratigya ka nakal bhi registry kar mere pas bhej diya hai. Phir Board Secretary ~~in~~ Martin Babu ki arji ke anusar S.D.O. saheb Simdega ke pas Mokdama uthane ko tar bhi diya. Phir Martin Babu ne mujhe bhi likh kar diya ki age main Susana case se apne ko alag karta hun.

Uprokt karrwai ke karan ab ap Mamabhahina ke Babu Martin Tiru ke ghar walon par jo karrwai jari hai un ko utha dijiye arthat un ki shadi ityadi na roki jay. Bina shadi jo larki sasurar gayi hai wah pita (Martin Babu) ke ghar laut awe aur larka larki bedi ke pas akar man lewen aur pap kshama pawen. Tab Mahopwas kal ke pahile agar samay milta hai to ek hi etwar men tin pukar kar ke shadi de dijiye aur registry kar dijiye. Agar samay nahin hai to Jee-uthna Parb ke pichhe turant yah kam kar dijiye. Birmitrapur men ~~xxkxx~~ rahne wale larke ki shadi bhi ab de dii jay. Babu Martin Tiru aur us ki patni bhi agar bedi ke pas man lete hain to donon ko jaldi Mandli grahan kar lijiye. Agar we abhi man lene nahin ate hain to un ko mere ane tak chhor dijiye par beta beti ko niyamanusar shadi de dijiye.

Babu Martin Tiru ki chithiyon ka nakal jin ko us ne Secretary Soldiers' Board aur mere pas likha ap ke liye bheje jate hain.

Age shubh,

Prem se

Sd/. J. Lakra

President,
G. E. L. Church.
Ranchil

Copies to
1. Babu Martin Tiru.
2. Mr. Th. Surin, Secretary, G.E.L.C.

BBMINZ/4C.

True copes.

President G.E.L.Church,
Ranchi.

Manyawar Mahasay, main ap ko dinta purbak janata hun ki Kahupani Susana case se mera ab kuch sarokar nahin raha aur na rahega. Is bat se main apne ko alag kar diya. Age Mandli se jo mere liye aur mere gharane ke liye rok tok the sab utha diya jay jis ke liye main ap ka sada dhanyabadi rahunga.

Sahi Martin Tiru. Mamabhagina.
P.O. Kolebira. Ba. Khas. Ta: 22-1-1945.

Post Copy of telegram dated 23rd, Jany. 1945 from the Secretary,District Sailors', Soldiers' & Airmens' Board, Ranchi addressed to the S.D.O., Simdega ----

----

" MARTINTIRUS CASE AGAINST THE REVEREND TOPNO - 500 I.P.C. WITHDRAWN LETTER FOLLOWS."

:::::--

No.288/52-RAN/DSSAB/1945
Dated the 23rd January 1945.

Copy forwarded to :-

REGISTERED. 1. The Sub Divisional Magistrate,Simdega,Dist.Ranchi, along with a true copy of a petition dated 22nd January 1945 from the complainant Martin Tiru F/O No.195645 Mansuk Tiru of Village Mamabhagina, P.S.Kolebera,Dist.Ranchi, with the request that the case against Reverend C.R.Topno instituted by the said Martin Tiru be considered withdrawn on the strength of the copy of the enclosed petition, and also kindly dropped.

Encl. - one.

REGISTERED A/Due. 2. Martin Tiru F/O No.195645 Mansuk Tiru of Villgge Mamabhagina,P.S.Kolebira,District Ranchi, for information as desired by him.

REGISTERED. 3. The Reverend J.Lakra,President,G.E.L.Church,Ranchi with one copy of the petition dated 22nd January 1945 from the said Martin Tiru referred to above, for information, and kind favour of necessary action; and kindly ordering the Church Council to admit the said petitioner and his family members into the Church and cancel the ex-communication from the Church; and kindly effect the early marriage of the daughter of the petitioner, as desired by the petitioner,Martin Tiru,for which I shall be grateful.

Enclosure - one

Sd/- Illegible.

Secretary,

Distt.Sailors',Soldiers' & Airmens'
Board,Ranchi.

P. T. O.

Secretary Soldiers' Board, Ranchi.

1. Pahila number jo Susana case hai xxxkx use mera koi sarokar nahin hai na rahega.

2. Dusra number - jo hamare larki ke nisbat hamare aur hamare aurat ke upar agar kasur hai to maph kiya jay aur hamare larke ko shadi diya jay Mandli ke President ko ye bat bhi janayiye.

3. Soldiers' Board men jo darkhast diye hain us ko uthate hain.

4. Ham jo Simdega Adalat men Padri Christ Royan Topno ke nam men Phaujdari par mikkadma kiye hain us ko bhi uthate hain ismen ap bhi madat kijiye jis se mokkadma utt jay aur Simdega Hakim ko likhiye ki wah hamare taraph se yah case c kat jay aur Padri saheb nirdosh ho jay. Ham wo hamare aurat aur hamari larki aur larka Mandli men grahan kiye jay.

Kasur sab maph kiya jay.

Sahi Marin Tiru. Sh: Mamabhagina.
Ta: 22-1-1945 Ishwai Ba: Khash.

Jo likhe hain so apna khushi se likhe hain aur Lutheran Mission ke President ko janaiyega

Martin Tiru.
Mamanhahina.
22-1-45

( )
L.T.I.Of
Martin Tiru.

Martin Tiru. Mamabhagina.
Ta: 22-1-45.

Certified True Copy.

Sd/- Illegible.
23-1-45.
Secretary,
District Sailors', Soldiers' &
Airmans' Board. Ranchi. (Bihar).

F. 8

महामान्यवर

महाशय, छोटानागपुर और आसाम गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान कलीशिया के चार्च कौंसिल रांची के निकट एक अरजी दरखास्त।——

बनाम — सुलेमान मेंगरा — वल्द शांतिमय मेंगरा — साकिन — मौजा — कोरोंजो, परगना — बिरु, थाना ठेठैटांगर, जिला रांची का हूं।

महाशय अरज ऐसा है कि जो मिशन-नाला आज तक परती ही छोड़ा गया है, महाशय-आप को विदित है कि-मिशन-बांध के नीचे मान्यवर माजर बाबू पुनस-बगे दो गेंट बांध-बंधने के वास्ते सलामी दे कर ले चुके हैं, वे अब तक नहीं बांधे हैं, तो जहां तक उन को दिया गया है उसके नीचे ही से मैं सुलेमान-मेंगरा दो गेंट बांध-बंधने के वास्ते सलामी देकर ले लेने की इच्छा-किया-हूं वो हजूर से मांगता भी हूं सो महाशय-आप अपने अपार कृपा की नजर मुझ पर भी थोड़ा-सा दिखाने की कृपा-कर जो जगह मैं बेचारा-गरीब मांगता हूं वह जगह मुझ को देने की कृपा-करेंगे, उचित-सलामी देने को राजी हूं। अलावे यदि आप नाला-में से दो गेंट बांध-देने की कृपा करेंगे तो उसके साथ कुछ एक: टांड़ भी जो बगीचे के निकट है पाने की आशा कर यह अरजी दरखास्त पेश-कर उम्मेदवार हूं।——

कोरोंजो
ता० २०.२.४५

आइन्दे हजूर मालिक हैं। —
आपके कृपाभिलाषी —

द०: सुलेमान मेंगरा
कोरोंजो

[illegible]
Chairman
3/11/45

5th March, 1945.

384/45/F-8.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.L.Kongari for information and guidance.

Th Surin
Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the full C.C.meeting held on the 23rd January, 1945.

Item No. 1 (a)

" The Rev.L.Kongari's request dated the 13-1-1945 regarding the increment of his salary :-

The applicant says that according to the C.C. letter No. 2215-81 dated the 22-10-1941, he deserves the increment of Rs. 2/- p.m. on his salary with effect from 1-1-1945 and prays that this be effected accordingly :-

(a) The C.C.decided to increase the salary of the Rev.L.Konragi by Rs. 2/- (two) only per month with effect from 1-1-11945 as prayed for.

Sd/- Th.Surin.
Hony. Secretary."

CBBCM/2C.

F-8

No. 96

Koraujo

December 5, 1944

The Secretary,
C.C. Ranchi

Dear Sir,

With reference to your Reminder No. - dated 30-11-44 regarding your No. 1890/44F-8 dated 21-9-44, I beg to state that in my letter No. 81 dated 22/9/44 I have reported that No help has been sent so the building has been left unrepaired. Only some trees has been felled.

Yours obediently,
P. Dringdrang,
Headmaster.

Lombor. F-8.
11/1/45.

निम्नलिखित बातें C. C. Secretary को मालूम हो कि :—

I. ता: २-१-४५ को Inquiry Officer S.D.O. साहब [illegible] भेजा गया था और जो कुछ जांच करना था, सो किया, इसी तारीख को Parish meeting भी [illegible] में उस बात को जो माना गया था [illegible] ता: ५-११-४४ और १२-११-४४ की [illegible] जांच [illegible] minute में दर्ज किया गया। Inquiry Officer तीन मिनट की बातों को ले गया अर्थात

(क) ता: १-८-४४ की मिनट

(ख) ता: ५-६-४४ की मिनट

(ग) ता: २-१-४५ की मिनट } को लेकर

S.D.O. के पास गया। फिर Inquiry Officer को बाकी बातों को जांच करने के लिये ता: २४-१-४५ दिया है।

II. Martin Tiru के लड़के की शादी ठीक हो गयी।

III. यदि मेरे ऊपर से विरोधी Party की [illegible] report भेजी जाय तो ध्यान न दिया जाये - क्योंकि सब झूठ बात है।

आपका विश्वासी

Rev. C. R. Topno.

140-42/45/F-8. January 30, 1945.

To

Rev.L.Kongari Koronjo, Rev.C.R.Topno Lomboi
and Rev.I.Guria Kahupani.

Revs.L.Kongari, C.R.Topno aur I.Guria,

Ap logon ko mera yisbusahay. Hal men Babu Martin Tiru Mamabhagina Ranchi aya tha aur usne Soldiers' Board men ek lamba chaura darkhast pesh kiya tha.

Is darkhast ko pesh karne se us ko apna sab dosh malum huwa aur usne Soldiers' Board ke Secretary ke pas kai ek baton ki pratigya likhit men diya. Jin men se ye bhi hain :-

(i) Main Susana case men xx ainde kisi kisim ka sarokar na rakhunga.

(ii) Padri Christ Royan Topno ke upar main ne Khunti adalat men phaujdari mukdamma dair kiya hai us ko utha dunga.

(iii) Main ne jo Soldiers' Board men darkhast diya hai us ko utha dunga.

(iv) Main Kalisha ke niyamon ke andar rahunga.

(v) Kalisha se meri arji hai ki wah mere dosh, pap, bhul, chuk ko maph kare aur mujhe aur meri stri ko punargrahan kare aur mere bete ki shadi ruka na jawe.

Agar Martin Tiru ne mukdamma utha diya hai aur wah aur us ki stri apne dosh aur papon se pachatap karte aur age ko Ishwar ki bari daya se naya jiwan bitane chahte hain to un ka punar grahan mandli men howe aur us ke larke ko shadi mile.

Sab bhar ap logon ke upar hai. Us ko Mandli men grahan karna aur shadi dena ap logon ke hath men hai kyon ki we ap logon ke bich men hain aur unke chal chalan ko dekhne aur pahichanne wale ap hi log hain. Kalisha ki bhalai aur shudhta ke liye jaisa ap log bhala aur achchha anubhao karte hain waisa kariye aur Prabhu ap logon ke aur ap logon ke kam par bahutayat se ashish dewe.

Ap logon ka bishwast,

Th. Guria

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

BEMINZ/4C.

Lomboi. F. 8

29/11/44.

To,

The Secretary

G. E. L. Church

Ranchi:

निम्नलिखित बातें आपको मालूम होवे कि

I. ता: १२-११-४४ को Martin Tiru Mama Bhagina गिरजा में ओलमास किया अर्थात् मनासिये सुरिन इवान्जिल को गिरजा करने से रोका और वेदी से खींच कर उतारना चाहा और अन्त में चाकू से घूसा मारने चाहा तब उन्होंने गिरजा नहीं किया।

II. Ilaka Chairman लूथर कोनगाड़ी ने लिखा है कि Martin Tiru ने मेरे ऊपर में सिमडेगा में Case किया है सो आप मुझे क्या राय देते हैं।

आप का विश्वस्त —

Rev. C.R. Topono.

To,

The Secretary

G. E. L. Church

Ranchi

F. 8

From- Rev. L. Kongari, Koronjo

To

The Hony Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi
Dated- Koronjo the 28th Sept. 19..

Mahan-manyawar,

G. E. L. Church Hony Secretary ko.
yimusahay howe.
Age ap ko malum howe ki Koronjo
Church compound ka ghera lagana nihayat hi
awasyak hai. Asst. manager Mr. N. Toppo bhi kal
men aye the. Ghera lain lagane ki sidhamen
jin 2 rayatong ka tarn para, unhen bulakar
badli tarn dene chahe dam bhi dene
ko bole par we na badli tarn na dam liye
arthat nahin chhora. So ab jaisa 2 jahan
ban parta hai ghera lain sidha kar ke hamki
logon ke tarong men banate jaenge. Dhup
kal ke dinong men jamin kara hojayga. So
inhin dinong men kuchh subista hoga aur
koi ato paudha bhi sath men lagate jaenge
to ji jayga.
So arji hai ki hal men Koronjo Compound
ghera lagwane ke liye kam se
kam Rs 60/- Rupees Sixty take manjuri
kara kar advance bhejne ki kripa
kijiye

Ap ka kinwash
L. Kongari
28/9/..

2517/44/F-8. 2nd Dec., 1944.

To

Pracharak Mansidh Surin,
G.E.L.Church, Mamabhagina.
P.O. Kolebira. Dist. Ranchi.

Pracharak Mansidh Surin,

Ap ko mera bahut bahut yishusahay. Main ne ap ke upar jo sankat 5-11-44 aur 12-11-44 ko Girja ke bedi par huwa uska report paya aur is ko pa kar bahut aphsosh apne man men anubhao kiya. Jaisa ap ko Ilake meeting men kaha gaya waisa hi ap apne kam ko karne men age bhi laulin rahiye. Jagat men klesh hota hai lekin har Christan ko dharas bandna chahiye kyon ki Prabhu ne jagat ko jita hai. Johan 16,33 Phir bhi ap bedi men bhi chaukas rahiye kyon ki Zachariah Mandir ke bedi ke pas mara gaya aur jis ke lahu ka dam Yahudiyon ko Jerushalim ke nast hone ke samay dena para, han sirph itna hi nahin par Dharmi Habil se leke Zachariah tak jitne dharmiyon ka lohu Pritbhi par bahaya gaya tha un sab ke lohu ka dand un par para. Mati 23,34-36. Johan 16; 2,3.

Ap ko Prabhu ki ichchha bina koi bhi kuchh nahin kar sakta hai, jab ap Prabhu par apna sara bharosha daliyega. Pawal Prerit ko dekhiye ki Lustra shahar men us ko patharwah kiye aur mara samajh ke phenk diya tha par wahi susta kar phir usi shahar men updesh karne laga aur usne Prabhu ki mandli sthapit kiya. Prerit ki kriya 14,19. Pawal Prerit aphi kahta hai ki usko Prabhu ke liye kitna dukh mila. Dekhiye 2 Corinth 11,23-33. Prabhu ne Christ ke sewakon ke dukh ke bare Matti 24,9-12 men kaha hai. Par jo ant long sthir rahega usi ko ~~xxx~~ uddhar milega. Matti 24,13. So ap Prabhu ko samne jan kar aur us par pura bishwas ke sath bharosa rakh kar apne sewakai ant long karte rahna aur Prabhu ap hi ap ka rakshak howe, aur ~~ap ko~~ sab bipatiyon se ap ke pran ki raksha kare- Bhajnsanhita 121.

Ap ka bishwast,

Th. Surin

Hony. Secretary,
G.E.L. Church.

BBMINZ/5C.

F 8

सेक्रेटरी जी· ई· एल चर्च रांची

६-११-४४.

महाशय

आप को मैं कुछ जरूरी बातों का रिपोर्ट भेजता हूं कि उन पर विशेष और उचित विचार किया जावे।-

१ कोरोंजो के कई एक घर गिर गये और कितने गिरने पर हैं पर मरम्मत करने हारा कोई नहीं।

२ लड़के, लड़कियों में कुछ भेद नहीं रखा जाता है।

३ स्कूल कोठा के चारों ओर आज तक जंगल ही है। साफ नहीं होता है।

४ स्कूल का चौकीदार, हेडमास्टर का नौकर (जंगा) मालूम पड़ता है।

इस हेडमास्टर के यहां रहने से बड़ी२ घटना और नोकसानी होने का सम्भावना है।

आईन्दे हजूर मालिक

कोरोंजो इलाके का एक भाई।

F8

Lomboi
7/11/44.

To,
The Secretary
G. E. L. Church
Ranchi.

आप को निम्नलिखित बातें मालूम होवे कि

I. मैंने लिखा था कि Martin Tiru Mamabhagina ता: १०-६.४४ को छोड़ दिया जायेगा सो उसी तारीख में दोनों स्त्री पुरुष छोड़ दिये गये।

II. फिर मैंने लिखा था कि नालिश करने जाता है सो कुछ नहीं हुआ - पर वह धमकी देता है कि Mamabhagina मण्डली में सक्रामेन्त बांटने से रोक टोक करेंगे तब देखना होगा क्या होता है।

III. सुनने में आता है और यह सच बात है कि Martin Tiru अपने लड़के के लिये खूंटी के Mr. B. Hangwar Assist. Headmaster के यहां कन्या बन्दोबस्त किया है और वाग्दत्त होने पर है सो आप Mr. B. Hangwar के पास चिट्ठी लिखिये कि ऐसा अन्यायी आदमी को [illegible] और Bhengra चाहे Sarnatoli या दूसरों को भी जानकारी दीजिये कि यह काम जल्दी भी न हो जावे।

Rive R. Topno
Lomboi

To,
The Secretary
G. E. L. Church.
Ranchi.

Koronjo
23/8/44

F. 8

From - Rev. L. Kongari

To
The Hony Secretary
G.E.L. Church, Ranchi

Mahan-mayawar

G.E.L. Church Hony Secretary ko ajimmhay. Age ap ko malum karate hain ki Koronjo ka Manna Kharia ek goharghar bane ke liye gachh mangata hai arthat (1) 3 Dharna, (2) 50 jora ashan ya dhanondha ka karn (3) 7 Pair ya khauria, (4) Khunta 9. Yah jan hamare Koronjo manja ka raiyat hai, so is ko gachhe milne ki manjuri ki jay

Ap ka bishwasi
L. Kongari

POST CARD

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

9 PS

SAVINGS ... DEL... 25 AUG. ... RANCHI

... RANCHI

To

The Hony Secretary

G. E. L. Church

Ranchi

Mahan[illegible]gawal 249 from the Rev.
I. Garia

Secretary Sahab G.E.L. Mohupani

Church ko Yishusahay. Ham eis 20th Sep.
mahinon tak ghar ki bimari se taklip men the
abhi tak kamjori hai.

Padrighar banane ke liye kam
adi ka farman ho gaya hai. Sab saman
jamaa hone se jald banega. Mandli ka bhahar
pahle jaisa hi hai. us dal wale kitne jo
girja nahin ate the ab kitne ate hain par
pap kshama lene ke liay kuchh chinh nahin
dikhai deta hai. S.P.G. gira jane wala ja
hi raha hai. May fir fir samjhata hun abhi

usna dil kathor hi hai
tis pas ... samjhane ka
kam nahi chhota hain.
Sunne men ata hai ki
M. Tiru. bina shadi larki
bida karne ke karan
Mandli saja hua hai. 4
ka report Lombai chairman
se mila hoga. Mere parish
men 4 bishay all tak
men koi bishesh ghatna
nahin hui hai. aisa hone
se turant ap ko khabar
dunga.

Prabhu men ap
ka sewak
Rev. I Guria

POST CARD
REPLY.
ADDRESS ONLY.

INDIA POSTAGE 9 PS

To
Mr. Th. Surin
Secretary of the G.E.L.
Church Ranchi
Gungutoly.
Ranchi P.O.
Ranchi P.O.

F. 8

कोलोंगा
ता: २६-७-४४।

महामान्यवर

G. E. L. Church Hony सेक्रेटरी के [illegible]

[illegible] है कि मैं कोलोंगा मौजा [illegible], [illegible] मौजा [illegible] [illegible] १०२४६ [illegible] १० २४२ [illegible]

[illegible]

मैं इस बाबत [illegible] आशा है कि [illegible] होगी।

[illegible]

प्रचारक-मनमसीह- [illegible]
ता: २६-७-४४

महाशय
[illegible] मौजा [illegible] का [illegible] २४२ का [illegible]
[illegible]
[illegible] है
[illegible]

D. Topno
26-7-1944

[illegible] Chairman
२०/७/४४

कोरोंगो स्कूल बंगला-चदरा का हिसाब।

हम लोग निम्नलिखित आदमियों के साथ चदरा टीन तलाश करके बंगला में जमा कर दिया. एम. ई. स्कूल के हेडमास्टर बाबू पी. डुंगडुंग के जिम्मा।

तहसीलदार बाबू दानिएल-तोपनो, पादरी बाबू लूथर कानगाड़ी, प्रचारक, पतरस बाखला, देवचरण लोहार जंगल चौकीदार, दानिएल-लकड़ा, पौलुस बा:, और एम. ई. स्कूल-चौकीदार सन्तोष आइन्द,

चदरा का हिसाब

१. बड़ा टीन. . . .	२३०
२ सेचावाला- . .	२३
३ मझिला टीन - . .	१८
४ संझिला टीन . .	१८
५ सबसे छोटा टीन - - .	२४

कोठरी ताला-करने के लिये ताला वो चाभी हेडमास्टर बाबू को दिया गया।

Daniel Topano Tahsildar.

प्रचारक- पतरस- बाखला

J. Dhan 22-7-44.

J. Kenyon 22/7/44

P. Dungdung Head master.

F 8

Koronjo
17.7.44

श्रीमान C.C. Secretary Th. Surin को यीशुसहाय.
महाशय.
आप की चिट्ठी ता. 21. June 1944 मिला.
उस के उत्तर में लिखा जाता है।
जिस ता. से Koronjo school staff घटाया
गया और हम को बैठाया जाकर तलाब
बन्द कर दिया गया C.C. के द्वारा, उतने दिन
और बरसों का तलब हम को दे दिया जाये
तब तो हम जहां बिना काम का तलब मिलता है वहां
चले जावेंगे और मिशन को भी छोड़ देवेंगे
क्योंकि यहां तो अन्याय किया जाता है।
मेरा दावा है Koronjo में काम मिलने और हमें
July से December 1944 का तलब। क्योंकि
~~क्योंकि~~ हम को without warning बैठा दिये हो
तो क्यों कर नहीं खिलावेंगे।
मेरे 7.7.43 का और 27.4.44 का पूरा जबाब
मिलना जरूर है।
मेरे रहने के घर के बारे लिखा जाता है कि मैं

Church का नौकर ही हूं और यहां घर में रहता हूं। Secretary साहब January February मास में Koronjo आकर घर मरामति खुद करने को वादा किये हैं क्यों मरामत नहीं किये हैं। और बरसात में हम से कैसे घर गिरने का जबाब ले सकते हैं। मैं घर के गिर आने का जबाब दे ही नहीं हूं। हमारे पास न तो मरामत के लिये खपरा है न तो रुपैया है। हमारे तलब में से Council ही Rs 15/- % करके काट लिया है Repairing के लिये तो क्योंकर हम मरामत करेंगे सो घर के गिर जाने का जबाब Council ही के ऊपर है।

सो कृपया क्षमा कर कृतार्थ कीजिये।

आप का कृपाभिलाषी।

E. Aind Koronjo.

17/7/44

Answered
Wd.

No. 59.

F. 8

Koronjo
July 14, 1944

The Hon. Secretary,
Lutheran church council, Ranchi.

Dear Sir,

With reference to the copy of your letter No. 1308/44/F-8 dated 21.6.44 addressed to Babu Elias Aind, Koronjo. I beg to inform you that Babu Elias Aind has not yet vacated his quarters neither Mrs Muniker has done so. Babu Amos Topno lives with his uncle Babu Patras Topno. So one quarter is urgently needed for him. Babu Elias Aind and Mrs M. Minz will not leave the buildings unless they will be forced to do so. This work cannot be done by local bodies.

I beg to remain
Dear Sir,
Yours most obedient Servant
P. Dungdung
Headmaster.

F 8

Answered [illegible] 18/7

No. 60.

Koronjo
July 19, 1944

The Hon. Secretary,
Lutheran Church, Ranchi.

Dear Sir,

I beg to inform you that some pupil want to buy some tin sheets which were on the roof of the school building.

May I, therefore, request you to let me know at rate per tin they may be sold.

Yours most obediently
P. Dungdung
Headmaster
M.E. School,
Koronjo

G. E. L. Church F 8
Kerong
11/7/44

T. 8/7/44

To
The Secretary
G. E. L. church Ranchi.

Maharaj
Main ne ap ke pas chitthi men yah bhi batlaya ki Kerongo ka kitne majhias parti par rahe hai. Aur ab tak uske bare men koi jabab nahin mil raha hai.
Is liye ki ab kheti karne ka awasar bho agaya. aur pichhe hojane se kheti bhi nahin hoti hai. So main yah soch kar ki church ko ghata rahne napare par koi rakam se amdani ho so main ne Master Babu Joseph Toppo ko Bijadih ka ek

bara don ko jo kisi ko
nahin diya gaya hai is
1944 sal ke liye kewal
kheti karne ko dedena
hai. Uske bare gadi aur
dusre prabandh kiya jaye jo
aane wala sal me hove
Aur aisa hi Chhoti 2
Chanonra sab ke bare bhi
jo kisi ko nahin diya gaya
hai koi kisan ka prabandh
is baras ka amdani khet
se utha ne ka yatan
karunga. Yah Prabandh is
sal ke liye kewal hai.
so ap ko nahin hoga aur
iske bare ap ki kya ichha
hai so janti dene ki kripa
kijiye. ap ka bishwasi
L. Surya

POST CARD

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE 9 PS

RANCHI
DELIVERY
JLY 4 44
PM

Hony. Secretary
G. E. L. Church
Ranchi.
(Bihar)

Koronjo F-8
7/7/44.

To, The Secretary, G. E. L. Church
Ranchi.

आप को मालूम होवे कि मामागाँव का — Martin Tirkey ने कलीसिया के नियम विरुद्ध काम किया है मं.सं. ता: २६-५-४४ को अपनी बेटी को बिना शादी किया कर दिया है। वह मण्डली सजा के लायक है। फिर दोनों दुल्हा दुल्हिन और पितने उसके इस राय में हैं।

आप को रिपोर्ट इसलिये देते हैं कि दोनों तरफ के मण्डलियों से साफ २ और ठीक २ रिपोर्ट पेरिश में नहीं आया है। प्रचारक [illegible] को [illegible] शिकायत भी आज्ञा में हूं। यदि हो सके तो इसी महीना ही में वे सबके सब छूटी (छोटी) सजा में रखे जायेंगे उसमें आप की आ राय है —।

आप का विश्वासी
Rev. C. R. Topno.

F. 8

No. 51

Karanjo
June 28, 1944

The Secretary,
Lutheran Church
Ranchi

Dear Sir,

I beg to state that the Head-master's quarters has been repaired up to the Post office. The tin portion has not been repaired the total cost of repair is 135-15-0

So, I request you that the sum of Rs 35-15-0 (Rupees thirty-five and annas fifteen) may be sent.

Yours obediently

P. Dungdung.
Headmaster.

M. E. School,
Karanjo.

from The Rev. I. Guria

G. E. L. church Nahupani

The 28th June 1944.

F. 8

To, The C. C. Secretary

G. E. L. church Ranchi

Mahamanyawar,

Mahashay. Mujhe apki donon chithiyan jo tarik 3rd May aur 20th June ko veji gaithi hat-lagi jarur kar ke mayne ap ko Susana case ke bishay report dene men deri ki hai. so mahashay kripaya maph karenge. May ap ke 3rd May ki chithi ko pane ke bad se abhi tak is bishay men jitna karwaikar ke anuvaw kiya hai uska sanchhept report dene chahta hun.

(a) Martin Tiru ap logon ke pas se laut kar mere pas aya aur kahne laga ki secretary aur President ne mujhe order diya hai ki ap ja ke Susana aur patras ke bare panchon ko baithaiye aur jaise ap chahte hain taisa unke liye papkshama dene ki sifarish kijiye. May ne usse kaha "kis shart par?" usne jabab diya "Larka aur larki nirdoshi hain taubhi council ke hukum ke karan unhen Papkshama mile. Mayne kaha "apke shart par jabtak President aur secretary ka shiparish na ho tabtak may na panchon ko bula sakta na pap kshama dene sakta." Ant men wah yah tak ke boda hua ki "tab to mujhe age barhna hoga".

(b) Mayne Hardugan Bage ki beti jo Nicodim Samad Kesra ke ghar men rahti hai sirihapan nahin diya keyeonki wah na chhoti saja manta hai na girja jata hai.

(c) Johan Dang ki vatijin ko mayne sirihapan nahin diya keyonki wah us larki ka dharam bap hoke chhoti saja ko manta nahin aur girja vi jata nahin

(d) Daud Baje jo isi chhoti saja ko na manne ke karan o alag girja karne ke karan Rev. N. Tirkey ke samay chhoti saja men rakha gaya hai uski nati ko snan nahin diya keyonki wah vi na girja jata na chhoti saja manta na ap hi mandli grahan leta hai.

(e) Boos Bage pariwar samet Birigam S. P. G. Girja jata hai jaubhi mayne ek bar usko samjhaya

(f) Ap ko malum howe ki mayne abhi tak Susani aur Patras ke sache parschatap aur pap kshama ke bare kuchh na suna hai. Aisa anubhaw hota hai ki Martin Tiru aur uske parti Susana aur ~~uske~~ Patras ko sache parschatap se man fira kar mandligrahan lene ko samjhane ke badle hai drishta se apni baton men rahne ke chalate hain.

(g) Sunne men aya hai ki Martin Tiru ko shadi nahin mili aur wah apni larki ko bin shadi ki bida keya hai. May samajhta hun is bat ka purabyora apko Rev. C. R. Toppono se milega.

Salah lene ki baten:- No. (b) se (d) tak.

N. (B) Nicodim Samad kessa jo Hardugan bage ki beti ka dharam bap hai agar ~~Su~~ Susani aur Patras ke chhoti saja ko manne ka ikrarnama likhe aur Kalisha ke adhin hone ko krar kare to keya uske karan Hardugan bage ki beti ko Drishapan diya ja sakta hai?

(C) Usi prakar Johan Sang ko chhor uske gharane sab koi girja jane o Kalisha ke adhin rah ke chhoti saja ko manne ka ikrarnama dewen to kya ~~uske~~ unke karan Johan Sang ki Vatijin Drishapan pa sakti hai?

(d) fir Saud Bage ko chhor uske gharane agar girja jane o chhoti saja man ke Kalisha ke adhin rahne ka ikrarnama dewen to keya unke karan unke balkong ko Baptisma diya ja sakta hai?

Ant men meri to yah sifarish hai ki I Boas Bage II Hardugan Bage III Johan Sang IV Anandmasih Bage (Boas Bage ka bap) ye charong chhoti saja men rakhe jawen keyonke une na sahik girja jate na chhoti saja ko man kar Kalisha ke adhin rahne ke saman apni chal dikhate hain.

Arji hai ye chhoti saja men rakhe jane ke pahle inke pas council ke upyukt samad veje jawen

Remainder

Mahashay

Āp ko malum hua hoga ki mayne pasteŕs quarte ke bare ek darkhast diya hai. apke hoski uska koi jabab mere pas nahin ata. Mujhe kesra ~~ka~~ ek vai jo Meromdega men Master tha yah bataya ki pasteŕs quarte ke bare mujh se janch ~~hua~~. Mahashay ap ko malum howe ki usne jo report ap ko diya hai bilkul bhul hai. Mayne usse vi uski vul report ke bare kaha hai. Sach bat to yah hai ki pahle pasteŕs quarte tha par na malum kis karan se wahan koi padri na rahe. Aur is prakar se wah ghar gir gaya abhi tak uska nishana hai. Kuch kāth girja ghar ke pas laya gaya hai. Vaiyon ka kahna hai ki kuchh khapra girja ghar men lagaya gaya hai Purani padriyain apne nij hat ke banaye huwe ghar men rahti hai. Mission jamin jahan par purana pasteŕs quarter bana tha is purane padriyain ke nam par darj hai jahan unhin ka hal chalta hai. Is prakar se mere dekhte to na mission jamin hai na pasteŕs quarte hai. May fir fir arji karta hun ki is bishay men jarur dhyan diya jaye. Mahashay ~~agar~~ mere janch karne men agar vul vi hui hogi, to kripaya aur ek bar is bishay men daryanun karne ki kripa karen. aur kisi prakar se mujhe madad dene ki ati kripa karen.

May ap ke is bare mehabani ke liye ati dhanyabadi hunga.

Prabhu men ap
ka agyakari
Rev. Iguria
Nakupani

—x—

From — The Rev. L. Kongari, Koronjo   F. 8.

To
The Hony Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.
Dated Koronjo the 28th June 19[illegible]

Manyawar, G. E. L. church Hony Secretary ko yisusahay.
Ap ki chithi No 1291–93/44/F–8 dated the 20th June 19[illegible] ki mili. jiska jabab niche likhta hun.

Main date 2–26 june 19[illegible] tak ilaka tour men nikla huwa tha. jiske karan chithi adi ka jabab o report nahin bhejne saka.

(1) Susana aur Patras Bage ke pashchatap karne aur papkshama lene ka koi lakshan nahin dekhai deta hai

(2) Martin Tiru Susana aur Patras Bage ko sachcha pashchatap karne aur papkshama lene ke liye nahin samjhata hai, par ulte yah kahta hai ki "larka larki nirdoshi hain, kyonki samad parti is bat ko kabul kii aur parha saja utha kar raji hogaye. Nirdoshi larke larkiyon ko C.C. jhut mut ka doshi thahra kar chhoti saja kayam kiya. ab Susana aur Patras Bage yah man lete huwe mandli grahan lelewen ki ham donong nirdoshi hain par isliye ki C.C. ne chhoti saja kayam kiya kalisha ke niyam ko pura karne ke liye ham mandli grahan chahte hain." aisa sarat rakh kar ham padriyon ko mandli grahan dedene ko samjhata hai.

(3) Nahin.

(4) Martin Tiru ke larke larkiyon ke sadi band hai. so usne apne beti ko niyam biruddh saisari rit anusar ek larke ko dediya. jis men kitne log samil hain. yah case bichar hone ke liye Parish men daer hai.

(5) Apne ilaka tour men jab main Binjhiapani mandli men tha tab Martin Tiru mere pas jakar kai betong ka chhrchhar kiya. Tab ek darkhast jo Deputy Commissioner ke pas bhej na par hai dikhaya. jiska sarans yahi hai ki Susana + Patras ka case rajinama ho tay huwa. Parha saja uthadiya gaya. larka larki nirdoshi paye gaye. par C.C. ne jo ek tarphia ijhar lekar chhoti saja kayama kiya hai jhutha hai. Ham logon ka sadi adi band kiya hai. Rev. C. R. Topono hamari beti ka sadi nahin diya. jiske karan Rs 300/– ka harjana uthana para. Isliye C.C. se iska kayphiat liya jay.   sd. Martin Tiru Gaunjhu

Main ne usko kaha ki adalat ap ke liye khula hai ap ko jaisa chahiye saisa kijiye. par chhoti saja nahin uthaya ja sakega. Boas Bage Master kewal apne gharane sath S.P.G. church ja raha. chhi-buki kahin nahin. Apne tour se malum kiya ki mandliyon men iska asar aur nahin barhega.

Report: (1) ap ko malum howe ki Elias aur Pandit, aur Writ Gossner mung ki patni donong ghar nahin chhorte hain. (2) Majhias ka thik bandobast na hone se abhi khet marchahi para huwa hai. Achha hota ki Tahsildar jaldi akar sab thik kardewe. Ap ka biswasi
L. Kongari

No. 1959/44/F-8.

14th Sept., 1944.

To

The Rev.C.R.Topno,
G.E.L.Church,Lomboi.
P.O.Kolebira. Dist. Ranchi.

Piyare bhai C.R.Topno,

Ap ko mera bahut bahut yishusahay. Main ne ap ke 8 win Sept., 1944 ki chithi ko pa kar bahut aphsosh kiya aur karta hun. Rev.N. Tirkey ko Kahupani men aisa hi dhamki diya gaya tha magar wah Prabhu men sab kam o baton ke liye ashra aur bharosa rakh kar antlong bishwasta se kam karta raha aur Prabhu us ke sang tha aur Prabhu ne us ko sab kathinaiyon aur dukhon se bachaya.

Mera bishwas hai ki wahi Prabhu ap ke sath bhi rahega aur har dukh, bipati aur sankat men ap ko kabhi nahin chhorega jab long ap us ke bishwas yogya das thaharte hain.

Matti 10,18 men Prabhu ne ap hi kaha hai " Tum mere liya Hakimon aur Rajaon ke samne unpar aur anyajatiyon par GAWAH hone ke liye pahunchaye jaoge. Ap Matti 10,16-22 ko parhiye aur sachchi gawahi de sakne ke liye Prabhu se prathna kariye.

Main ap ko Yaramiah 36 se shanti deta hun aur ap se arji karta hun ki apni shanti, dhiraj aur sahas aur bishwas ko barhane ke liye ap Yaramiah aur Baruch ko yad kariye aur unke saman ant long bina dar sachchai aur kharai se susamachar ka prachar kariye apne bachan se, kam se aur chalchalan se.

Apne to aphi Prabhu ki daya ko pahichan kar Achristan se Christan huwe hain so ap Timothi ke saman Prabhu Yishu ki sewa kariye kyon ki Prabhu ne ap hi apni daya men ap ko ropa hai.

Jagat men Christan ke liye aur bishesh kar susamacharak ke liye bahut dukh hai - "Unhon ne Jachariah ko Bedi aur Mandir ke bich mar-dala Matti 23,35, par dharas kar kyon ki Prabhu ne jagat ko jita hai Johan 16,33.

Ham bishwas se binti karen, "He Prabhu Tu mere chhipne ka sthan hai Tu sankat se meri raksha karega, Tu mujhe charon or se chhutkare ke git sunwaega," Psalm 32,7.

Prabhu ap hi sab samay aur har sthan men ap aur ap ke do sangi Padriyon ki raksha kare aur apne sarbsaktiman bhujaon ke ar men rakhe.

Main ap logon ke hal janne ke liye har samay lalshit rahta hun.

Yours sincerely,
Th. Surin
Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Copy to President, J.Lakra, Treasurer L.Jojowar, Revs.L.Kongari Itmon Guria and N.Tirkey with the copy of letter of Rev.C.R.Topno dated 8-9-44 with the request to pray for the peace in Koronjo Ila-ka.

IV. Martin Tiru tarikh 6-8-44 ko mere pas aya tha ki Babu kal tarikh 5-8-44 ko sabha ne kya kya phaisla kiya aur is ka jabab main ne kah diya. Tab us ne kaha achchha main abhi Simdega jata hun aur nalish karenge kah kar chala gaya Simdega taraph. Ab kis bat ko le kar nalish karta hai.

Age shubh,
Ap ka bishwast,

Sd/- Rev.C.R.Topno.

BEMINZ/7C.

1938/44/F-8.

6th September, 1944.

To

The Rev.M.Topno.
G.E.L.Church,Khutitoli.
P.O.Simdega. Dist. Ranchi.

Dear Rev.M.Topno,

Sunne men ata hai ki Patras Bage Kahupani ka, jo Mandli bahar hai aur jis ne Kahupani Mandli Panch ke upar Diwani Mukdama Simdega men dair kiya tha wah ap ke Ilake ke Bangru gaon men Padri Babu Suleman Bage ke ghar men Susana Bage Case ke shuru hi se rahta hai, aur yah ki ukt Padri Babu ne us ko apne ghar men ~~chhipaya~~ rakha hai.

Dusri bat ki Padri Suleman Bage ki Padriain bhi tin char baras se Bangru hi men rahti hai, Jharsuguda men wah karib ek hi baras thi. Kya yah bat sach hai ? Phir bhi ki Padri Babu ke ghar men koi mardana nahin hai.

Kripaya in sab baton ko janch kar turant mujhe report dijiyega.

Ap ka bishwast,

[signature]

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

BBMINZ/2C.

6th September, 1944.

1937/44/F-8.

To

The Rev.S.M.Bage.
G.E.L.Church,Jharsuguda.
P.O.Jharsgguda. Dt.Sambalpur.

Dear Rev.S.M.Bage,

Sunne men ata hai ki jab se Susana Bage Case chala hai tab se ap Patras Bage ko apne ghar Bangru men rakhe hain aur wah ab tak wahan hi rahta hai. Ptras Bage to abhi Kalisha ke Chhoti Saja men hai. Ap aise halat men kyon usko upne ghar men rakhe hain ?

Phir bhi sunne men yah bhi ata hai ki ap akela hi Jharsuguda men rahte hain aur ap ki Padriain Bangru men rahti hai. Mahasabha 1942 ke phaisla page 30 ke motabik ap ko akela rahna nahin banta hai. Church Council ke bina ijajat se. Kya Church Council ne ap ko anumati dii hai ? Agar dii hai to us ka nakal mujhe bhej dijiye.

Church Supervisor S.Kula ke Jharsuguda jane ke bad Manmasih Barla aur uske bhai Jaimasih Barla ke kam aur chal ke bare aur Mr.Bajray ke kam ke bare mujhe report dijiyega. Kya aur koi bhai yah bahin un ke taraph aur Mr.Bajray ke taraph jate hain athwa ab sab kuchh thik ho gaya hai, aur koi golmal nahin hai.

Ap ka bishwast,

Hony. Secretary,
G.E.L. Church.

BBMINZ/2C.

4th September 1944.

1890/44/F-8.

The undermentioned document is forwarded to Mr.P. Dungdung for information and guidance.

Th Surin
Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the C.C.Executive Commtt. held on the 29th August, 1944.

Item No. 30.

" Mr.P.Dungdung's request dated 16-8-44 to errect collapsed roof of his quarters at Koronjo :-

Reported that the Hony Secy. has already taken some preliminary measurers and till then no report has been received.

Report awaited.

Sd/- J.Lakra.
30-8-44.

Sd/- Th.Surin.
30-8-44.
Hony. Secretary.M

BBMINZ/2C.

~~Khuddoty~~ Koronjo
28-12-83

श्रीमान चर्च कौंसिल सेक्रेटरी चेयरमैन तथा (Pricident)
मेम्बरों को यीशुसहाय होवे।

महाशय लोग।

आप को जनाया जाता है कि इस समय Koronjo मण्डली के पादरी और प्रचारक के विषय शोचनीय बात है क्योंकि :—

(1) मण्डली के भाई बहन और पादरी प्रचारक के बीच में परस्पर प्रेम नहीं है। (2) पादरी प्रचारक लोग साल भर में भी कभी भाई बहनों के बीच घर२ नहीं घुमा करते हैं जैसा कि पहले के पादरी प्रचारक लोग घुमा करते थे। (3) मण्डली के भाई बहन लोग विशेष कर खड़िया भाई लोग गिरजा आने जाने में ढीला पड़ जाते हैं।

(4) घर २ बिन्ती प्रार्थना समाजिक चाल व्यवहार नहीं है।

(5) पादरी प्रचारक लोग घर में बैठे हुए अथवा कभी २ खेतों में घुमते कमाते करते हुए पाये जाते हैं; पर भाइयों के घर नहीं घुमते हैं।

(6) फलया हीन — एक रोज ऐसा होगा वो होने का डर है कि खड़िया भाई लोग संसार हो आवेंगे इस का भरी डर है।

ये दोनों पादरि प्रचारक के रहते मण्डली नहीं सुधरेगी ये मण्डली के लिये वो मण्डली के काम के लिये हमारे विचार में एकदम ढीले हैं या तो ढीले पड़ गये हैं।

हम लोग आशा करते हैं — शायद कौंसिल का भी ऐसा विचार नहीं है कि कोई आदमी धांगर को पेट भर खाने के लिए देवे और धांगर सेवकाई का काम ठीक से न करे या मालिक धांगर से खुश न रहे तो मालिक धांगर को छुट्टी दे सकता है।
बात ठीक है कि पाद्री और प्रचारक दोनों हमारे मण्डली में सेवकाई का काम ठीक से नहीं करते हैं इसलिये हम मण्डली के भाई बहन लोग यहां के पाद्री और प्रचारक को नहीं चाहते हैं आगे को ये हमारे मण्डली में काम न करे: —

इन को बदली कोई दूसरी जगह में चर्च कौंसिल कर देवे। इन के बदले में हमों के लिये हमारे मान्यवर पुराने पाद्री Rev. Suleman Bage Jharsuguda आ जावे। जो हमारे पुराने पाद्री थे। हम सब इन के कामों से खुश थे। मान्यवर Rev. Suleman पाद्री जी हमारे दोषों को माफ कीजिये जो हम आप के विरुद्ध यहां कोरोंजो में किये थे। और फिर यहां प्रभु के काम में मेरे पास Koronjo आ जाइयेगा।
हम आप के कामों का प्रशंसा करते हैं। सो प्रिय — चर्च कौंसिल इस मण्डली के भाई बहनों की भलाई के लिये Rev. S. Bage को कोरोंजो लाने की कृपा

कीजिये। Rev. S. Bage की बदली हमारे दरखास्त
~~से फिर कोरींजो आने की कृपा दिखावें~~ से Jharsuguda
बदली कर दिये गये थे। अब वे हमारे ही इस दरखास्त से फिर
Korinjo आने की कृपा दिखावें। वो II आगे को पादरी
प्रचारक के हाथ में जमीन का ठीका भी न रहे क्योंकि वे मण्डली
के काम में ढीला पड़ जाते हैं।

यही हमारी सविनय प्रार्थना है सो ग्रहण कीजियो।

आपके प्रेम शुभ कौंसिल के सेवक गण :— कोरींजो मण्डली

28-12-43

— सही आनन्दमसीह लकड़ा ब.ख.

— सही योहन बोदरा ब.स.

— सही प्रेमचन्द लकड़ा ब.स.

अंगूठा निशान

हनिसल लकड़ा

अकरिया बिलुंग

समुएल एरोम कोरेया

— E. Aind

31-12-43

To The Secretary
G. E. L. Mission,
Ranchi,

१७।१

महाशय —

हमे इलाका का खेत बाबत दरखास्त देख ताजुब लगा, कि इस प्रकार कालीशा के लोग क्यों दूसरों की आंखों में धूली डाल देते हैं।
उन्होंने अपने बिषय में जो लिखा है कि हम करीब १००) रूपैया तक आर आदि मराम्मतों में खर्च किये और फिर अधिक करने वाले हैं, पर हमों ने यहां रहकर कभी ऐसी बातों को नहीं देखा है। हां इस बर्ष कुछ जरूर खर्च किया गया है।
फिर उन्होंने लिखा है कि दूसरों को यदि खेत दिया जाय तो बिलकुल खेत आदि बिगड़ जायगा, पर हम नहीं — समझ सकते, कि दूसरा ठिकेदार कैसे और क्यों खेत - ~~बरबाद~~ बिगाड़ सकता है, कोई भी ठिकेदार खेत बरबाद करके हानि अपने ऊपर नहीं लाद सकता। अपना रूपैया अपने हाथों से क्यों वह नाश कर सकता है। हम ठीक से कह सकते हैं कि यह बात अपने लाभ के लिये करते और मराडली बिषयक बातों को ठेलते हैं, यही असल कारण हो सकता है।
इस कारण न्याय के मोताबिक जिसका डांक अधिक हो, उसको खेत मिलना चाहिये, अन्यथा यह न्याय नहीं समझा जा सकता, क्योंकि आप ने घरबन्धु में स्पष्ट छाप दिया था

आगे शुभ —

आप का विश्वस्त

Karanjo
The 11 Jan. 1944.

मोहन बिलुंग
B. Kulu
D. Bilung

Koronjo

Koronjo
24.12.43

Bid at 8pc

To

The Trustee Board members
Mr. D.M. panna prulia

Through
The Honorary Secretary Th. Durin Ranchi.

महाशय —

22/12/43 को Koronjo बाबत जो दरखास्त भेजा का Rs १०३/- एक सौ तीन रुपैया दिया गया था। उस को हम withdraw करते हैं सो उस दरखास्त को cancelled कर दीजिये। और हमारा अंक Rs १०३/- से ११३/- एक सौ तेरह रुपैया कर दीजिये। आप का सेवक।

Ec. Aind
Koronjo 24.12.43.

Korongjo

Korongjo

24.12.43.

To

The Trustee Board Mr. D.M. panna purulia.

Through

The Honorary Secretary Th. Surin G.E.L. Church Ranchi

महाशय।

सविनय प्रार्थना स्वीकार कीजिये।

Korongjo mission जमीन का बन्दोबस्त पांच साला हमारे लिये ठीक कीजिये।

(१) हम सालाने नगद मालगुजारी Rs ११३/- only Rupees One (एक सौ तेरह) Hundred Thirteen देने को राजी हैं। (साला ना देन)

अथवा

(२) सैकड़ा का अंक में ४०S चलीस आठ धान सालाना देने को राजी हैं।

आगे आप का कृपाभिलाषि

Ed. Aind

Korongjo P.O.

Ranchi Distt

सही योहन वाद्स्स व:स्व:

धानियल. लोकड़ा

Koronjo   Luth. Mission Compound

Koronjo. 22/12/43.

To

The Trustee Board's member

Mr. D.M. panna Pulia

Through

The H. Secretary Th. Surin

Church Council Ranchi

महाशय गण।

सविनय प्रार्थना स्वीकार कीजिये को हमारे लिए जमीन का बन्दोवस्त ५ पांच साला Koronjo के लिये कर दीजिये। बतौर ठीका के:—

(१) हम सलाने२ नगद मालगुजारी Rs 103/- One Hundred Three Rupees only दिया करेंगे

अथवा

(२) सैका में ४०९-मन चलीसका ठ धान देने को सलाने 2 राजी हैं।

आप के सेवक
Ee. Aind
Koronjo
22/12/43

[illegible]

पाहन बादरा
व.२व.

Koronjo

श्री युक्त महामान्यवर सेक्रेटेरी लूथेरन चर्च कौंसिल
रॉंची ।

महाशय —

आप के नोटिस अनुसार कोरोंजो के खेत की ठीका का मियाद १९४३ दिसम्बर में पूरा हो गया है, और जनवारी १९४४ के पहले हफ्ते में नया बन्दोवस्त करने चाहते हैं । इस लिये यह दरखस्त देकर उमेदवार हूँ कि वह जमीन मुझे सलाना ११०) रुपैया अंके एक सौ दस रुपैया नगद मालगुजारी पर पाँच साल के लिये बन्दोवस्त देने की कृपा करेंगे ।

आइन्दे हुजूर आप ही मालिक हैं ।

कोरोंजो
ता० २३-१२-४३

कातिब- Daud Bilung
23-12-43.

मोहन बिलुंग ना: ख:
कोरोंजो

~~[illegible]~~ Karrnji

To -

The Secretory,

G. E. L. church, Ranchi

मान्यवर

जी. ई. एल चर्च सेक्रेटरी को यीशुसहाय ॥

आगे लिखने को बात यही है कि आप के दिए हुए घरबन्धुके नोटिश ता: २-१२-१९४३ के आनुसार मालूम हुआ कि कोरोंजो मखियास का नया बन्दोबस्ती १९४४ जनवरी से होगा। नोटिश से मालूम हुआ कि नोटिश और आम के लिए है कि जो ज्यादा डांक बोलेगा उसी को जमीन या तो सकाना नगद मालगुजारी में, आधबटाई में, चाहे सैकड़ा में दिया जायगा।

यहां के मखियास को कोरोंजो इलाका ने आप की कृपा से नगद मालगुजारी में ५ बरस के लिए ठीका में लिया था (वह बरसों तक इलाका ने रैयातों के हाथ में साझे के बातौर कमाने को दिया था पर खेतों की हालत दिन का दिन बिगड़ते चली जा रही थी और पैदावार भी बेठेकाने का था तिस पर भी इलाका ने जो देन सी. सी. को था समय पर चुकती करते गया। १९४३ साल में इलाका ने रैयातों से खेत को वापस लेकर अपने आप ले लिया और बिगड़े हुए खेतों को मरम्मत करना सुरु किया करीब मरम्मत करने में इलाका को सौ रुपैया आंके १००) रुपैया तक खर्च करना पड़ा इस आश्वास से कि आगामी बन्दोबस्ती में फिर से इलाका को सी. सी. देगी। फिर भी कितने बिगड़े हुए खेतों का मरम्मत करना बाकी है यदि सी. सी. की मेहरबान से फिर भी इलाका को मिलेगी तो तो उनको फिर भी मरम्मत करेगी मरम्मत किये हुए खेतों को खुद वर्तमान के तहसील दार दानियल तोपनो देख गये हैं। पहले बन्दोबस्ती में इलाका को यह आश्वासन दी गई थी कि इलाका को फिर भी दी जायगी क्योंकि इलाका सी. सी. ठीका है और इस रीति से सी. सी. के जायदाद पर इलाका को भी हक है और हकदारी तौर पर उन जायदादों से कुछ अंश इलाका को

योग करने चाहती है, यदि खेत इलाका छोड़ गैर काम को दिये जाय तो जैसा पहले खेत की दशा थी वैसा फिर भी हो सकता है जिससे सी. सी. को और इलाका को बहुत हानि उठाना पड़ेगा।

इस लिए इलाका दीन हीनता के साथ यह आर्ज निवेदन करती है कि जैसा पहले सी. सी. ने इलाका को अपना बालक जान करके अपने जायदाद के सम्पत्ति का भोगीदार जान कर दिया था वैसा १९४४ साल जनवरी से कोरोंजो मिशियास खेत को जो दोन २३ एकड़ ७५ डिसमिल और टांड़ ३७ एकड़ ६८ डिसमिल है मालगुजारी में जो मोनासिब आप को ठहराने का है ५ वर्ष के लिए सलाना नगद मालगुजारी ठीका में इलाका को देने की कृपा करेंगे॥ आप को इस कृपा के लिए हार्दिक धन्यवाद करेंगे॥

आप का आज्ञाधीन सेवक

कोरोंजो इलाका प्रोपरटी कमीटी की ओर से

Pracharak.
Manmasih Kirkitta
Koronjo
23.12.43.

Boas Ganjhu Babagor
23.12.43

Rev L. Kongari
Ilaka Chairman
23/12/43

P. Dungdung
Ilaka Secretary
23-12-43

1587/44/F-8.

19th July, 1944.

To

The Rev.L.Kongari,
G.E.L.Church,Koronjo.
P.O.Koronjo, Dist. Ranchi.

Rev.L.Kongari,

Ap ko mera yishusahay.

Main ne ap ki chithi tarikh 11-7-44 ka paya. Ap ko dhanyabad.

Khet ke bare jaisa ap chahte hain waisa kariye. Main ne Tahshildar ko likha hai, wah abhi tak to ap ke pas gaya hoga, chahe turant pahunchega. Agar we log jin ko khet diya gaya hai nahin kheti karte hain to dusron ko dijiyega. Jin kheton ka bandobast nahin huwa hai un ko bhi ek sal ke liye kisi se bandobast kar dijiyega. Tanr ko bhi agar koi jotta hai to usko jotne dijiyega, unse his wah ek sal ke liye bandobast kar diya jay.

Main aphshos karta hun ki main ne bhul se apko jaldi xxxxx jabab nahin de saka.

Ap ka bishwast,

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Copy to Tahshildar D.Topno.

BBMINZ/3C.

19th July, 4.

1584/44/F-8.

To

Mr.P.Dungdung.
Koronjo M.E.School.
P.O.Koronjo, Dist. Ranchi.

Dear Mr.P.Dungdung.

Received your letters Nos 59 and 60 both of 14th July 1944. Thanks for the same.

The C.C. will take necessary steps against Pt.Elias Aind and Mrs. M.Minz in due course of time for the vacating of the houses.

No tin sheet should be sold or given to any body. Each and every sheet be collected together, counted and kept in safe custody. On this point I have already issued letters to Tahshildar, the Rev.L.Kongari and to you my letter No. 1486/44/F-8 dated the 12-7-1944. You being the custodian of the tin sheets. Keep them safely.

Please repair the entire house you are living in but if this cannot be possible then walls should be saved by tiles or by these tin sheets, during this rain.

Thanking you in anticipation.

Yours sincerely,

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Copy to the Rev.L.Kongari Koronjo and the Tahshildar D.Topno.
BBMINZ/4C.

To R/D 17/7/44.

F8.

Camp
Koronjo
7th July.

The C.C. Secretary
G.E.L. Church. Ranchi

Mahamanyawar Mahashay,

Ap logon ko malum ho ki mayne ap logon ka veja hua Rs 50/ paya. Aur is hare meharbani ke liye may hardik dhanyabad deta hun. Ab may harzat ke bad se turant hi Johan tak hau pare Jaldi hilhanwane ka koshis karunga. Mayne kohupani ka mandli report 27th June ko vej diya hai

In do dinon mandli nishayak Roi bishes hat nahi hui hai

Ham sabhi achhe hain Ap logon ka bhi Kushal prabhu hi or se hota rahe.

Yours
Obedient
Rev. I. Guria

BUY SAVINGS CERT
CASH DELIVERY
10 JUL 44
3 PM
RANCHI

POST CARD

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

RANCHI

To
The secretary
G. E. L. Church
Ranchi

F-8

Koronjo
9/6/44

श्रीमान मा: सेक्रेटरी थ. जीरत.
दर खास मार्फत
मा. डर हैड. ए.
श्री कृ सहाय

आप को मालूम जाता है कि-
मैं ने 27/5/44 को आप के
पास एक चिट्ठी भेजा है।
उस में मेरा काम कोरांजों में
ठीक मिल जाने और था नहीं
उस ने के बार लिखा गया
सो जानिये
सत्य ही हाथ में है
छः मास का तलब-पानी-है
पगार-नहीं मिला है
सो जानाती है।

मेरे रहने का धार का मुकाम कीजिये नहीं तो
निर्र जावा
[illegible]

Fr. Aind
Koronjo
G. E. L. Church
Compound

POST CARD

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE 9 PS

RANCHI

To
The H. Secretary
Theodore Surin
G. E. L. Church
Siromtoly
Ranchi

Koronjo F.8
27. 4. 44

श्रीमान चर्च कौंसिल सेक्रेटरी वा मेम्बरों को यीशु सहाय।

महाशय।

मैं ने आप की चिट्ठी 6/4/44 को पाया।

अफसोस के साथ लिखना पड़ता है कि जवाबदेही काम वाले ही के Deputy Inspector of Gumla 7.7.43 का जवाब H. Supervisor को लिखते हैं कि E. Aind को Koronjo में काम दे देना। परन्तु पादरी जिस को कौंसिल मां बाप बनाके भेजा है क्या किसी की नौकरी में छुट्टी लगा दें? पहले भी तो यहां Rev. Obed Tirus और Rev Suleman Bage थे वे ऐसा नहीं करते थे।

2- यदि सर्व व्यापी ईश्वर के सामने मेरा न्याय ठीक कर किया जायगा। तो क्यों कर मैं अपने दोषों को नहीं मान लूंगा? यदि हममें कोई दोष हो जाती।

3 Qualified Teacher होने के कारण 1925 से मैं Koronjo M.E. School को Government Grant कराने में मैं ने सहायता की है तो क्यों इस समय Council मुझे Koronjo में काम नहीं दिला सकती है क्योंकि M.E. School का मालिक Council है।

4, १९२३ ही से मिशन का हालत खराब होने के कारण पूरा तलब नहीं पाने पर भी Aquittance Roll में पूरा तलब पाने का Council सही कराया। Mission केगरीबी के कारण बाद हालत सुधरने पर देने का वादा किया था तौभि अभी तक नहीं लौटाया है। इसी लिये घटी सह कर काम किया है कि कोई रोज हम या हमारे लड़के वाले मिशन में काम करें तो मैं क्योंकर Koronjo में काम का दावी नहीं करूंगा।

5, १९४४ में भी लड़ाई महंगी का अरजी करने पर कितने मास्टरों को Rs 10/- दरा काले alawance मिला और हम को नहीं मिला यह क्यों अन्याय नहीं है!

6, 7.7.43 के मेरा दरखास्त का With Service chithi [उस में मैं July से December 43 छः मास का तलब और Koronjo में काम का दाबी किया था। Council की Chithi 12-7-43 के मोताबिक कुछ भी विचार नहीं हुआ।

7, Without warning July 43 में दूसरा मास्टर भेज करके बरसात के दिनों में मैं तथा

मेरे परिवारों को कई दिन भूखा रखने का अन्याय किया गया। Council विचार करे क्योंकि मैं भी घर सहर कर मिशन का नौकरी कई मास या बरसों से किया है। अभी तो इस समय Council वाली है इस December तक का तलब देवे।

8/ मैं तो Roll संख्या की घटने के कारण Hd Supervisor N. Sory की राय से Without pay छुट्टी में था। तो क्योंकर अभी हम को Koronjo में काम नहीं मिलेगा। जो कोई रोज मिशन में काम नहीं किये हैं उन को तो अन्याय करके काम दिया जाता है।

9/ हम को तो अपने Service के हेतु Koronjo में ठहर जाना ही है। तो क्योंकर मैं घर छोड़ दूँ? घर छोड़ने में मैं असमर्थ हूँ।

10/ अतः हम को July – December छः मास का तलब और Koronjo में काम दिया जाय। यही हमारी दीन हीन विनती है सो ग्रहण कीजिये।

आपका कृपाभिलाषी

E. Aind Korongo
Lutheran Mission Compound

Korenjo. F.8

17.3.44

श्रीमान् सेक्रेटरी थ. सुविन को यीशुसहाय!

हम सब कोई ईश्वर की अनुग्रह से भले चंगे हैं और आशा करते हैं कि आप सब भी भले चंगे होंगे।

हमने जो 7.7.43 को कौंसिल में आवदरखास्त पेश किया था। उस का विचार नहीं हुआ है। हम आशा करते हैं शायद इस समय यह विचार किया जावेगा जिसमें मैं मेरे काम को रांजो में पाने का और जुला. से दिसम्बर 43 तक छ छ: महिने का तलब दावी किया था। क्योंकि ~~सु~~ supervisor ने बेवजूही तौर पर हम को काम से छोड़ा के दूसरे आदमी को बहाल किया। उस को भी December में निकाल दिया-

सेक्रेटरी-बाबु के एक कार्ड से हमें मालूम हुआ कि हमारे बातों का विचार किया जावेगा पर अभी ~~तक~~ विचार नहीं हुआ

देखिये हम तो रैपुरा कम्पनी का कामकरता था Korenjo में काम पादरी बाबु किया और पीछे निकाल किया। मेरे Company का नौकरी भी खाया और Korenjo का को भी खाया और उपदेश देता है कि

धर्म का काम करे और आप विश्वास घाती का काम करते हैं। तो उनके धर्म का क्या ठेकाना है। इन्हें मालूम हुआ क्योंकि Ad supervisor Deputy Inspector Gumla को बेमतलब Remarks बनाते हैं कि unfavourable reports पादरी से पाने के कारण ही Elias Aind को जगह other men को appointment करके Konjo खाली जगह में - यह सब तो अन्याय है।

असल में बात तो ऐसी है — सबन-बाबू Headmaster का साहुब - सब से इन लोगों के जमीन बाबततक था। जो जमीन को वे लेने मांगते थे उसको मैं ले लिया - उन के लेने के अगल हो इसलिये वे अब हमसे बैर करके मांगते हैं कि या हमारे वारिसन कोरोंजो में रहे नहीं जिससे Mansukh के वारिसन को जमीन मिल जावे।

ऐसे बदमाशों के चुगली का पक्ष लेने वाले का पादरी Rev. Luther Kongari Chairman के लायक नहीं है क्योंकि यह अन्यायी है।

हाल में Mansukh प्रचारक सब मूर्ति पूजा में पकड़े गये तो Luther पाद्री उन को क्यों मण्डली बाहर नहीं किया - देखिये कितना अन्याय नहीं किया जाता है

Luther बाबु - क्या - कोरांजो - में - फूट - देने के लिये कोंसिल - उस को रखा है कि प्रभु - के भेड़ों की रखवाली के लिये Council उस को बहाल किया है।

पाद्री - बाबु - एक - को - प्यार - करता है एक को नहीं ! और आप ही उपदेश - देता है जो प्यार या प्रेम नहीं करता है वह तो पाप करता है अविंनाश - में हो। तो जरूर - पाद्री - अंधियार में है प्रेम नहीं करता है पाप करता है।

इस लिये पाद्री के लायक नहीं है

यह तो किसी के नौकरी खाने को तैयार है खायार

December 43 के कोरांजो मण्डली के दरखास्त में Koranjo के पाद्री प्रचारक को आदमी - लोग नामंजूर किया - सो ठीक हुआ Cate प्रचारक - बदली - हुआ March महीना - से अब - पाद्री का बदली पर बाकी रह गया है। पाद्री - बदली - होने से सलसंत

होगा- प्रचारक-बदली हुआ- आदमी खुश
है। और - पहले से ज्यादा - बंगला-जाते हैं
पादरी-को- नहीं- चाहते हैं भाई- लोग देखिये
एक-लड़की-राधन-तरह-सीखती- थी। भाई लोग
हम-को-बताओ। fathers के बंगला-एक-खड़िया
लड़की- सीखने-जाती-थी
अभी - तीन-चार - महीना - में भी पादरी इसका
विचार नहीं किया। क्यों?
Koronjo के भाई पादरी से राजी नहीं है।
Rev Suleman Bage को मांगते हैं
हम- आशा करते हैं नया-पादरी का
Council भेजेगी- Koronjo - में
आगे- प्रेम सुन

Fr. Oind

17-3-44

पादरी- भाइयों से एक सम्बन्ध
नहीं रखता है- तो और
पादरी-को चाहता- वह- तो
चार को आदर करता है
इसलिये भाई लोग नहीं
चाहते हैं पादरी-को
F.O.

12th July, 1944.

1486/44/F-8.

To

Mr.P.Dungdung.
Headmaster,Lutheran M.E.School.
Koronjo P.O., Dist. Ranchi.

Dear Mr.P.Dungdung,

Received your letter of the 28th June, 1944. Thanks for the same. Please repair the entire house. At any cost the portion of the house i.e. east of the Post office also be repaired. It should not be left unrepaired otherwise it will fall down.

If there is no tile, then with chadra it should be saved from rain.

Tahshildar is going to you. Please help him in collecting all chadras. Not a single one be left in the hand of any person. They must be collected, ~~xxxxx~~ counted and kept in one safe palce under your custody. I have directed the Tahshildar to do so with your and Pastor's help, and he will go to Koronjo again.

Yours sincerely,

[signature]

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Copy to Tahshildar and the Rev.L.Kongari for information, guidance and necessary actions.

[signature]

Hony. Secretary.

1460/44/F-8. 7th July, 1944.

To

The Rev.I.Guria.
G.E.L.Church,Kahupani.
P.O.Simdega. Dist. Ranchi.

Dear Rev.I.Guria,

Ap ki chithi mili. Main ne ap ke darkhast ko pate hi President ki salah se Rs. 50/- bhej dene ko Treasurer ko arji kiya. Treasurer se puchhne par malum huwa ki usne turant Rs. 50/- ap ko bheja hai ghar banane ke liye, magar rupaiya bheja gaya hai C/O Rev.L.Kongari ke address par. Apne sayad rupaiya paya hoga aur agar apne rupaiya nahin paya hai to Rev.L.Kongari se janch kariye.

Susana Bage dal ko Bachandat, shadi, Prabhubhoj aur Drirhikaran dena ko C.C. ne band kiya hai, snan ko nahin roka hai, so snan ap de sakte hain. Ap tinon Padriyon ko pura adhikar hai ki ap log kya karenge. Sab bat, bichar aur kam ap tinon Padriyon ka ek hona chahiye.

Dharm mata pita agar Church ke niyamon ke khilap hain aur dharm beta yah beti un hi ke sath rahta hai to usko bachandat, shadi, Prabhubhoj yah Drirhikaran dena nahin banta hai.

Boas Bage master ko S.P.G.Mission jane se mana kariye aur samjhaiye. Wah S.P.G.Mission men grahan nahin ho sakta hai.

Martin Tiru ko bhi samjhaiye, chahe wah mane chahe na mane. Samjhana hamon aur ap ka kartabya hai, usne D.C. ko jo likha hai usse koi dar nahin hai, wah kuchh phal nahin pawega.

Yours sincerely,
Th. Surin
Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Copy to Revs. L.Kongari,Koronjo, and the Rev.C.R.Topno.

Note :- (1) Main ne Rev.L.Kongari ki chithi ko paya hai aur uska jabab bhi isi men hai.

(2) Main ne bahut din se Rev.C.R.Topno se koi khabar nahin paya hai arji hai ki wah bhi mujhe har wakt report dewe.

Th. Surin
Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

BEMINZ/4C.

21st June, 1944.

1308/44/F-S.

To

Babu Elias Aind,
G.E.L.Church,Koronjo.
P.O.Koronjo, Dist. Ranchi.

Babu Elias Aind,

Ap ke P.C. tarikh 9-6-1944 ke uttar men main yahi likhta hun ki bina kam ke talap jahan milta hai wahan jaiye.

Ghar chorne ke babat men yah uttar deta hun ki ghar Church ke naukaron ke liye hai. Ap ko ghar chhorna hi hoga kyonki ap Church ke naukar nahin hain. Agar ap ~~xxxxxx~~ nahin chhorte hain aur ghar girjayga to ap uska jabab dehi honge

Ap ka bishwast,

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Copy to :-

1. Rev.L.Kongari,Chairman,Koronjo.
2. The Headmaster,Koronjo M.E.School.

BEMINZ/4C.

20th June, 1944.

1291-93/44/F-8.

To

The Revs.L.Kongari,C.R.Topno and I.Guria.

Dear Rev.L.Kongari,Rev.C.R.Topno aur Rev.I.Guria,
Main ne ap se ap ke Ilake ke bare bahut din se koi khabar nahin paya hai. Ap ke Ilake men Susana case ke Compromise hone ke bad kya kya hua hai athwa ho raha hai so main bahut hi janne chahta hun (1)Kya Susana aur Patras pashchatap karte hain aur papkshama lene ko taiyar hain ?

(2) Kya Martin Tiru abhi Susana aur Patras ko sachcha pashchatap karne ~~aur~~ aur papkshama lene ke liye samjhata hai ?

(3) Kya Martin Tiru ne ab Kalisha ke adhin hoke Kalisha ke sab niyamon ko manne aur manane ko shuru kiya hai ?

(4) Kya Martin Tiru ke larke aur larki ki shadi hui athwa abhi tak shadi mahin hui hai ? Agar shadi nahin mila to us ka asar Kalisha men kya huwa hai ?

(5) In baton ko chhor kar bhi agar koi anya bat ho to uska bhi mujhe janti dijiye.

Ap ka bishwast,

T. Guria

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

BEMINZ/4C.

Thd. F 8

No. 41 Repairs Koranjo
April 24, 1944.

The Hon-Secretary, C.C. Ranchi.

Dear Sir,

With reference to your letter no. 847/44/F-8 dated 18-4-44, I beg to send an estimate of the repairs of the Head-master's quarter. The cost of every thing has gone up even the rates of coolies rezas and mistries, so I am sending the estimate according to the present rates.

In order to begin the work at once please send me an advance of at least Rs 100/-.

Pl. Elias Aind and Mrs G. Minz have not yet vacated the houses. They have been requested but they do not want to vacate the buildings.

Yours most obediently
P. Dungdung
Headmaster.

No. 42

Fresh Estimate for the repairs of the Head-master' quaters. Koronjo. 1944.

1.	Tiles --	90-0-0
2.	Coolies for bringing Earth for tiles	15-0-0
3.	Coolies with potter --	15-0-0
4	Fuel for burning tiles --	20-0-0
5.	Straw "	10-0-0
6.	Removing tin sheets --	10-0-0
7.	Removing rafters etc --	6-0-0
8.	Nails 8 seers @ 7/- --	56-0-0
9.	Coolies for re-setting up beam rafter & retiling the roof	120-0-0
10.	Bricks --	34-0-0
11.	Coolies for bringing bricks --	10-0-0
12.	Mistries with coolies & rezas --	60-0-0
13.	Windows & doors --	30-0-0
14.	Lime with Coolies -	47-0-0
15.	Cement "	10-0-0
16	Battas --	40-0-0
17.	Beams & rafters (coolies)	20-0-0
		593-0-0

Rupees five hundred ninety-three

L. Kongari
Elaka Chairman
24/4/44

P. Drengdeng
Headmaster
24.4.44.

F. 8

From - Rev. L. Kongari, Korongo

To

The Hony. Secretary.
G. E. L. Church, Ranchi

Dated Korongo the 11th March 19..

Manyawar

G. E. L. church Hony Secretary ko yisusahay

I howe. Main Korongo Ilaka ke deligatongka nam ap ke par bhej raha hun.

II Korongo M.E. School ke ghar ke chhat ke tin chadra ke bare kya bichar hora hai. Yadi ek jagah rakhne ki bat ka order a jay to ek jagah rakha jata, abhi kaiek chadra idhar udhar hoke dikh parte hai.

M.

III Hata ke do kain ghar jin men kitne phaltu log rahte hain, we Ilaka se ghar khali ka order pane par bhi ghar khale nahin karte hain. Abhi kitne karamchariyon ke liye rahne ko ghar nahin hai. We ye jan hain jo abhi gharong men rahte hain arthat Urit Gossner ki Patni, II Elias aur Pandit Bhara bhi nahin dete hain aur ghar ke maramat hai gir jane ka dar hai. Ye ghar men rahte bhi nahi par compound ke kitne jamin ko jismen chas kar rahe hain, yadi bhara lekar rahne ka ijajat bhi diya jay to in khetong ko chhorna bhi nahin mangte hain. So iske bare bhi kai koi order ane se achha hota, nahin to koi roj un khetong ko apne apne dakhal men kar lenge, jaise ki ek ber ~~ho~~ ho chuka hai

ap ka Jiswan
L. Kongari
11/3/..

F. 8

C. C.

From — Rev. L. Kongari, Koronjo

To

The Hony Secretary,

G. E. L. Church, Ranchi

Dated Koronjo the 17th Few 1944.

Manyawar,

G. E. L. Church ke ~~Hony~~ Secretary ko yisu sahay howe.

Age main kai ek batong ke bare niche likh kar report de raha hun.

I Ap ki chitthi Memo No. 2880-2941/43/F-48 Dated 10-12-43 ka uttar niche likh deta hun.

(1) Desh ki mahangi halat ke karan mahanwari prati jan par Padriyon ko kam se kam Rs 60/- aur karamchari Pracharakong ko Rs 20/- tak kharach hone se kuchh bahut dasha sudhar sakti hai.

(2) Dharam khojakong ke baptisma se 41 aur

(3) Christan Balkong ke baptisma se 637; 1943 sal men baRhti huwi hai.

(4) Dirhikrit sankhya 7822 (5) Baptisma paye huong ki sankhya 16178 aur

(6) Dharam khojak naye aur purane mila kar 173 hain.

Note. Mardum sumari 1943 ka dehat ~~se~~ ane se report deri se bheja ja raha hai. Report samuche Koronjo Ilaka bhar ka hai.

II Rev. N. Tirky Kalimpani ka charge Candidate Babu J. Guria ko de kar 14-2-44 ko rawana huwe.

III Ap ki chitthi No. 37 J44/F-8 Dated 7-1-44 ke anusar Rajabera ke Pracharak Manidh Surin par Ilaka karrwai nahin kar sakti hai kyonki Kalimpani case Ilaka se C.C. ke hanth chala gaya hai aur Kalimpani case ke babat C.C. ke against men wah gawahi dene ka notice paya tha is se khud C.C. ke birudh hone ke aisa dekhai deta hai. isi liye C.C. ko report diya gaya. Isliye C.C. yadi chhor de raha hai to Ilaka kuchh nahin kar sakta hai, aur ~~yadi~~ case ke aisa hota to nischai Ilaka uska upar niyamanusar karrwai karta,

Par tanbhi is sal 1944 ke Koronjo Ilaka ke Pracharakong ki badli anusar Rajabera ke Pracharak Manidh Surin ki ~~badli~~ Kamabhejina mandli men hogai hai jo ki Kombri Parish men hai. 1st March 1944 se harek Pracharak apne apne nayen badli jagah men kam suru karenge.

IIII Bargartoli ke Jakaria Kharia Koronjo mauja ke Bakas khet ka khata No 24 ka Palt No 1855 ko jo 67 De. hai jabrai kheti karte aya. Sajha banta denga lekin nahin diya. So Ilaka Property Committee bichar kar ke Simdega kachhari dwara 3 baras ka adhbatai nalish karke lene ka bichar kiya tha aur is riti se tin baras ka adhbatai ka amdani Rs 80/- dali tha, par dekha gaya ki khet par uska hak ajata janbhi ki adhbatai ham logon ko digri milta, ap ke kahne se ki nalish ka khet rahe aur kachhari men jo kharcha huwa hai C.C. se milegi, Rs 80/- ki adhbatai amdani ki hani sah kar kachhari se ham case utha de rahe hain,

Is liye arji hai ki is case ko chalane men jo Rs 25/- sab mila kar kharach ho chuke hain C.C. se manjuri hoker rupaiya bhej kar bhar dene ki kripa kare aur C.C. apne ap nij us khet ko apne dakhal men kar lene ka praband kare..

V Hanth men abhi paisa nahin hai isliye Parti garhe ko chhopwane suru nahin kiya hain.

VI Kalimpani Case ke bare: —— Few. 15-44 ko tarikh tha par hakim nahin tha isse ab phir se 4th April ko tarikh hogaya hai. Bipaksh (Bage) Parte ghor julum kar raha hai ki raji nama hojay. aur unke raji nama sarat nakal ko main sath men bhej de raha hun. Unke raji nama sarat nakal men ek bat na manjur jan parte hai ki....

" [illegible] . . . . [illegible]" . . .

Sr. aorni ke bich ko dekhne se Manyawar President Rev. J. Stosch aur C.C. case ko phaisla karne men arthi rup men nahin kiye hain aisa unka kahna hai, par sach puchhiye to President sahab ne iqrar lene ke liye tin bar bulaya, par jabrai se larki ko ane nahin diye so "gairhazir the" yeh bahana ki bat hai. Kewal President sahab aur C.C. ko bhul bicharkarta thahrane ke matlab se in baton ko likh se hain. Itni lambi chauri bat likhne ke badle men yadi larka aur larki ke pas puchhana lete sab baton ka saf hoga. jaise ke nakal ke niche Paksh (Samad) Parti ka kahna hai.

Bistarpurbak Lohardaga Mahasabha men phir batchit hogi.

Ap ke biswasi
L. Kongari

[illegible] Bage Partiwalong ka.

True Copied

[illegible]
Rev. J. Stosch [illegible]
[illegible]

[illegible]

F. 8

Tangarkela
P.O. Jariagarh
Ranchi
18-2-44

To
The Secretary G E L Church Ranchi

महामान्यवर सेक्रेटरी साहब को यीशु सहाय,
आप को मालूम होवे कि मैं सपरिवार सहित आराम
इस [illegible] बहुत [illegible] हूँ और आप के [illegible]
[illegible] के [illegible] तैयार हूँ।
[illegible] CC का [illegible] कि [illegible]
Charge [illegible], मैं [illegible] कि [illegible] 25-1-44 [illegible]
Rev S. Horo को CC का [illegible]
[illegible] है [illegible] है

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] Rev S Horo [illegible]

[illegible]

[illegible] Church [illegible]

[illegible]

[illegible] N Tirkey

POST CARD

V

ADDRESS ONLY

9 PS 9 PS

INDIA POSTAGE

To

The Secretary

G E L Church

Ranchi

P.O Ranchi

F-8

Kahupani
Dated 10-2-44

To
The Secretary G E L Church Ranchi

[illegible] G E L Church [illegible]
[illegible],

[illegible] 7-2-44 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] february [illegible]
[illegible] ।

Rev S. Hono आपका [illegible]
कुछ खबर नहीं लिखा है,
मैं नहीं जानता हूं कि [illegible]
बात है, मैं तो दो बार [illegible]
[illegible] कुछ जवाब
नहीं आया [illegible]
लिखिये यदि वे जाते हैं
तो [illegible]
कोई [illegible] नहीं होगा [illegible]
28-2-44 तक मैं [illegible],
आपका विश्वासी
J Tilley

POST CARD

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

9 Ps

To
Secretary
G E L Church
Ranchi

No. 15 F. 8

From
The Headmaster
M.E. school, Koronjo

To The secretary, C.C. Ranchi.

Dated Koronjo, the 4th February, 1944.

Dear sir,

I beg to state that the building in which I reside is in urgent need of repair. The estimate for the repair of the same has already been sent to you last year. You have personally seen that it is in need of repair.

I, therefore, request you that money be sent soon for its repair, so that the work may begin at once. More over two more buildings are in need of repair, so that the teachers may get quarters according to their rank as you told me. So money for the repair of those buildings also may be sent.

Yours most obediently,
P. Dungdung
Headmaster.

F. 8

To Kahupani

Dated -18-1-44

The Secretary G.E.L Church Ranchi.

मान्यवर G.E.L Church के सेक्रेटरी को यीशुसहाय,
आप की 13-1-44 की चिट्ठी मिली और सब हाल मालूम किया
1 हम दोनों (S Horo + N. Tirkey) इन पैसे रुपये को आपका पूरा हाल
जल्दी देने नहीं सकता हूं, तौभी हम कोशिश [illegible] के
[illegible] नहीं करता है, आपका अनुमति से मेरा घर इन्हीं है।
2 आप को मालूम होवे कि मेरा घर अनुमति से इन्हें [illegible]
किताब खर्च होगा नहीं कह सकता हूं, किन्तु [illegible]
हालत आप को [illegible] मालूम होगा। इसलिये मांगो [illegible]
कि यदि हो सके तो मुझे रु 85/ देने की कृपा करेंगे।
पीछे खर्च का हिसाब तो मुझ को देना पड़ेगा।

[illegible]

[illegible]

N Tirkey

POST CARD

INDIA POSTAGE

ADDRESS ONLY

3 P.M.

RANCHI

19 JAN. 44

To

The Secretory

G. E. L Church Ranchi

P. O Ranchi

Ranchi

F. 8/ Luth. Compound
Karanjo
Date 14/12/43

श्री Mr Secretary साहब
मशन कौंसिल के मेम्बरों का
जोहार महाराज
महाराज

आप को मालूम होता है कि मैं ने आप को मेरे नाम का दरखास्त M.E. school में फिर लेने का और June या July से December 43 तक के तलब का दावी है 7-7-43 का जवाब मैं ने पाया 12-7-43 को जिसमें काम न with service तलब का जवाब आपने का आशा पे रो हूँ

7-7-43 [illegible]

[illegible] 27-8-43 [illegible]

1-9-43 [illegible]

[illegible] Remainder

[illegible]

[illegible] ~~An~~ reply

[illegible]

[illegible]

[illegible]

E. Aind Koronjo

POST CARD

9 PS   9 PS

INDIA POSTAGE

ADDRESS ONLY

To
Th. Surin
Church Council
Secretary
Luthran church
Biromtoly
(Ranchi)

F.8

Koronjo
D. 1st Oct. 1943.

श्रीमान सेक्रेटरी-बी-चर्च-कौन्सिल-मेम्बरों को
येशुसहाय।

महाशय।

तारीख 7.7.43 का मेरा दरखास्त Koronjo M.E. स्कूल में काम के बारे वो with Service तलब पाने के बाबत हम ने आप को दिया है। जिस का जबाब आप ने 12.7.43 को दिया कि उस का बिचार किया जावेगा।
20 July 1943 का आप की चिट्ठी यो मैं ने पाया जिस में आपका N. 1688-89/43/F.24 17-20 July 19[?]0 Item N. 3 को भी मैं ने पाया जिस में आप Head Supervisor के पास मेरे Representation को forwaded किये हैं। सो कृपा कर इस का विचार होना ही चाहिये। और हम को जल्द ही जुलै, अगस्त महीने आदि का तलब मिलना ही जरूरी है।
यही हमारी अर्जी है सो ग्रहण कीजिये।

आप का कृपाभिलाषी
Elias Aind
Koronjo

N.B.
Copy I, II
सभी ~~आप~~ को
मेरे ~~सै~~ अर्जी
का विचार जल्दी
न हो अन्यथा अन्याय
सूचित होगा।
E. Aind

Copy I

To Babu Elias Aind
From Head Supervisor Luth. Schools Ranchi.

Babu Elias Aind ko janaya jata hai ki Koronjo School Roll sankhya ki ghati ke karan Koronjo M.E. School staff ko ghatana parta hai, so ap Roll Sankhya ki ghati ke karan is samay school men nahin ~~rakhe ja~~ liye ja Sakten hai.

N. Soy
Hd Supervisor Luth. Schools Ranchi

Copy II

To Babu Elias Aind
From Hd Supervisor Luth Schools Ranchi.

N. 722 Ranchi
31-5-1937

Dear Sir

I beg to acknowledge receipt of your letter no. nil dated 29-5-1937 Re:- कोरोंजो M.E.S. में की खाली जगह के बारे और आप को लिखा जाता है कि खाली अभी तक नहीं है खाली होने से आप के दरखास्त का विचार किया जायगा - पर काम में फिकर लगाने पर भी तलब पहिले के समान नहीं दिया जायगा। जितना का काम खाली होगा उतना ही तलब दिया जायगा।

N. Soy
Head Supervisor
Lutheran Schools Ranchi.

No. 955-57/uu/F-8.

3rd May, 1944.

To

The Rev. Luther Kongari, Koronjo.
The Rev. Christ Royan Topno, Lomboi.
The Rev. Itmon Guria, Kahupani.

Ap logon ko mera yishusahay.

Main ne Susana Bage case men jo compromise petition pesh huwa hai aur jo S.D. O. Munsiff ne order us par diya hai dekha. Mujhe malum parta hai ki Kalisha ke taraph ki bat ko chhor diya hai. Martin Tiru yahan aya huwa hai aur wah mujh se aur President se chithi mangta hai ki us ko apni larki aur larke ka shadi mile. Hamon ne us ko hukum diya hai ki wah aur us ka party Susana Bage aur Patras ko pap kshama lene se na roke aur jab tak Susana Bage aur Patras Bage pap swikar nahin karte hain shadi dena nahin banta hai. Ap log is bat men sthir rahiye aur turant Susana pap kshama legi. Susana ke pap kshama lene par bhi bat tay hota hai, nahin to phir golmal hoga, so ap log is bat men jor de kar sthir rahiye.

Ap logon ka bishwasht,

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

BEMINZ/4C.

847/44/F-8. 18th April, 1944.

To

The Headmaster,
M.E.School, Koronjo.
P.O.Koronjo. Dist. Ranchi.

Dear Sir,

Your application regarding the r epairs of the Koronjo Headmaster's quarters in misplaced some where; please send me a copy of the same by return of post.

Please also inform the Rev.L.Kongari to send me the copy of application for the Church. Both were under one cover and they are untressable.

Meanwhile, please begin collecting materials for the repairs at once. I am sure you will be given help for repairs by the C.C. I shall, on receipt of estimates from you both call at once the C.C. Executive and place them for orders, and as I have seen the buildings personally I shall recommend their repairs strongly.

Let me know what is about Pt. Elias Aind, I have written a letter to vacate the house. He has given me no reply till now. Has he vacated the house ? If he has not vacated, please request him to vacate at an early date.

Mrs. Gossner Minz had on the day of my departure from Koronjo promised to vacate the house by April. Has she vacated ? If not vacated, then please request her to vacate. She has got house and lands at Takarma. She can remove her family to Takarma.

Yours sincerely,

Th. Surin

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Copy to the Rev.L.Kongari, Koronjo.

BBMINZ/3C.

744/44/F-8. 13th April, 1944.

To

The Rev.L.Kongari,
G.E.L.Church,Koronjo.
P.O.Koronjo. Dist. Ranchi.

Dear Pastor L. Kongari,

Ap ko mera yishusahay.

Main ne suna ki Kahupani case men compromise ho gaya hai. Main ne compromise petition aur court ka last order ko bajabta lene ke liye Babu Daud Dungdung ko paisa bhi diya hai.

Main ne Mr. Ch. Vengra Wakil ko aplogon ka rupaiya wapas dene ke liye bhi ek P.C. likha hai aur jab wah Easter ke dinon men Ranchi aya tha tab bhi main ne unko yah bat bol diya hai, so ap log kripaya apna rupaiya un se wapas le lijiyega (Rs.13/-).

Ap log tinon Padrigan yane,ap, Rev.C.R.Topono aur Rev.Itmon Guriya mil karke sab kam kariye. Martin Tiru, Anandmasih Bage Koendega adi leaderon ke yahan jo shadi hai, so band rahe jab tak ki Susana Bage aur Patras Bage apne apne papon ko man nahin lete hain aur jab tak unko Bedi se papkshama nahin milta hai. Is bat men ap log sthir rahiye aur tab golmal turant ant hoga. Kisi bhi surat se leaderon ke pariwaron ke shadi aur bachandat adi ko na kariye jab tak Susana aur Patras papkshama nahin lete hain.

Ap ka bishwast,

T. Surin

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Copy to the Rev. C.R.Topno and the Rev.I.Guria.

686/44/F-8. 6th April, 1944.

To

Babu Elias Aind,
G.E.L.Church, Koronjo.
P.O.Koronjo, Dist. Ranchi.

Babu Elias Aind,

Ap ko mera yishusahay.

Main ne ap ki chithi tarikh 17-3-1944 ka paya. Is ke uttar men main ap ko yahi kahta hun ki harek admi apne kam ka jabab dehi hai. Padri Babu apne kam ka jabab dehi ap hi Ishwar ke samne hai. Ap se meri arji hai ki ap bhi apne ko dekhiye ki kya ap men bhi koi dosh hai kyonki ap ko bhi us Sarbgyani Ishwar ke ~~xxxx~~ samne apne kam ka jabab dena hai.

Ap ~~xx~~ men sayad koi dosh hai jis ke karan se ap ko kam men nahin lagate hain. Main ap se kahta hun ki sayad Koronjo men ap ko kam nahin milega.

Main ne ap ko ghar chhorne ko kaha, kya ap ne us ko chhora hai ? Agar nahin to ap kab chhorte hain ? Kripa kar ke dusron par dosh lagane ke pahile ap bhi apne doshon ko dekhiye.

Ap ka bishwast,

[signature]

Hony. Secretary.
G. E. L. Church.

Copy to the Rev.L.Kongari, Koronjo.

BBMINZ/3C.

8

From - Rev. L. Kingan:

To

The Hony Secretary
G. E. L. Church, Ranchi

Dated Korongo the 24th Nov. 1943.

Manyawar.

G. E. L. Church Secretary ko yisu sahay. Age ap ko yahi janti dete hain ki Korongo M. E. School ka sarkari grant aur C.C. grant ke ane men bahut deri hoti hai jiske karan se school ke teacherong ke liye aisi mahangi halat men bises kathinaiyan hoti hain. Jaise — (I) C.C. grant ~~jun~~ May 1943 ka June men milne ko tha par August mahina ke grant ke sath September 1943 ko bheja gaya. (II) Sarkari grant ~~4th~~ quarter 1942 ka January 1943 men milna tha so February 43 men mila. aur 1st quarter ka April men milna tha so June 1943 men mila; 2nd quarter ka July men milna tha so September ke ant men mila aur 3rd quarter ka October men milna tha so November 1943 men mila.

Aisi batong ke karan se tarikh 24 September 1943 ko ~~Dy. I. se~~ Sub Dy. Deputy Inspector of Schools Gumla, ne Korongo M. E. School ko visit kar ke anek remarks liye hain jiska Extract niche likha jata hai.

Visite note of the Deputy Inspector of Schools
Gumla 24 Sept. 1943 . . Extract – –

- -

" Acquittance shows that the teachers have been paid up to June 1943 only. The cash book shows that the Govt. grant in aid of Rs 255/– for the second quarter ending 31-8-1943. I remember that I passed the bill in the month of July 1943. It should have been encashed and sent to the school at the latest in August, but not yet done so. I regret this delay in payment to teachers in this time of hardship and dearness. (This is the reward of good result shown by the school in 1942.)

By the inspection of acquittance roll I observe that this irregularity in payment commenced from January 1943. Head Supervisor Lutheran Schools Ranchi, will please remedy this.

- - - - - - - - - - - - - - - - -

Hamari arji hai ki aisi irregularity dur ki jay jiske ki sarkari logon ke dwara hamare school par koi remark na pare aur teacherong ko takhlif sahna na pare.

Ap ka beswast
L Kongari
24/11/43

8

Korangi
22/11/43

Manyawar,

E. E. L. Church Secretary ko yisu ashish howe.

Main ap ko "Survey of one Christian village of not less than 10 families of Korangi mandli ka, aur Pracharakon ka list bhij de raha hun.

Apka kinkar
L. [illegible]

(9)

Lombui
18.11.43

महामान्यवर C. E. L. Church के प्रेसिडेन्ट
साहब Rev. J. Lakra को मेरा यीशुसहाय।

आप की १२-११-४३ की लिखित चिट्ठी
१६-११-४३ को मुझे मिली। आप को बहुत धन्यवाद।

आप के आदेश अनुसार स्थानीय
(लोम्बोई) पादरी बाबू Rev. C. R. Topono के
यहाँ जाके आप की चिट्ठी को दिखाके कहा कि
प्रेसिडेन्ट साहब मेरे विषय आप की सिफारिश मांगते
हैं। तब वे सिफारिश पत्र लिख के मुझे दिये,
जिसको मैं अपनी पत्री के संग आप के पास
भेज देता हूं। कृपया प्रेम से रहा करेंगे।

इत्यादि शुभ

आप का कृपाभिलाषी Nathanael Bage.

To the [illegible]
for action -
[illegible]

8 Lomboi:

17.11.43.

मान्यवर प्रेसीडेन्ट G.E.L. Church

को मेरा यीशु सहाय होवे।

आगे आप को मालूम होवे कि जो चिट्ठी ता: १२-११-४३ को Rev. N. Bage के पास लिखे हैं जिसमे आप मेरा सिफारिश चाहते हैं सो उसका जवाब स्पष्टता से लिखता हूं अर्थात:

Rev. N. Bage के विवाद साफ तौर से मालूम हो गया है कि वह कलीसिया के गोलमाल विवादक बातों में नहीं है इसलिये उसको पेन्शन पाने में कुछ रोक टोक नहीं है —।

आगे आप का विश्वस्त

Rev. C. R. [illegible]

8 5(4)

From – Rev. L. Kongari Koronjo

To
The Hony Secretary
G. E. L. Church, Ranchi.

Koronjo, ~~Dated~~ the 10th Sept. 1943.

Manyawar,

G. E. L. Church Hony Secretary ko yisusahay howe.

I Ap ki chithi No. 1864-65/43/F-8, dated the 13-8-43 Babat Samuel Minz's appointment as teacher ke bare yah mere taraph se sipharish hai ki main ne unse puchha ki kya ap puri riti se Lutheran kalisha ki or laut gaye? Unhong ne uttar men kaha ki "han main purn rup se agaya, ab age ko marne tak isi Lutheran kalisha men rahunga, aur ab phir dhokha nahin dunga. Main apne laut jane ke bisai Kirkel Ulaka ke Chairman ke pas bhi janti diya hun, ab koi sandeh ki bat nahin hai."

Unke is jabab ke anusar, yahan mandli ke kam men bhi bises hanthdale hain. So unke kahne ke anusar yah mera kahna hai ke we phir dhokha nahin denge.

II Phir C. C. ki chithi No. 2001-02/43/F-8, dated the 19th August 1943. Me C. C. phaisle ke bare ap ko malum howe ki Hal men jagah khali nahin hai, isliye jagah khali hone se unke larke ke liye pahila chance rakha jata hai ki Ulaka unke larke ko kam dewe, jaisa ki Ulaka ki pahile bat thi.

Ap ka binwat
L. Kongari

8

From - Rev. L. Kongari

To

The Hony Secretary
G. E. L. Church, Ranchi.

Dated Koronjo the 17th August 1943.

Manyawar

G. E. L. Church. Hony Secretary ko ginnahay.

Apki 10-8-43 ki Reminder chithi mili jis men ap. C.C. ki chithi No 1437/43/F.8 dated 2-7-43. ke bare puchhte hain ki main uska jabab nahin diya hun, par ap ko malum howe ki main ne 17 July 1943 ko batiyon ko janch kar ke bhej diya hun. tis par bhi yadi nahin mili to phir likh bhej raha hun.

Apki chithi No 1437/43/F-8 tarikh 2-7-43 ke anusar Padri Babu O. Tiru ne Rs 750/- loan liye hain jis ko we kabul karte hain. Main ne school aur hostel accounts batiyon ko dekha par kahin bhi Rs 750/- loan liye huwe ka admittance nahin milta hai. Aur na managing committee na Ilaka Panch ke minute book men darj hai. Puchhne se malum huwa ki unke zamain men ek Hostel Committee bhi thi, par khojne se Hostel Committee ka minute book School office men nahin mila.

Unke zamain ke hostel accounts of 1935 and 1936 ka men jo main paya so niche likh deraha hun:—

Book balance on the 14th January 1935 as noted in the hostel Cash book —

I

Rs 1140 - 0 - 0

Lent out by Rev. O. Tiru Rs 1038 - 4 - 3

Bal Rs 102 - 5 - 9

Lent out to Babu Ph. Bage by Mr. N. Topono } Rs 74 - 0 - 0

Balance in hand 28 - 5 - 9

Sd. N. Soy
Hd Supervisor
17-1-35.

II

Rs. 12-2-0. Counter bit.
Sd. O. Tiru

Rs 22-0-0 P. Topono
2-0-0 M. Bage
21-11-6 O. Tiru
45-11-6.

} This account has been written by Rev. O. Tiru himself

Received charge from O. Tiru
Sd. S.S. Topono.
2-11-36.

Apka kinkar
L. Kongari

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 112/44/F-8. Dated Ranchi, the 14th January, 1944.

From

Th. Surin Esqr., B.A., B.L.,
Hony. Secy., G.E.L. Church, Ranchi.

To

Cand. I. Guria.

Dear Itmon Guria,

Please go to Koronjo with this letter and finish charge giving and taking of the Kahupani Parish before 25-1-44 and then come back for your marriage and after that go Kahupani Parish and join there on the 7-2-1944.

Yours sincerely,

Th. Surin

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

BEMINZ/2C.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 109/44/F- 8. Dated Ranchi, the 14th Jan., 1944.

From

Th.Surin Esqr.,B.A.,B.L.,
Hony.Secy.,G.E.L.Church, Ranchi.

To

The Rev.L.Kongari,
G.E.L.Church,Koronjo.

Dear Rev.L.Kongari,

Candidate Itmon Guria is going to you for taking charge of the Kahupani ~~and take charge from the~~ Parish from the Rev.N.Tirkey. Please go to Kahupani and take charge from the Pastor and hand over charge to Candidate I.Guria. After that give Itmon Guria leave till 7th February 1944 for his marriage. Please tell Rev.N.Tirkey to start immediately for Assam.

If possible finish this work before 25-1-44. I shall be at Koronjo on 26-1-44 by 12 a.m.

Yours sincerely,

Th Surin

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Memo No. 110-11/44/F-8. Dated, the 14th January, 1944.

Copy forwarded to the Rev.N.Tirkey and Cand. I.Guria for information and guidance.

Th Surin.

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

BBMINZ/5C.

7th January, 44.

37/44/F- 8.

The undermention document is forwarded to the Rev. L.Kongari Koronjo Ilaka Chairman for information and guidance.

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the full C.C. meeting held on the 4th January, 1944.

Item No. 3.

" Rev.L.Kongari's letter dated the 11-12-1943 regarding the ~~division~~ Pracharak and Pracharika of Rajabassa :-

The letter says that the Pracharika is the daughter of the Pracharak and both belong to the Bage Party, and visit only the houses of the Bage Party, and hence they be transfered elsewhere.

Resolved that as appointment, discharge dismissal, transfer etc of Pracharaks lies within the jurisdiction of the Ilaka, the case of the pracharak be refered to the Ilaka concerned for disposal.

Resolved further that the matter of the Pracharika be postponed for the time being and be taken up along with the matters of other Pracharikas.

BBMINZ/2C.

3102-03/43/F-8. 24th Dec., '43.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.L.Kongari Koronjo and the Treasurer,G.E.L.Church, Ranchi for information and guidance.

for Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the C.C.Executive Committee held on the 22nd December, 1943.

Item No. Add. 6.

" (a) Rev.L.Kongari's letter dated the 11-12-1943 regarding Kahupani Case :-
The letter says that some monitary help be given by the Church Council to the Kahupani Congregation for Court expenses.

Resolved that Rs. 50/- only be paid to the Kahupani congregation for the Court expenses as help.

(b) Babu Estan Samuel's request for Bachandat for Christ Hiramani Susari Kerketta and the Rev.L.Kongari's note thereon :-

The letter says that the applicant and his family are obeying the Church decisions and orders regarding Kahupanicase, and as such Christ Hiramani Kerketta be given Bachandat. The Pastor writes that the facts stated in the letter are quite the opposite and hence Bachandat has been with-held.

Resolved that the matter be refered back to the Pastor to be disposed of at his discretion."

BBMINZ/3C.

2484-87/43/F-8. 25th Oct., '43.

To

The Rev.S.Bage.
G.E.L.Church,Jatatoly.
P.O.Kurdeg. Dt. Ranchi.

Dear Sir,

Please visit Koronjo and copy all the minutes and papers etc. from the Koronjo Ilaka records regarding Susana Bage's Case.

Similary please go and visit Kahupani and copy all the minutes and papers etc. of the Kahupani Pracharakpan's and Kahupani Parish's records at an early date and bring them to Ranchi on 3-11- 1943.

The Rev.L.Kongari, Koronjo Ilaka Chairman, the Rev.N.Tirkey Kahupani Parish Chairman and the Pracharak Suleman Samad of Kahupani are requested to assist you in this matter.

Yours sincerely,

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

~~Xxxxx~~

Copy to Rev.L.Kongari, Rev.N.Tirkey and Pracharak Suleman Samad for information and guidance.

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

EBMINZ/5C.

8

No. 7 C.C.
EX.
21-8-43
F. [illegible]
Hony Secy

From – Rev. L. Kongari, Korongo

To

The Hony Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

Dated Korongo the 21st August 1943.

Manyawar

G. E. L. Church Hony Secretary ko yimsthay Age main Rev. C.R. Toppo ki chitthi ko ap ke yahan bhej deta hun. Isliye ki yah golmal Kelumpani case se lekar suru huwa hai. aur in sab phir bat badal kar - bahana ke liye girja ghar maramat ke dete hain. Ye sab Kelumpani case ke golmal ke suru se hain. Ab case ko dhili dhili dekh kar chithai se jabat dhan ko Ilaka ke bina ijajat aur sant men kharach karne mangte hain Lombor mandli ek bari mandli hai jo ki asani se apne nij kharach se maramat kar sakte hain. Yah to kewal bahana hai.

Rev. C.R. Toppo ne tin janong ka name daraj kiya hai we hi asal men rok rahe hain. Sadharan log sab denewale hain jaisa girja aut hota hai taise apne hanth men lete hain. aur apne ghar le jate hain. In logon ko chhor diya jay to bahut hi hani hai. Sirni to jabat hoga so hoga hi, par sadharan bhai bahin logon ka Lombor girja jana tut jayga. Kitne log Tilayjara, kitne Hurrapani jate hain aur kitne apne nij ghar men waisahi se thahar jate hain. In tin kathi logon ke karan mandli men eketa hokar aradhana karne ka sangathan tut ja raha hai.

In logon ko purana Padri N. Baxa aur Prachark Johan Dang salah dila rahe hain ki C.C. kya karega, sirni to mandli ka hai.

Main aise logon ke upar karrwai ke liye ek chitthi bhej chuka hun. aur ek yah chitthi bhi bhej raha hun. Karrwai na kiya jay to bana huwa bhi phir se bigar ja sakta hai.

C.C. case se sambandh hone ke karan apne pura Order lena par raha hai, dusre kisim ka case hone se ham apne se sab kuch kar baithte

So kripaya iska pura jabab order sahit dene ko kripa karenge.

Rev. N. Tirkey ka 17-8-43 ka chitthi bhi sath men bhej raha hun. Lombor ke beis aguya ye bhi Baxa parti ka pakke golmaliya leader hai.

Apka kinkar

L. Kongari.

To The Hony. Secretary
G. E. L. Church,
Ranchi.

महाशय,

निम्न लिखित बातों को आप के पास जानकारी और विचार के लिये भेजा जाता है।—

I. लोहरदगा मण्डली से ता: 12-6-82 को [illegible] दिया गया है जिसमें लिखा है कि जब तक [illegible] का जो लेनदेन साफ(?) नहीं होगा तब तक Centralise नहीं करेंगे। वह [illegible] [illegible] के लिये [illegible] करना चाहते हैं और वे [illegible] से ता: 8-8-83 से पिछले 1982 का और 1983 जुलाई तक का Centralise करते थे।

II. निम्न लिखित पंचों को G.E.L. Church के [illegible] [illegible] I के (अ) और (ब) के अनुसार प्रेसीडेंट के ता: 20-2-83 के और Secretary के ता: 26-2-83 के लिखित [illegible] अनुसार [illegible] से [illegible] चाहिये।

1) प्रभुसहाय कन्डुलना
2) [illegible] डांग
3) नारायण [illegible]

Forwarded to the [illegible] Church, Rev. [illegible] Ranchi [illegible]

III. Rev. N. Bage – [illegible]
[illegible] party [illegible]
[illegible]

2/ 2-11-42 [illegible]

3/ 10-6-43 [illegible]

4/ 12-8-43 [illegible]
8-8-43 [illegible]

IV. [illegible] Johan Dang [illegible]
[illegible]

Dated 17. 8. 43.

Rev. E. R. Toppo. Lonbor

[illegible]

Kahupani

17-8-43

मान्यवर Rev L Kongari साहब सबों
को प्रेम यीशु सहाय,

आशा है आप लोग खुश आ रहे हैं, लेकिन बार
होने से मुझको थोड़ा बुखार ऐसा मालूम होता है।
देखा करते हैं आप लोग भी आ रहे हो
होंगे।

पत्र लिखने का विशेष मतलब यह है
कि मैं सनिचार को रोज मुकदमा बाजार गया था
और वहां डोयापानी पादरी लोगों से विजय के विषय
विषयक पूछा, वह बताया कि गोकिया, पतरस
प्रधान, और आकादार्क डोगा, इन पांचों का नाम
मेरे डेरी में लिख दिया कि धान बिक्री करते
समय पांचों में यही लोग थे सहायक लोग थे।
कितने पादड़ों पांचों से जांच किया व इस विषय
में आनाजान आपने को बतलाते हैं, उसके बाद मैं
पतरस प्रधान को पूछा कि आप लोग धान को बिक्री
किये हैं, तो हिसाब दे दीजिये, वह बोला हम नहीं
देंगे, सारा पादड़ों सहमत करके धान बिक्री किये हैं
उतना ही में बहुत बिगड़ गया और कहने लगा कि
इसका हम इस धान में कुछ नहीं हैं, यह तो
P.O.T.

Kakarpara

पादड़ी का घर है, जैसा चाहेंगे वैसा करेंगे, जो
चाहते हैं सो कीजिये, मैं पीछे कुछ [illegible]
बाद में प्रचीन करके साथियों को बहलाया, वे भी
उधर बहुत नाराज गये हैं, कि साधु इन लोगों को
डाकू बनाता है, परन्तु मैं कितने पांचों को समझा
दिया हूं, फिर एक दो भाई को पादड़ी के पास
बहिनों को समझाने के लिये बोल दिया हूं,
इसलिये यह जानता कि कुछ आपको देता हूं, कि
इन सब को इस पार्टी छूटने के लिये बराबर प्रभु से
मांगना न छोड़ें। आशा है अन्त में जरूर ही
सफलता करेगा।

मोकदमा के विषय :- कोर्ट बुक के [illegible] प्रचारक
पुलिस थाने पकड़ा गया था, इस मालूम होता है कि
वे अब कोई बुलत से बीच में बाद विवाद छोड़ाकर
सचाई को दबा देना चाहते हैं। इस ही लोगों का
पुत्र (Alfred) जुल्म करता है कि ये साक्षियाओं
से इसका वकील इस लोग स्विचार कर के संग
कौंसिल को जिनहट जेर दिये हैं।

प्रभु आपलोगों के संग होवे —

आपका विश्वासी N. Tirkey

R. Srin 24/8/43 Hony Secy

From - Rev. L. Kongari, Koronjo

6 Ex. C 27-8-43 [illegible]

8

To

The Hony Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

Dated Koronjo the 20th August 1943.

Manyawar,

G. E. L. Church Hony. Secretary ko yisusahay.

Age main nimin batong ka report deraha hun —

I. Kahupani Case ke bare — Kahupani ka Pracharak Suleman Samad yahi report diye ki 8 August ko Simdega gaye the. Hakim sahebne Suleman Samad aur Anandmasih Bage ko ijilas men bulaye aur Anandmasih Bage ko tin bar ghurak kar kaha ki kahe ko raji nahin hote ho. wah niruttar raha. Aut men kaha ki Martin Tiru ko bulao aur Septumber 3 tarik ko hajir karo. Suleman Samad ko kuchh nahin kaha. Isse malum hota hai ki mukadma ~~dhila~~ dhila hojayga. jitna point jabab dakhil karne ko kahe the so sab dakhil hogaya hai. Ab 3 Sept. ko tarikh huwa hai.

II Kahupani Case ke babat se lekar centerlise band karne hare ulgulani walong ka halchal :— Ham tinong Padriyon ne 19-6-43 ko Manyawar President ke pas jo report bheje jiska true copy ap ko bhi bhej diye hain jismen likhdiye hain ki Martin Tiru President Sahab se 10-5-43 ko bat chit kiye jiske bare Martin Tiru batlate hain ki "President ne kaha ki Sacrament sadi adi C. C. ne centerlise band karne hare mandli ke liye band kiya hai is bat ko ham nahin jante hain." Martin Tiru yahi batla kar aurong ko rakha deraha hai. Ham logon ko uske bat par biswas nahin hai kyonki President saheb aisi batong ko kabhi nahin kahe honge. Martin Tiru ke is jhuthe prachar par kitnong ka khyal hai ki yah sab kam to yahan ke Padriyon aur Secretary ki orse keval hai aur C. C. ki orse nahin jabhi ki ham log C. C. ke bat ke anusar karte hain.

Ab phal kya hota hai ki Dovapani, Lomboi aur Mama bhagina 1942 ka amdani golmal ke suru se ka lekar tha jabat kar rakhe aur 1943 ka kitne mahinong se de rahe hain. Dovapani aur Lombói ka kahte the aur likh kar bhi diye ki 1942 ka sab hisab kitab centerlise kar denge, aisa kah kar ham logon ko thag diye aur ab kahte hain ki Girja ghar maramat karenge, centerlise nahin kar denge. Ulaka unko arji ke sath mangi ke sab ko centerlise karo, bad men darkhast deo, tab Ulaka bat bichar kar ke nischai kuchh rahayta degi, par we hath kar ke kahte hain ki ham log 1942 jabatwala amdani menseadha nahin center karenge. Aur yah kah kar jaisa Lombói mandli to Ulaka ki bat ko na man kar phir se July 1943 se band kar rahe hain. jinka ~~darkhast~~ Lr. report sath men bhej deraha hun. Band karne wale keval tin ya char jan hain, sari mandli ki ichha hai ki diya jay. Girja ghar maramat karne ki bat keval bahana hai, par bhitar men we apna karbar kar rahe hain. yane koi to use Lah ka karbar us rupaiya se kar rahe hain. Kahin to katni dhan ko sasti rinn (ऋण) nap diya gaya hai, kahin to ap hi katni dhan ko sasti bhao se lekar ke yane dhan Rs1/- 10 seer ke dar se lekar bazar men chawal Rs1/- men 2 seer ke dar se byopar karte hain.

Yadi yah aisa hi chhor diya jay to yah bish sab taraph phaelega aur ek roj sab karamchariyon ko kam se baithna parega aur na Ulaka ki aur na C. C. ki bat manenge.. Autonomus Kalisha men unko nij ichha ke anusar jaisa we chahen taisa karne denge to yah patan ka karan hoga.

Lombo ka centerlise band karne ke babat men wahan ka Pracharak Johan Dang aur purana Padri V. Bage bhi sahmat hain aisa dekhne men ata hai. Kyonki jahan iske bare un golmal machane wale logon ki baithki hoti hai to we bhi wahan hajir rahte hain. Rev. C.R. Topono ki or se apko pura report milega. Har un tin mandliyon men rokne wale kewal tin 2 ya char tak hain aur baki mandli ke sare log nahin. par itne hi logon ke karan aur log bhi tarna sah rahe hain. jisa note men batlaya ja raha hai—

Note.— Mamebhagina ka Dand Horro 3-7-43 ko bichhaue men bimari ke karan parlok ko sidhara. Wah Prabhubhoj khane ko tarasta tha par C.C. ke sare mandli par karrwai ke karan nahin bana. Wah marne ke pahile apni putan se puchha "Kya dharam bidhi tum logon ne pura kiya?" wah boli ki han; ham logon ne binti kiya aur binti ke sath tum ko Prabhu men somp diye hain. Phir puchha "Kya mandli bidhi pura kiye ho?" tin bar puchha par jabab nahin di, kyon ki uska purush centerlise ke birudh men hai. Tab us burhe ne kaha ki ham logon ne Pap kiya hai, isi karan hamare mandli ke upar yah saja ya dand para hai. Isliye jaldi hi is saja se chhutne ka yatan karo. aisa siksha dekar pran tyagi. (Gh. Bandhu men siksha ke nimit chhap dene ke kabil hai)

Har mandli men tin char hathi janon ke karan aisa saja anrong ke upar bhi para hai, jo ati sochniya hai. sadharan log sirni adi to dede te hain aur centerlise karne ko kahte hain, par ye log hathiya kar nahin dete hain. Martin Tiru ki bat par ki karrwai C.C. ka nahin hai, yahan ke Padri aur Hony secretary hi kewal apne matlab se yah kar rahe hain, we log sahak jakar kahte hain ki kaun kya karega. phir se golmal karne men jor de rahe hain.

Isliye ham Padriyon ki ichha aur drir bichar hai ki uprokt Note ki bat ke anusar aur aisa hone na pawe aur ki mandli men golmal na barhe mukhya 2 log jo centerlise band kar rahe hain sari mandli men se chhantkar karke (1) isliye ki sab kuchh centerlise kardenge kah kar thag diye aur ab nahin denge kahte hain. (2) mandli sirni dan ko apni ichhanusar Ilaka men bina centerlise kiye bina ijajat bahane kar ke kharach kar rahe hain. aur bina brij kalisiya ke andar rop de rahe hain (3) aur 1943 ke in agami mahinon se center lise band karne ke golmal ko barha rahe hain.

(a) Kalisiya ke sasan sudhar pranali ke anusar aur (b) President Mahoday ki chithi tarikh 20/2/42 ke anusar jismen likhe hain ki "[illegible]" mandli ki bhalai aur sudhar ke liye, Martin Tiru Johan Horro, Nicodim Samad jo C.C. se lar rahe hain C.C. se puri karrwai ke liye chhor de kar baki logon ko jo har mandli men centerlise band kar rahe hain tin 2 ya char 2 unke hain tin 2 bar samjhane ke bad yadi apne kathorpana men reh jaenge to un ko jab tak we jabat mandli sirni khajana ko dakhil na kar denge tab tak ke liye chhoti saja men rakh denge aur baki log jo is bat men sahmat nahin hain par centerlise dene ki bat men rahenge unke liye jo karrwai C.C. ki or se hai yane Sacrament Sadi Bachaudat dirh ki karan na diya jay so baki logon ke liye rihai ki jay arthat utha di jay. Pichhe saja paye huwe log apni un karamchariyon ko chahe pracharak hon chahe Padri hon jo golmal barhane ke sahmat de rahe hain apni pragat kar denge.

Prabhu nischai puri saphalta hamari mandliyon ke liye dega.

On Batong par ap ki kya agya hai chithi pate hi righar jabab dene ki kripa kijiye.

Ap ka biswasi
L. Kongari

Forwarded To the Hony. G.E.L. Church Secretary Ranchi - Rev. L. T. Kongari. 13/8/43

लोम्बोई मन्डली

2-2-43

श्री पुज्य महामान्यवर इलाका चेयारमेन
और इलाका मेम्बारों को लोम्बोई मन्डली
के पांचों का यीशुसहाय होवे।

आगे आपे लोगों से हम लोम्बोई
मन्डली का आमदनी ४५।)। रुपैया को
गिर्जा घर दिवाल के लिये मरामत
के लिये अर्जीसत मंगा पर आप
लोग हमों का अर्जी ग्रहण न कर
के उस पर दबी कर रहे हैं इस
लिये हम लोग बहुत नराज हुए
और हम लोग भी दबी कर रहे हैं
उस रुपैया को हम लोग इलाका को
नही देंगे, अब आगे भी सेन्ट्रालाज
नही करेंगे इस पर आप लोगों
का जो इच्छा होवे।

कार्त नाहुम मुन्डु
पांचों के हुकुम से

पांचों का सही - [illegible] 2-43
[illegible]

[illegible]

[illegible]

Rs 45/4/3 aur kahin ... karib 18 ya 20 rs bakhi hai ... L. T. Kongari ... Ilaka Chairman 13/8/43

इलाका चेयरमेन
लुथार कोनगड़ी
कोरोंओ

C. I.

From - Rev. L. Kongari, Korongi

Ex C.
9-8-43
[illegible]

To

The Hony Secretary
G.E.L. Church Ranchi

Dated 24-7-43.

Mahasay,

main sath men Bage Parti ka hupain jo samad Parti par " Susani + Patras Bagika upar men earn kiya hai uska itlay hagaj bhej deraha hun. Summa men uska hukti 8-7-43 ko mohlati tarikh hai. Samad parti Hurdongan wakil ke na rahne se Rausph ko pakre hain.

ap ka bimwast

L. Kongari

Pracharak Nirmal Khalkho of Samsera.

8

Korongo
July 24; 1943.

The Secretary

G. E. L. Church Council
Ranchi.

Mahansay,

Ap ki chitthi No 1457/43/F-8 dated 3-7-43 mili; uske bisai Ilaka Executive ki baith ki tarikh 15-7-43 ko huwi aur uske phaislanusar Pracharak Nirmal Khalkho ko Ilaka se chhuti dene ke bisai pura bayan niche likh diya jata hai.

Pracharak Nirmal Khalkho ko Sambe ki bimari hai aur barabar kiri nikalta hai. Jiske karan wah barabar lungi pahanta hai aur lungi pahan kar girja aradhana karta tha aur aradhana ke samain kabhi 2 apne anguli se chhu kar usko sabhong ke samne sunghata tha. Aisa karne se mandli ke logon ko achha nahin malum huwa, isliye panchongne usko kaha ki ap girja mat kijiye, ham log girja karenge, par talop ka bhog karnewale aphi rahenge. Par usne unki bat nahin mani aur unse jhagra kiya. Unko samjhane ke liye Ilaka ki or se commission bheje gaye the. Commission se unko jakar samjhaya aur Pracharak Nirmal Khalkho ko kahe ki jab tak bimari achhi nahin hoti hai aparam kijiye aur apne larke ki sadi karakar uske liye darkhast dijiye. Ilaka usko kam degi, par wah aphi na apne larke ki sadi karakar Ilaka ko diya na Samsera mandli ko chhor dusre jagah men kam karane chaha. Mandli ke panchongse ~~girja~~ hi men jhagra huwi isliye, unhongne uske larke ko bhi wahan rakhne nahin chaha. Phir bhi jhagra ke karan kitne log girja anajana hi chhor diye the.

So bimari ke karan Pracharak Nirmal Khalkho ko mandli ki bhalai ke liye lachar bash Ilaka ko chhuti dena para.

Rev. L. Kongari

P. Dungdung
Ilaka Secretary.

8/ Ert 17.7.43

8

Sundega
12-7.43

My dear Th. Suren,

I receive your letter. ~~Date~~ for Kalu pan case is 16 July 1943. Depdts have not filed ~~written~~ statement.

There are also one pad and one pen for you. For ~~three~~ days We have been getting rains.

On ~~[illegible]~~ Sunday I came to Reaveh. Anand manik ~~[illegible]~~ was not present ~~at~~ station. So I came ~~[illegible]~~ with my suit case to Gorhila. We are pretty well. With best wishes

yours ever
H Tengra

Twice your clerk
has been paid the
costing a copy of judgment
of original case in
Mongra's case. Still
he has not sent us
the copy. 19th July
is the date. So ~~could~~
~~is your clerk.~~
ask your clerk
to send ~~the copy~~ copy
all immediately.
yours ever
C. H. Vengra

POST CARD

9 PS
INDIA POSTAGE

ADDRESS ONLY

16 JL 45
M 45 I.M.

To
Theodore ... Pleader
Ranchi
P.o. Ranchi
Dist. Ranchi

8

8

From - Rev. L. Kongari
G. E. L. Church, Koronjo

To

The Hony Secretary
G. E. L. Church, Ranchi.

~~Dated~~ Koronjo the 19th June 1943.

Manyawar

G. E. L. Church Hony Secretary ko yisusahay hawe.

I. Age ap ko ap ki chithi No. 1022/43/F-8 Dated 25-5-43 ke babat men yahi report dete hain ki we jan jin ke bare men kisi janne ap ko report diya so sachi bat nahin hai. Janchne se malum huwa ki we pahile jaise karte aye taise abhi bhi kar rahe hain. Yane

(I) Benjamin Kerketta yah Darkapani ka nahin hai aur aise nam wale wahan koi bhi nahin hain par yahi jan Dorapani men rahta hai. Is ka chal jaise pahle tha taisa abhi bhi hai. yane C.C. ke phaisle ko nahin manta hai aur Martin Tiru ko bhi nahin chhora hai.

(II) Bisra Bage maste Kalupani bhi alag girja nahin chhora hai, balki alag girja aphi kar de raha hai aur ek alag girja bhi bana rahe hain. aur Martin Tiru ko nahin chhor diya hai.

(III) Anand masih Bage Koendega bhi Martin Tiru ko nahin chhora hai.

(IV) Johan Horro Mama bhagina so un baithkiyon ka Secretary hokar aur adhik Martin Tiru ke sath kam kar raha hai.

(V) Ap ke diye huwe Report ~~men~~ Kesra ke Nicodim Samad Gaunjhu ka name chhut gaya hai. Yah bhi hartali dal ka ek pakka leader hai.

Uprokt jianong par C.C. dwara koi uchit karrwai kiye bina hartali dal ka kam band nahin hoga, par phir se golmal hota rahega.

II. Martin Tiru aur Nicodim Samad Gaunjhu, Patras Bage aur Susani Bage aur unke bap Hardugan Bage ko Simdega Leja kar Kalupani gaon wale Mandli Panchong ke upar nalis chalaya hain aur 28 June 1943 ko mokdma ka tarikh bhi hai. Is bat se jan lijiye ki ap ko jo uprokt No I ke jianong ke bare jo report diya gaya hai so kaisa report hai.

III. Ap ki chithi No 981/88/43/F-55- Dated 17-5-43 ke anusar Pracharika Naumi Samad Kesra ke babat yahi report de rahe hain ki Susani Bage ke babat, C.C. ke phaisle ko nahin manti hai wah Koenara aur Burju men bare dhirza ke sath yah kahti ki Susani Bage bilkul nirdoshi hai, C.C. ne anyay kiya hai golmal kyon nahin hoga aur barhega!

Naumi Samad Pracharika ~~hoke~~ Pracharika hokar C.C. ko ninda karne uchit nahin hai. Ham log yahan bari kast uthate huwe Prabhu ka kam kar rahe hain aur golmal ko sant karne chahte hain, par

P. T. O.

ek aise Pracharika ko aise hartali dal ko sahbasi dena aur C.C. ko ninda karne ki bat ko sunna hamara sahas se bahar hai. Aise pracharika ka talab barhane ki apeksha kamse chhutti dena achchhi bat hai. Yah uske liye bhalai aur Prabhu ke pichhe se chalne ki bat hogi.

N.B. Not (iii) Anandmasih Bage koendega khristanrse hoga, pragat men nahin dikhai deta hai.

Apka biswasi
L. Kerung[illegible]
19/6/43.

Rev. C. R. Tigga.
19/6/43.

Rev N. Tirkey
19-6-43

महा मान्यवर श्री जुएल लकड़ा,
प्रेसिडेन्ट लुथेरान चर्च कौन्सिल रांची।

पुरोहित महाशय,
कोरों जो इलाका के आहुपानी पेरिस के खास आहुपानी मंडली के लड़का लड़की के गोलमाल के सम्बन्ध में जो मंडली में असन्तुष्टता है उसके बाबत में अपने को लुथेरान कलीसिया का अंग समझ कर चर्च कौन्सिल को निम्नलिखित बातों को विदित कर देना अच्छा और अपना कर्तव्य समझता हूं। भूल चूक कृपया माफ करेंगे।

इस गोलमाल के सम्बन्ध में मान्यवर पादरी लुथर जोजोवार के फैसला से अनेक समझदार और कलीसिया के विश्वस्त सज्जन असन्तुष्ट हैं और मंडली में यह नाराजगी बढ़ती जाती है जिसका आखिरी नतीजा यह हो सकता है कि आगे या नाराजगी पार्टी इसको अदालत में पेश कर सकती है या चन्द लुथेरान सज्जनों को कलीसिया छोड़ देना पड़ेगा।

मोकदमा करने की सम्मति लेने के लिये कोई कोई सज्जन ~~किम~~ डंगा आये थे जिस वक्त मैंने उनको ऐसी बातों को मंडली ही में आपुस में तय करने की राय दिई।

आप लोगों के सोचने और तजवीज करने के लिये कुछ बात आप लोगों के सामने पेश करता हूं।

आप लोगों के सोचने और तजवीज करने के लिये कुछ बात आप लोगों के सामने पेश करता हूं

सुलेमान प्रचारक आदू पानी के इस गोलमाल को सुरु करने के बाद दोनों पार्टी के अच्छे २ सज्जन पादरी बाबु नथानिएल बागे के साथ सुलेमान प्रचारक के सामने पूरा २ जांच पूछ कर इसको रघुनाथ राजी से लिखवा पढ़ी और प्रार्थना के साथ तय किये जिसमे लड़का लड़की निर्दोष ठहराये गये।

अब वही सुलेमान प्रचारक बागे पार्टी के लोगों के साथ उसका अदावत होने के कारण फिर इस खतमी बात को उठाया और पड़हा मे और चर्च कौन्सिल मे बढ़ाया।

लड़का लड़की दोनों का बागे गोतर रहने के कारण पड़हा मे भी बिचार होना जरूरी समझी गई और पड़हा से भी तजवीज किई गई और वही बात पायी गई जो पहिले हुई थी अर्थात पादरी बाबु नथानिएल के साथ लड़का लड़की निर्दोष ठहरे (चर्च कौन्सिल को पड़हा के सरोकार नहीं है पर प्रायः सब पड़हा के अंग लुथेरान थे)

उसके बाद महामान्यवर पादरी लुथर जोजोवार ने सुलेमान प्रचारक पार्टी के लोगों से सम्मति लेकर पहिले का किया हुआ फैसला को बिलकुल उलट दिया याने लड़का लड़की को दोषी ठहराया। (Rev. J. Stosch - इस काम मे कुछ भी हाथ नहीं डाले थे सिर्फ Rev. L. Jojowar ही का काम था)

अब कौन फैसला सच माना जाय

पहिले का फैसला जो बहुत सज्जनों के साथ

सब लोगों के सामने जांच पूछ कर किया गया?

या

माननीय Rev L. Jojowar का जो ज्यादेतर सुलेमान प्रचारक पार्टी की सम्मति से हुई! (हमलोगों को अपने अपने विवेक से राय लेना चाहिये)

फिर सुलेमान प्रचारक पार्टी – बागी पार्टी के लोगों को छोटी सजा में डालने और मिशन (कलीसिया) में काम करनेवालों को नौकरी से खारीज करने के लिये रिपोर्ट देते जा रही है और कौन्सिल तरफ से अनेक आदमी को नौकरी से खारीज करने और छोटी सजा में उन लोगों को रखने की धमकी दिई जा रही है जो Rev Mr L. Jojowar के फैसला को नहीं मानने चाहते हैं – ऐसी हालत में असन्तुष्टता क्यों मंडली में नहीं बढ़ेगी? उनको विवाह और पवित्र स्थान से भी रोकावट हो रही है।

मेरी आखरी सार बात यही है कि कृपया चर्च कौन्सिल से एक निरपक्ष सज्जन इस गोलमाल को जांच करने के लिये भेजा जाय जो सब जगह पर स्थिर रह कर इसका इन्साफ करे और सब को प्रेम से समझा कर इस गोलमाल को शांत कर देवे।

प्रेसिडेन्ट महाशय – आप आत्माओं के रखवाले दया-आज्ञा देने के पहिले गम्भीर और गौर तौर से सोच बिचार सनाई जारी किई जाय जिससे मंडली में अशांति इतना सहज से न फैले।

आप का विश्वस्त

Alfred Topno

Simdega

P.O. Simdega

Dist Ranchi

26. 5. 43.

19th August, '43.

2001-02/43/F-8.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.L.Kongari and Prach. N.Khalkho for information and guidance.

Th Lugun
Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the C.C.Executive Committee held from 9-11 August, 1943.

Item No. 1. (a)

" (a) Koronjo Ilaka's reply dated the 24th July 1943 reg: the termination of the services of Pracharak Nirmal Khalkho of Samsera (vide C.C. resolution dated 28-29 July, 1943 under Item 32 dated 29-4-1943 on the subject).

The Ilaka writes that the Pracharak Nirmal Khalkho has been suffering from Piles and so the Ilaka was compelled to terminate the serviees of the said Pracharak. The Ilaka requested him to get his son married and then he would be given Pracharakship in the Ilaka, but Nirmal did not comply.

Resolved that the Ilaka be requested to employ the son of Nirmal Khalkho as Pracharak if he is fit, but as Ilaka desires the son be married before he is employed as Pracharak."

BBMINZ/3C.

19th August, '43.

1997/43/F-8.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.L.Kongari for information and guidance.

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the C.C.Executive Commtt held from 9-11 August, 1943.

Item 32 (9)

" President's matters - Any other competant matters:
(1) ... ...
... ...

(9) Application of Rev.L.Kongari asking advice reg: the Baptism of the child of Benjamin Kerketta of Ghutbahar who does not accept the excommunication of Susana Bage of Kahupani :-

The applicant says that he will not accept the excommunication of Susana Bage and prayes that his child be given baptism on condition that he should not be present at the baptism - as he himself propeses:-

Resolved that the child be given baptism, on condition that Benjamin Kerketta does not attend the baptism. The Ilaka Chairman be informed accordingly."

BBMINZ/2C.

To
The Secretary G.E.L. Church Ranchi

Kahupani Dated
2-6-43

माननीय सेक्रेटरी बाबू को यीशु सहाय,

आप का भेजी हुई चिट्ठी ता: 24-4-43 को मिला और सब हाल मालूम किया। आप लिखते हैं कि बेथासेदेन कोलेबिरा सब CC के फैसला को मानता है, परन्तु मेरे बुझमें नहीं आता है, क्योंकि मैं उन से 31-5-43 को बात चीत किया परन्तु CC के फैसला को मानने के ऐसा मालूम नहीं किया। फिर कोलेबिरा वाले मास्टर के विषय लिखते हैं कि वह भी अलग गिरजा करना छोड़ दिया है, मेरे देखने में आज तक वह बड़े गिरजा में हाजिर नहीं हुआ है, और उस का मन CC के फैसला को मानने के अनुसार नहीं दिखाई देता है। तीसरा कोलेबिरा वाले मास्टर और निकोदिम समद को साथ आप की भेजी हुई Reminder चिट्ठी पाये हैं तौभी (सुनने में आता है कि) पास्टर तिड़ु और निकोदिम समद, पतरस वालों और बुसामी वालों को कचहरी ले गये और कहुपानी पुराने लोगों के ऊपर नालिश किये हैं, नोटिस अब तक नहीं आया है। मण्डली के विषय बात आप का अच्छा ही है, लेकिन लोगों के विषय आप का गोलमाल मालूम नहीं होता है।

आनन्द की बात है कि दु:ख और संकट रहते हुए भी कहुपानी में एक बड़ा गिरजा बनाया जा रहा है, भाई लोग बड़े मन तन से दिनरात काम कर अपने निज तन को दान से बना रहे हैं; प्रभु दया करे कि गिरजा घर तैयार हो सके। केवल अब ऊपर वाला ठोकना बाकी है और छरना बाकी है।

आपका प्रेम से आपका विश्वासी N. Tirky

1915

Kinkel

14-5-43

To

The Hon secretary,

G. E. L. Church Council

Ranchi

Sir.

With reference to my application of 7-4-43 regarding the repair of my quarter, I have the honour to say that the time of beginning the work has come, and as yet no information as to the decision of the Council in the matter has been furnished to me. I hope that I shall be given information at an early date that work ~~be~~ may be started in suitable time

I have the honour to be

Sir

Your most obedient servant

Yunas Bage

asst teacher.

M. E. school. Kinkel

P O. Kinkel

1

Property

मान्यवर लूथेरन ट्रस्टी बोर्ड छोटा नागपुर और असाम को मान्यवर लूथेरन चर्च कौंसिल छोटानागपुर और असाम रांची के समीप निवेदन है।

बज़रिये इलाका पंच कोरोंजो।

महाशय—

मैं जुलियुस लकड़ा वल्द जीतु लकड़ा साकीन मौजा कोरोंजो।

आगे मैं दीनता पूर्वक अर्जी पेश कर उमेदवार हूं कि मौजा कोरोंजो के बकाश्त मालिक के खाता नं० १३६ नामे बकाशत टांड प्लं. नं० १५२८. उत्तर बकाशत टांड़ दखिन टांड़ (घोघो) (बन्धना) लकड़ा जिसका रकबा २ एकड़ ८ डिसमील है, मुझ लाचार रैयत को मेहरबान कर रैयती देने की कृपा करेंगे।

इस निमित्त आप का धन्यवादी बना रहूँगा।

आइन्दे हाजुर मुलुक मालिक हैं।

आप का विश्वासी रैयत—

कोरोंजो

१५-४-४३ — ब. क. योहन ~~जुलियुस~~ लकड़ा कोरोंजो।

टेपा जुलियुस लकड़ा
१५-४-४३

कोरोंजो इलाका कार्यकारिणी सिफारिश करती है कि यह जमीन रैयती लगाने के काबिल है।

Rev L. Kongari
Ilaka chairman
15-4-43

P. Dungdung
Ilaka secretary
15/4/43

मान्यवर लूथेरन Property ~~ट्रस्टी~~ बोर्ड छोटा नागपुर और-
आसाम औ मानयवर लूथेरन चर्च कौंसिल छोटानाग-
पुर और आसाम राँची के समीप निवेदन ।

बजरिये इलाका पंच कोरोंजो ।

महाशय—

मै योहन खड़िया वल्द मरकश खड़ीआ शाकिन मौजा कोरोंजो ।

आगे मैं दीनता पूर्वक आर्जी पेश कर उम्मेदवार हूं कि मौजा कोरोंजो के गैरमजुरुआ मालिक के खाता नं० १३० नामे महुवा परती प्लट नं० १५१८ उत्तर बाजार टांड दखिन मनकी खड़ीआ जिसका रकबा १ एकड़ ~~[illegible]~~ डिसमील हैं, मुझ लाचार रैयत को मेहरबान कर रैयती देने की कृपा करेंगे ।

इस निमित्त आप का धन्यवादी बना रहूंगा ।

आइन्दे हजूर मुलुक मालिक हैं ।

आप का विश्वास्त रैयत—

कोरोंजो—
१५-४-४३

योहन खड़ीआ कोरोंजो ।

कोरोंजो इलाका कार्यकारिणी कमिटि शिफारिश करती है कि यह जमीन रैयती लगाने के काबिल है।

P. Dungdung
Ilaka Secretary
15/4/43

Rev. L. Kongari
Ilaka Chairman
15/4/43

प्रोपर्टी
मन्यावर लूथेरन ~~चर्च~~ बोर्ड छोटा नागपुर और आसाम

को मन्यावर लूथेरन चर्च कौंसिल छोटा नागपुर और आसाम

रांची के समीप निवेदन है।

वजरिये इलाका पंच कोरोंजो

महाशय —

मैं मनमसीह नाके प्रचारक साकीनें मौजे कोरेंजो

हल मोकाम अमझापानी।

आगे मैं दीनता पुर्वक अर्जी पेश कर उम्मेदवार हूं कि.

मौजा कोरोंजो के बकाश्त मालिक के खतीआन में दर्ज है

टाड़ - जो कोचे के दखिल में है. मुझ लाचार रैयत को

मेहेरबान कर रैयती देने को कृपा करेंगे।

इस निमित्त आप का धन्य वादी बना रहूंगा

आइन्दे हजुर मुल्क मालिक हैं

आप का विश्वासि रैयत -

दः मनमसीह - वल्द - प्रचारक - मुंडा।
ता॰ १५-४-४३

कोरोंजो इलाका कार्यकारिणी कमिटि सिफारिश करती है कि यह जमीन रैयती लगाने के काबिल है।

P. Dungdung,
Ilaka secretary
15/4/43

Rev. L. Kongari
Ilaka chairman
15-4-43

10-5-43

No. 61

Koronjo
May 8, 1943.

The Secretary
Lutheran Church Council,
Ranchi.

Dear sir,

I beg to state that there was a great storm yesterday and it took away the tin roof of the school building completely on one side along with the rollas. The cost of repair may be about one thousand rupees. New rollas and battas will be required for it.

I, therefore, request you that you would be kind enough to send money for its repair.

Yours obediently
P. Dungdung
Headmaster

From - Rev. L. Kongari.

To The Hony Secretary
G. E. L. Church, Ranchi.
Dated 22nd May 1943.

Mahasay!

Ap ko malum howe ki 7/5/43 ko bari jor se andhi dhuka aya aur hamare school bungalow ko bhari hani pahunchaya hai: Chhat ke tin to jo chharaya tha ujar kar jamin par phenk diya. ghar ujar para hai: aisa hi Hd. master ke rahne wala bungalow ka bhi buri dasha hai.

So in dongon ke bare men jo Hd master Babu P. Dungdung repairs ke liye likhe hain siftar manjuri kar ke bhejne se achha hota kyon ki pichhle barsat parega aur kachi itta hone se diwal ke girne ka dar hai. Na banane se school ghar ki buri hani hogi.

Girja ghar ka kewal ek khirki ko ukhar phenka hai

ap ka beswash
L. Kongari.

No. 68 D 29.5.43

कोरोंजो स्कूल बंगला मराम्मत का एस्टीमेट

1 (a) खपरा 13700 .... ६८॥)
(b) मंगरा खपरा १५०० .... १०)
(c) खपरा के लिये मिट्टी कोड़ाई .... ६)
(d) खपरा के लिये मिट्टी ढोलाई .... ४०)
(e) खपरा के लिये मिट्टी तैयारी (कुली) .... ३५)
(f) खपरा पकाने के लिये ढोलाई .... २०)
(g) खपरा के लिये पुआल लकड़ी .... २२=)
2 (a) बत्ता ४६० दर -)॥ प्रति .... २०॥=)
(b) बत्ता शिलिंग के लिये ८० दर =) .... ५)
(c) बत्ता ढोलाई .... २०)
3 कांड़ काटना, छिलना और ढोलाई .... ३०)
4 (a) बीम एक चिराई .... २॥)
(b) बीम ढोलाई .... २॥)
5 राज मिस्त्री और कुली दिवाल मराम्मत और पोचेरा [illegible])
6 (a) चूना मन 20 दर ॥=) .... १७॥)
(b) चूना लाने को कुली .... ११॥)
7 चढ़ाई, कुली टीन उतारने का .... ७॥)
8 खपरा उतारना .... २०)
9 कांड चढ़ाना .... ३०)
10 बत्ता लगाना (कुली) .... २८)
11 खपरा लाना और चढ़ाना .... ६०)
12 मचान के लिये बांस और ढोलाई .... १०)
13 कांटी १५ सेर दाम ८) सेर .... १२०)
14 छत्त छरना .... ३०)
15 शिलिंग मराम्मत के लिये ईंटा और ढोलाई .... १५)
16 शिलिंग मराम्मत के लिये कुली मिस्त्री .... १५)

८०५॥=)

[illegible]

D. Topno
Tahsildar
29-5-1943

Rev. L. Kongari
Ilaka Chairman
29/5/43

P. Dungdung
Headmaster
M.E. School,
Koronjo.
29.5.43

29/a

No. 66 Koranjo
May 29, 1943

The Secretary
G.E.L. Church, Ranchi.

Dear Sir,

With reference to your letter no. 1021/43/F-8 dated 25-5-43 I have the honour to state that a detailed estimate for the school building is sent. As regards my letter no. 62 dated 8-5-43, I beg to state that a detailed estimate recommended by the C.C member Rev. S. Bage has been already sent to you on 31/3/43 for Rs 245/- and Rs 50/- for another teachers' quarters, but I wonder why the money has not yet been sent. Now the roof of this building also has been damaged. If the building is not repaired the building may fall down.

31-3-43

Yours obediently
P. Dungdung
Headmaster

29 Jun 1943
2/6/43

206

C

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

NOTICE

This form must accompany any inquiry made respecting this telegram.

Charges to pay. Rs.	As.	Office Stamp.
		RANCHI JUN. 42

Handed in at (Office of Origin)	Date.	Hour.	Minute.	Service Instructions.	Words.
Simdega	10	15			19

TO

Recd. here at	H.	M.
	16	47

Secretary Lutheran
Council Ranchi

Tahsildars Estimate sent roof
removed Rains threatening building
may fall wire money
Headmaster Koronjo

N.B.—The name of the Sender, if telegraphed is written after the text.

Eden Press, Calcutta—No. 375 (5170/B-241)—12-2-42—1,50,000 Bks.

Th. Sogin 10-5-43 [illegible]

No-62

Korango
May 8, 1943

The Secretary,
Lutheran Church Council,
Ranchi.

Dear Sir,

I beg to state that the tin roof of the Headmaster's Quarters has been blown away by the storm yesterday. If it is not repaired it will fall and the damage will be very great. The tiles of the top portion has been thrown away.

I, therefore, request you that you would be kind enough to send the money for its repair soon.

Yours obediently,
P. Dungdung
Headmaster.

P.S. Slight damage has been done to all the building in which the teachers live.

To

The Secretary G E L Church Ranchi

Kahupani Dated 6-4-43

मान्यवर G E L church के Secretory को प्रभु सहाय,

आगे आप को कटुपानी केस के बाबत पड़हा सभा जो पांच महीना के ता० २४ - २६ तक बैठी थी, उस का रिपोर्ट जांच पड़ताल करके जो मुझे मिला आप को जानती दे रिपोर्ट देता हूं।

सभा पुनाचान बागे (S. P. G) की अगुवाई में बैठी।

हमारे कटुपानी पेरिस से डोंगापानी मण्डली के बेन्जामिन केरकेटा और अभिराम डांग। बनमाली मण्डली से गोबिन्द प्रसाद कुजूर। केरया मण्डली से इसहाक डांग। रांगावसा मण्डली से प्रभसिद्ध पुनास का लड़का मत्तस कुजूर और निकोदेम सामद। डड़कापानी मण्डली से सन्तोष सामद। कटुपानी मण्डली से लौद बागे, जुवास बागे, मोहन डांग, बेन्जामिन बागे, नथनिएल बागे, और मास्टर कोमास बागे। लोरबोई पेरिस के पपरजोना मण्डली से मर्टिनबिलुङ और मोहन होरो। लोरबोई मण्डली से भी कितने भाई आये थे। और सभा में ठेठैटांगर के दरोगा भी आये हुए थे।

कौंसिल की भेजी हुई चिट्ठी नं: ३२० - ई० / ८३। [मैं बात तय किये कि कटुपानी वाले एकदम न लिया जाय] के बाबत और पड़हा सभा का कहना है कि कौंसिल के न आने से पड़हा सभा की फैसला ही रहे। और कि सेन्ट्रालैंस बन्द करना अधिकार नहीं किया जाय। अन्त में पुनाचान बागे का कहना है कि बात तुरन्त तय हो सकती है, जब कि तुम लोग रोमन मिशन तरफ चले जाओगे, लेकिन लोगों ने उसको जवाब दिया कि हम लोग रोमन मिशन तरफ नहीं जायंगे।

आगे आप को मालूम होवे कि पड़हा सभा की उपरोक्त फैसला को सुन करके मैं मण्डली २ जांच करके देखा कि पड़हा सभा के फैसला के अनुसार मण्डली की बात नहीं है, परन्तु उसके विपरित में है, याने मण्डली के सब भाई बहिन सेन्ट्रालैंस देने को राजी हैं और कितने सेन्ट्रालैंस कर चुके।

आगे पुनाचान बागे जो कहा कि रोमन मिशन तरफ जाओगे तो बात तुरन्त तय हो जायगी, इसके बाबत मेरा यही कहना है कि लोग रोमन मिशन तरफ तो नहीं जायंगे, परन्तु चिट्ठी और से मालूम होता है कि पुनाचान बागे (S. P. G) ही अपना और दूसरे के मतलब से ऐसा कहा और कि दूसरे मिशन चले भी जायंगे भी तो मण्डली २ के सब लोग नहीं जायंगे, जायंगे भी तो वे ही लिडर लोग जायंगे जिनका नाम ऊपर दर्ज है। इसलिये पुनाचान बागे के बदले सलाह के तौर में मेरा तो यही कहना है कि S. P. G बिशप के पास लिखा जाय कि वह लुथेरन चर्च में आकर के क्यों गड़बड़ मचाता है, याने सेन्ट्रालैंस बन्द करते और अपना मिशन जाने की राय देता है।

आपका विश्वासी N. Tirkey

From — Rev. L. Kongari, Korongo

To

The Hony. Secretary,

G. E. L. Church, Ranchi.

Dated Korongo the 10th April 1943.

Manyawar

Hony Secretary ko gimashay howe.

Ap ki chitthi NO 711 - 13/43/F.8 Dated 31st March 1943 ko mili.

Ap ko malum howe ki Kakupani Parha Sabha ki baithki ke bare main ne 5-4-43 ko jauch ke liye gaya tha. Us baithki men kaun tinong men se koi padri hajir nahin the kyon ki C.C. ki or se koi ijajat nahin mili aur ne Parha ki bulaya. Kewal Padri Babu Lucas Toppo khutitoli ilaka apne koi case ke babut men hajir hue the. Parha Maharajaon men se koi nami log nahin aye the kewal Jonathan Bage S.P.G. chunch ka aur Toppo Raja ka larka aur appas ke Bage Parti ke chhor aur koi nahin aye the.

Jauch men main ne parha phaisla ke babut yehi paya ki (1) C.C. ke phaisla ko nahin manenge aur Susana Bage ka X-Ray nahin karaenge. (2) C.C. Parha sabha men hajir nahin hua is liye uska kar hai (3) Centerlise band karne aur adhik jari howe. (4) Parha ki bat aur adhik jari kiya jay.

Sunte hain ki Jonathan Bage ulgulani Parti se kaha ki tab tak jaldi saph hoga jab R.C. mission ki or jaoge. par unhonge kaha ki R.C. taraph nahin jaenge. Kahne ka mal matlab yehi hai ki S.P.G. ki or chale jao. Jonathan Bage S.P.G. hokar hamare church men kyon golmal macha raha hai yane centerlise band karwata hai aur dusre mission ki or jane ko kahta hai. Achha hota ki unke Bishop ko iska jankari diya jata.

N.B. Yanhan par Jonathan Bage ko phaisla nahin likha kahe ki pichhe likhunga. Centerlise band hone ke badh ab dhire 2 tante jaraha hai. Achha hota ki C.C. ab ulgulani leader Nicodim Samad, Benjamin Kerketta, Boas Bage Kakupani master, Martin Tirn aur Johan Xess ke upar kuchh karrwai kare. Ye kewal C.C. aur ilaka ko dukh dete rahenge.

Ap ka bisvasi —
L. Kongari

No. 467 / 12/3/43
ता॰ 18-3-43.
To President for disposal
Th. Mrin 17-3-43. Hony. Secy.
२.

Church Council
Received...
Register No...
Date...
File...
Reply No...

लोमबोई
८-३-८३.

महा माननीय
G. E. L. Church के Hony. Secretary
Th. Surian को हम दोनों का येशुसहाय।

मैं दो चिट्ठियां पाई - एक - जिस में कितने पादियों की बदली और मेरे पेन्सन होने की बात लिखी थी, दूसरी - जिसमें मुझे Rev. Ch. R. Tiyoo को चार्ज देने और पेन्सन मिलने की बात लिखी ~~थी~~ गई थी। इन को छोड़ सवाल दिये हुए चिट्ठी इस आप के ३०.१.४३ के लिखित चिट्ठी के पहिले नहीं पाया हूं। आप के ३०.१.४३ को लिखित चिट्ठी २०.२.४३ को पाया। मैं तज्जुब मानता हूं कि तीन सवाल मेरी पत्नी को सामिल करके किया जाता है, फिर कि ऐसे २ सवाल कहां से उत्पन्न हुए - जरूर कोई शख्स हम दोनों के बारे आप के पास शिकायत की चुगली बात लिख भेजा है जिस्ते कि मुझे पेन्सन न मिले, जिस के हेतु आपके मन में ये सवाल उत्पन्न हुए हैं।

शायद आप को मालूम है कि सैन्दालौज का गोलमाल ३-४ मार्च १९४२ मौकाम राणाबासा में कोरो जो इलाका आम सभा की बैठकी के समय शुरू हुई। इसी दिन C.C. एक्जीक्यूटिव का फैसला, जो सुसाना बागे के केश के सम्बन्ध में थी, Rev. Y. Bage के नाम से आया था - कि सुसाना बागे और पतरस बागे का चोरी सगा पुकार किया जाय। इसी खबर को सुनके कितने लोग अपना एक प्रैभेट मिटिंग करके एक राय किये - यह कहके कि C.C. पद्दा सभा के फैसला को उठा देता है। थोड़े दिन के बाद पत्र

P. T. O.

खिलके को उसने अपना सेहो देके इलाका में पेश किये जो आज तौं इलाका चेयरमैन के फैल में आप देख सक्ते हैं- बाद इसके कितनी मंडलियां जैसा राजाबासा, बनमाली, कुटबहार, कड़ुपानी का एक पार्टी, तोलबैड़ि औ मामा भगिना का एक पार्टी सेन्ट्रलैज को रोक दिये।

Question 1. क्या आप और आपनी स्त्री डिसेन्ट्रालैज करने हारों के दल में हैं?

जवाब — मैं और मेरी पत्नी डिसेन्ट्रलैज करने हारों के दल में किसी प्रकार नहीं हैं। सबूत (क) — मैं अपना निज आमदनी जो स्नान, अनुजोग, औ सादी दान आदि से मिला, हर महिना इलाका में सैन्ट्रलैज किया करता रहा जो इलाका बही से सबूत है।

(ख) — हम दोनों डिसेन्ट्रालैज करने हारों के किसी मिटिंग में कभी नहीं बैठे हैं, जौनों कि उन्होंने कई बेर कितने जगहों में प्रैभेट पन्चैटों को किया न हम दोनो को आपने पन्चैट में हाजिर होने का नौटिस दिया है।

(ग) — मेरे जौरिस में १३ प्रचारक पन थे - जिन में से सिर्फ दो मंडलियां याने तोलबेड़ी और मामा भगिना डिसेन्ट्रालैज करने हारे हैं यदि मैं डिसेन्ट्रालैज करने हारों के दल में होते - तो शेष ११ प्रचारकपन के पंचों को भाइयों को उभाड़ता को उसकाता। पर संयोग से तो इन मंडलियों के भाइयों को डिसैन्ट्रालैज करने के लिये एक बात भी कभी मैं नहीं बोला हूं। वे दो मंडली जो डिसैन्ट्रालैज करने हारे हुए - इसका वजह तो यह है कि मामा भगिना का

P. T. O.

मार्टिन लिङ् यह खुद मौकाने कहुपानी में खसाना कैश के विषय पया सभा के सभापति थे वैसेही लोबाड़ि के कितने भाई और उस सभा में थे जिसने डिसेम्बू लैन के दल में मिल गये।

Question 2. क्या आप और आप की पर्ष्ठी गोलमाल करनेहारों से सम्बन्ध रखते हैं?

जबाब— हम दोनों गोलमाल करनेहारों के साथ गोलमाल विषयक कुछ सम्बन्ध नहीं रखते हैं। क्योंकि उससे हमों का कुछ फायदा नहीं है। केवल ऐसे सम्बन्ध जैसा वर्त्तमान Rev. Ch. R. Tapuno उनसे सम्बन्ध रखते हैं। याने लोकाचारी औ धर्माचारी विषयक सम्बन्ध। लोकाचारी विषयक सम्बन्ध— उनके साथ भेंट मुलाकात करना, दुःख सुख में सामिल होना, लेनदेन, रिन पैंचा- करना और काम उदम में सहाय करना आदि।

धर्माचारी विषयक सम्बन्ध— गिर्जा कार धाना में सामिल होना, गिर्जा घर मरामत, स्कूल घर मरामत औ स्कूल मास्टरों के तलब विषयक। यहां लोबाड़ि का गिर्जा घर छत समेत धस गया था केवल छत मरामत हुआ है—पर भीत अबतक धसा हुआ है इस घर के भीत उठाने के सम्बन्ध में जो बातचीत औ राय सलाह होती है इस सम्बन्ध के पन्चैटों में हाजिर होते हैं।

फिर यहां U. P. स्कूल है। जिसमें तीन मास्टर और एक मिस्ट्रेस्स काम करते हैं। दो मास्टर बेतलब काम करते हैं इनके तलब विषयक बात विचार करने में सामिल होते हैं। ऐसे२ धर्माचारी विषयक बातों में सामिल होने को छोड़ सेट्रालैज

P. T. O.

गोलमाल करनेहारों से कुछ समबन्ध नहीं है, न उनको दुदाते न मदद देते हैं बल्कि सेन्द्रालीज करने के लिये समझाते हैं। मेरी पत्नी आजतक अहिन बिन्ती समाज चलाती है जो समाज में सिखी देने को चाबु को है।

Question 3. क्या आप और आपकी पत्नी उन डिसेन्ट्रालीज करनेहारों को मनाने बुझाने और गोलमाल न करने और सेन्ट्रालीज करने को चलाते हैं?

जवाब— मैं डिसेन्ट्रालीज करनेहारों को मनाने बुझाने को शक्तिभर यत्न किया। २ जुलाई १९४२ को मैं लोम्बोई और मामाअगेना के मंडली पंच भाइयों को नौकाम मामाअगेना में बुलाया। इस रोज सिर्फ मामाअगेना पंच भाई और तिलाइजरा से २, तीन भाई हाजिर आये। बहुत समझाने पर भी मामाअगेना के भाई लोग दो पार्टी में बिभक हुए याने सेन्ट्रालीज करनेहारे और डिसेन्ट्रालीज करनेहारे। इस प्रकार ५ वां जुलाई के रतवार से आधे बिहान बेला और आधे १२ बजे गिर्जा आरम्भ कर दिये। उस रोज के समझौता में तिलाइजरा के भाई लोग बोले कि लोम्बोई हमारी माता मंडली है हम ब्रंच मंडली में हैं जैसा लोम्बोई के भाई लोग राय देंगे वैसाही करेंगे। इसके बाद फिर ६ जुलाई १९४२ को प्रत्येक को नोटिस देके लोम्बोई के भाइयों को वास्त गिर्जा घर में जमा होने के लिये खबर दिये। पर कोई भी हाजिर नहीं आये। इस रीति से जमा करके समझाने में हार मानना पड़ा। अकेला भी समझाया – पर तौभी न माने। होते २ आखिर में लोम्बोई

P. T. O.

के मुख्य पंच भाई लोग एक लिखित पत्र इलाका चेयरमैन के नाम से यह कहके लिख भेजा कि जबतक कद्दुपानी की बात सफाई नहोवे तब तक सैन्ट्रलैजेशन नहीं करेंगे। उस कागज में अपना २ सही भी लिख भेजा, जो आज तक इलाका चेयरमैन के फैल में मौजूद है जिसको आप देख सकते हैं। इस पत्र को १५-१६ जुलाई १९४२ को इलाका में पेश किये।

Question 4. आप गोलमाल को रोकने के लिये अभी तक क्या किया है? अगर आप ने किये हैं तो आपने क्या किया है, अगर नहीं किये हैं तो आपने क्यों कुछ नहीं ~~किये हैं?~~ किया?

जवाब — मैं आज काल गोलमाल रोकने के लिये बिशेष यत्न नहीं किया हूं, बिशेष कारण तो यह है कि चार्ज रहते बुलाने से हाजिर नहीं होते थे तो चार्ज रहित होने से भाई लोग कहां तक मुझे मानेंगे वो समझेंगे, पर जब २ अवसर पाता हूं तब २ समझाना नहीं छोड़ा हूं। जैसे १४ दिसम्बर १९४२ को तिलाइजरा मंडली के जुवा युवातियों के बीच किसी बात के बारे अनबन हुआ जिसके निबटारा के लिये तिलाइजरा मंडली पंच को प्रचारक जोहन डांग और प्रचारक सुलेमान बागे हाजिर थे। संयोग बश उस रोज मैं इस पलेट में हाजिर हुआ। जब जुवा जुवातियों का अनबन तय किया गया। तब सैन्ट्रलैज करने के बारे तिलाइजरा भाइयों को समझाया, तिस पर बोले अब तो हम लोग लोम्बोई वालों के साथ गोलमाल दल में नहीं रहेंगे क्योंकि यदि रहेंगे तो हम लोगों को बचनदत्त सौदा इत्यादि

P. T. O.

नहीं मिलेगा - हम लोग जरूर सेन्ट्रालैज करेंगे। इस बात के बारे में प्रचारक जोहन डांग से जांच किया और बताया कि तिलाइजारा के मंडली पंच भाई लोग सेन्ट्रालैज करने के लिये खजाना को वापस दिये हैं - आनेवाले मार्च महिने के पन्द्रह में दो महिना याने जनवरी + फरवरी का खजाना सेन्ट्रालैज में दाखिल करेगा।

Question 5. क्या कभी सुसाना केश में मेल मिलाप हुआ था और अगर हुआ था तो किन के बीच और किस बात के बारे में और आप ने इस में क्या किया था?

जवाब — ता: १६-२२ जून १९४१ मौकाम कडुपानी में सुसाना केश के सम्बन्ध में पदा सभा की बैठकी हुई थी। इस बैठकी में सभापति मामानोगेना का मार्टिन तिड़ु और सेक्रेटरी जोहन होरो थे। इस बैठकी में भी पदरी सुलेमान बागे और कोरोंजो इलाका के पांच प्रचारक - याने पतरस बाबा, मनमसीह बाड़ा, जोहन तोपोनो, मनसिद्ध सुरिन और सुलेमान समद और अनेकन भिन्न २ गांव के लोग और कडुपानी से प्रायः घर २ से एक दो भाई लोग हाजिर थे। पदा नियमानुसार बागे गांव वालों को बोलना, तर्कबितर्क करना कुछ हक नहीं था, केवल अन्य गांववालों को बोलने का हक था। इस दिन की पदा सभा की बैठकी का बात बिचार को मैं अपनी आंख से देखा, अपने कान से सुना, कहां तक बयान करूं — आखिरी बात - सुसाना केश के सम्बन्ध में मेल मिलाप हुआ - फैसला हुआ

P. T. O.

२

कि लड़का-लड़की निर्दोषी हैं - फैसला पढ़के सुनाया गया - तब दोनों पार्टी के याने मुद्दई औ मुदालेह लोग फैसले कागज पर अपना२ हस्त लेख औ खुसी से लिख दिया - तिस के बाद मेलमिलाप की प्रार्थना का हुकुम मुझको दिया गया, तब मैं मुन्डारी से (अम सयद - नम ले यीशु ख्रिस्त अलेको तैनोमे) इस गीत का २, ३ पद गाके औ बैबल बचन मैथ्यू ३७,५ उच्चारण करके मिलाप का प्रार्थना किया। प्रार्थना के बाद दोनों पार्टी के लोग एक दूसरे को और सब सभासद गनों के साथ हाथ मिलान यीशुसहाय किये। अन्त में प्रेम भोज तैयार किया जाके सभा के सब लोग औ मुद्दई, मुदाले लोग एक साथ खान पान करके सभा बिसर्जन हुई। मुद्दई मुदालेहों के प्रतीत चिन्ह उनके लिखित से प्रगट होगा जो पदा सभा के फैसले कागज में मौजूद है, जिसको आप देख सक्ते हैं।

मैं अफसोस से भर गया - क्योंकर मेरे बिषय में ऐसी शिकायत औ दलील की बात की जाती है। यह तो ऐसा है जैसा देशी कहावत है "रुख चढ़ायके हेंठे छेव चलायक" याने पेन्सन नाम देके पेन्सन बन्द करना मेरे मन के लिये भारी आघात पहुंचाना है। यदि आप को इस लिखित जबाब पर बिश्वास न होवे खटका मालूम होवे तो खुद आप आके शिकायत वो दोष लगाने हारा और मैं औ मेरी सभा आप के साम्हने हाजिर और मुकाबला हो जांच कर लीजिये - ताकि

P. T. O.

आप का सन्देह दूर होवे। अब मेरी अन्तिम बात यह है इसी में सेन्द्र तौज रोकने वालों के दल में मिलान किया जाके मेरे पेंसन का ताला बनाया जाता है। मैं लाचार हूं अपना नीज पक्ष कहां तक करूं। शायद मेरा पक्ष करना व्यर्थ ठहरेगा। ईश्वर सर्वज्ञानी और न्यायक है आप लोग कलीसिया के सर्व अधिकारी और मालिक हैं। जैसा आप को भला लागे कर सके हैं।

आप का कृपाभिलाषी

Nathaniel Bage

So far as I can see, no specific charge could be proved against the Rev. N. Bage and his wife and the local pastor Rev. ~~N. Tirki~~ C. R. Toppo also recommends his pension may be paid in full.

[illegible]
19/3/43

To, The Hony. secretary,
G.E.L. Church
Ranchi:

आप ने जो चिट्ठी Rev. N. Bage के पास लिखी है और जिसमें आप मेरा सिफारिश उसकी धर्म पत्नी के विषय चाहते हैं सो मैं Nov. – Feb. तक के भीतर की बातों को जितना जानता हूं और सुनता हूं सिफारिश करता हूं और पहिले की बातों को मैं नहीं जानता हूं —

सिफारिश तो यह है कि इन महिनों के भीतर में वह आप ही गिर्जा का समाज चलाती है, गिर्जा आना जाना ठीक है और दानधर्म भी ठीक है। Rev. N. Bage मुझे आप की चिट्ठी को दिया जिसमें आपने लिखा है कि "क्या Rev. N. Bage की धर्म पत्नी सेक्रामेंट न करनेहारों में से है और उनसे उसका कोई प्रकार का सम्बन्ध है?"

इस सवाल के जवाब में सामने पूछने पर यह उत्तर मिला कि वह खुला दिल से बोली कि मैं उस दल में की नहीं हूं, मैं तो चाहती हूं कि सेक्रामेंट किया जावे।

P.T.O.

इस लिये मेरा शिफारिश तो इतना ही है कि जो बात जांचने पर और सामने पूछने पर मिली मैं जाता हूं और उसका नकल हस्तलिखित साही सहेत अपने पास मैं file मे रखता हूं।

आप का विश्वासी

Rev. C. R. Sofrono.
Parish Chairman
Lombai.
4.3.43.

President. C.C.

15

To
The Hony. Secretary,
G.E.L. Church
Ranchi.

Dt. 22.3.43.

महाशय आप को मालूम होवे कि —

(1) मैं ने आप की आज्ञा से बढ़ कर (लंघनो) लोरवाई और मामा भगिना मागलियों के लिये पवित्र प्रभुभोज, पवित्र स्नान, बचनदत्त, शादी, दृढ़ापन आदि कामों को ता: २१-३-४३ से बन्द कर दिया।

(2) ता: १२.३.४३ की चिट्ठी को मैं ने B/ Martin Tiru को ता: २१.३.४३ को दे दिया।

A/p Kalishwar L
Rev. C.R. Tiru
Lomboi.